रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

अश्विन शुक्ल पक्ष 08, संवत 2081 | रांची, शुक्रवार, 11 अक्टूबर 2024, वर्ष-25, अंक- 249, पृष्ठ-16 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

गोगो दीदी योजना

हर महीने की
11 तारीख को
₹2100
सभी महिलाओं
के खाते में

गोगो दीदी योजना

भाजपा लाएगी
भरोसे की बहार
झारखंड की
महिलाओं को हर साल
₹25 हजार+

भारतीय जनता पार्टी
झारखंड प्रदेश

रोटी बेटी माटी की पुकार, झारखंड में आ रही भाजपा सरकार

राज्यपाल संतोष गंगवार सहित कई नेताओं ने रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने महान व प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। वहीं कहा कि उनके निधन की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। रतन टाटा ने उद्योग, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्रों में अपने दूरदर्शी और निस्वार्थ योगदान से देश को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व के कारण भारत ने न केवल व्यापारिक व उद्योग जगत में, बल्कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी विश्वस्तरीय पहचान बनाई। राज्यपाल ने कहा है कि रतन टाटा की विनम्रता और परोपकार की भावना सदियों तक प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। उनका निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। रतन टाटा का व्यक्तित्व और उनका निस्वार्थ समाज सेवा का दृष्टिकोण सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उनके निधन से देश ने एक महान व्यक्तित्व और अनमोल रत्न खो दिया है। राज्यपाल ने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि रतन टाटा के परिवारजनों और उनके अनगिनत प्रशंसकों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

रतन टाटा ने देश के लिए काम किया उनका निधन अपूरणीय क्षति : बाबूलाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन, महान उद्योगपति रतन टाटा के निधन से गहरा दुख हुआ। उन्होंने कहा कि रतन टाटा के निधन से पूरा देश मर्माहत है। देश की 140 करोड़ जनता दुखी है। रतन टाटा एक ऐसे उद्योगपति रहे कि उन्होंने देश में उद्योग जगत को लीड किया। सामाजिक कार्यों में भी उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्री मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए रतन टाटा से उनकी मुलाकात हुई थी। कई योजनाओं के बारे में उनसे चर्चा की थी। सभी काम करने को वे तैयार थे। दुर्भाग्य से मुख्यमंत्री से हटने के बाद काम वहीं लटकर रह गया। आज भी मैं उनकी विनम्रता और सादगी याद करता हूं। वास्तव में उन्होंने अपने लिए नहीं देश के लिए काम किया। दुनिया में देश का परचम लहराने की चिंता करते रहे। उनके निधन से पूरा देश मर्माहत है। श्री मरांडी ने कहा कि उद्योग जगत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के साथ-साथ परोपकार और विनम्रता की अद्भुत मिसाल पेश की।

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि रतन टाटा के निधन से देश को बड़ी क्षति हुई है। पूरा देश दुखी है। वह महान उद्योगपति के साथ एक नेकदिल इंसान भी थे। गरीबों के मसीहा थे। मंत्री ने कहा कि रतन टाटा सरल स्वभाव के थे, कभी भी उनसे मिलने पर बड़ी सरलता के साथ मिलते थे। उन्होंने कहा कि देश ने एक रत्न खो दिया है, जिसकी भरपाई नहीं हो सकती है। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव सह मजदूर नेता विजय खां ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश में कई और उद्योगपति हैं लेकिन रतन टाटा की छवि ही अलग थी। उनके साधारण व्यवहार और मजदूरों के प्रति उनका प्रेम अवस्मरणीय है। उनकी कमी को पूरी नहीं की जा सकती। उन्होंने देश के उद्योग जगत को विश्व के पटल पर स्थापित किया और भारत में विकास को गति दी। उनके सिद्धांतों को तमाम उद्योगपतियों को अपनाना चाहिए।

रतन टाटा का निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति : चंपाई सोरेन

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि भारतीय उद्योग जगत की धुरी रतन टाटा का निधन ना सिर्फ उद्योग जगत, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है।उन्होंन गुरुवार को कहा कि मेरे सार्वजनिक जीवन की शुरूआत ही मजदूर आंदोलन से हुई थी, और अपने अनुभव के आधार पर कह सकता हूँ कि रतन टाटा बाकी उद्योगपतियों से बिल्कुल अलग थे। आज देश ने विनम्र, राष्ट्रवादी, दूरदर्शी एवं विकास के प्रति समर्पित एक संवेदनशील इंसान को खो दिया, जिनका दिल भारत के लिए धड़कता था। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में टाटा समूह स्टील उद्योग, ऑटोमोटिव और सूचना प्रौद्योगिकी समेत कई क्षेत्रों में दुनिया भर में कामयाबी के शिखर पर पहुंचा। दूसरी ओर, उनकी पहचान नवाचार को बढ़ावा देने वाले एक ऐसे शख्स की रही, जिन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा एवं सामाजिक विकास के लिए कई कदम उठाए। भारत के विकास गाथा के अग्रणी योद्धा को अंतिम विदाई देते समय दिल भर आया है।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने भी जताया शोक

पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने कहा कि भारत के प्रख्यात उद्योगपति, 'पद्म विभूषण' रतन टाटा का निधन अत्यंत दुःखद है। वह एक असाधारण इंसान थे। उनका जाना उद्योग जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका सम्पूर्ण जीवन देश के औद्योगिक व सामाजिक विकास को समर्पित था। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व उनके परिजनों व प्रशंसकों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

देश के अनमोल रत्न थे टाटा : लंबोदर महतो

आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने देश के सुप्रसिद्ध उद्योगपति, समाजसेवी रतन नवल टाटा के आकस्मिक निधन पर दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सरल, विनम्र, मिलनसार, मृदुभाषी, परोपकार की भावना से भरे रतन नवल टाटा एक असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी थे। रतन नवल टाटा के देश के अनमोल रत्न थे उन्होंने अपने अतुलनीय संकल्प, क्षमता व सक्रियता से देश के आर्थिक ढांचे को ठोस आकार दिया। उनकी शालीनता, स्पष्टवादिता, दूरदर्शिता व समाज के प्रति समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा। रतन नवल टाटा के प्रति सभी के मन में आदर व सम्मान था।

राज्य से नक्सलियों का हो रहा सफाया : डीजीपी

पुलिस नक्सली मुठभेड़ के बाद झारखंड डीजीपी ने चतरा जिले का किया दौरा

ऑपरेशन में शामिल जवानों का हौसला बढ़ाया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चतरा जिला पुलिस को टीएसपीसी नक्सलियों के विरोध सफलता मिलने के बाद नक्सल विरोधी अभियान में निकली पुलिस की टीम और जवानों के हौसला अफजाई के लिए डीजीपी अनुराग गुप्ता और डीआईजी सुनील भास्कर गुरुवार को चतरा पहुंचे। इस दौरान डीसी रमेश घोलप और एसपी विकास पांडेय की मौजूदगी में डीजीपी और डीआईजी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जिसके बाद समाहरणालय के सभाकक्ष में पुलिस पदाधिकारी के संग आयोजित बैठक में डीजीपी व डीआईजी शामिल हुए। इस दौरान डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मीडिया से

बात करते हुए कहा कि चतरा सहित झारखंड पुलिस को टीएसपीसी नक्सलियों के विरुद्ध बड़ी सफलता मिली है।

डीपीजी अनुराग गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि झारखंड में नक्सलवाद कहां हैं, ये सभी अपराधी है। टीपीसी, जेजेएमपी, टीएसपीसी का नाम गिनाते हुए कहा कि ये लोग अपराधी हैं, इनके बड़े-बड़े मकान हैं, गाड़ियां हैं, ये सभी अपराधी ही हैं। इन्हें नक्सली बताकर ऐसे अपराधियों का सम्मान बढ़ाना नहीं चाहिए। पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा कि चतरा जिला के साथ साथ प्रदेश में अफीम की खेती पर नकेल कसी जाएगी। इसके लिए युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है।

बता दें कि चतरा पुलिस ने टीएसपीसी के सबजोनल कमांडर हरेन्द्र गंझू व दस्ते में शामिल इश्वरी गंझू को एनकाउंटर में मार गिराया। पुलिस की टीम ने दस्ते में शामिल एक अन्य नक्सली गोपाल गंझू को गिरफ्तार किया है। ये एनकाउंटर सदर थाना क्षेत्र के गनियोतरी जंगल में हुआ। पुलिस बल के साथ एनकाउंटर में मारा गया हरेंद्र गंझू उर्फ रामदास भोक्ता उर्फ सुरेश गंझू सदर थाना क्षेत्र के कारी देवरिया गांव का रहने वाला है। ईश्वरी गंझू उर्फ घुटारी गंझू उर्फ पेरू वशिष्ठनगर जोरी थाना क्षेत्र के गुब्बे गांव का रहने वाला है।

वहीं दस्ते के एक अन्य गिरफ्तार नक्सली गोपाल गंझू भी वशिष्ठनगर जोरी थाना क्षेत्र के गुब्बे गांव का ही रहने वाला है। इस दौरान पुलिस की टीम ने नक्सलियों के पास से एक एक-47 राइफल, एक देसी कट्टा, एक-47 राइफल का तीन चक्र गोली, खोखा, नक्सलियों के द्वारा अपराध की योजना बनाने अथवा दैनिक उपयोग के सामाग्रियो को लाने में प्रयुक्त एक मोटरसाईकिल व चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

इस एनकाउंटर में मारे गये टीएसपीसी के सबजोनल कमांडर हरेन्द्र गंझू के दस्ते ने आठ महीने पूर्व एनकाउंटर स्थल गनियोतरी जंगल से सटे बैरियों जंगल में अफीम की खेती को नष्ट कर लौट रही पुलिस की टीम पर घात लगाकर हमला किया था। जिसमें पुलिस के दो जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद से ही हरेंद्र की गिरफ्तारी व एनकाउंटर को लेकर पुलिस के द्वारा लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान बुधवार देर रात अभियान पर निकली चतरा पुलिस की टीम ने एनकाउंटर के दौरान हरेंद्र सहित दो नक्सलियों को ढेर कर दिया।

रतन टाटा का निधन भारतीय उद्योग जगत की एक बड़ी क्षति : केशव महतो कमलेश

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि आज देश ने अपना एक रत्न खो दिया। झारखंड राज्य को पुरे विश्व को पहचान दिलाने वाले बहुमुखी प्रतिभा के धनी सरल और मेहनतकश व्यक्ति्व हमलोगों को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा रतन टाटा भारतीय उद्योगपति थे जिन्होंने टाटा समूह और टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वे भारत की सबसे बड़ी व्यापारिक इकाई, टाटा समूह, के 1991 से 2012 तक अध्यक्ष थे। इसके अतिरिक्त, अक्टूबर 2016 से फरवरी 2017 तक वे समूह के कार्यकारी अध्यक्ष रहें। वहीं कांग्रेस विधायक दल के नेता डॉ रामेश्वर ने कहा कि भारत एक स्वर्णिम सदी का आज अंत हुआ। विश्व में अपने उद्धम और कौशल से अमिट छाप छोड़ने वाले आदरणीय रतन टाटा को भारतीय उद्योग के इतिहास में हमेशा याद किया जायेगा।

सुबोधकांत सहाय ने प्रख्यात उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर जताया शोक

रांची। कांग्रेस नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने देश के प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री सहाय ने दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि रतन टाटा के निधन की सूचना से मर्माहत हैं। देश के औद्योगिक विकास को गति देने में रतन टाटा की भूमिका अविस्मरणीय है। उद्योग, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व के कारण भारत ने व्यापारिक व उद्योग जगत में विश्वस्तरीय पहचान स्थापित की।

जेएलकेएम ने की 14 प्रत्याशी की घोषणा अकील अख्तर बने गांडेय के उम्मीदवार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी नई सूची जारी कर दी है। गुरुवार को पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो द्वारा जारी की गई दूसरी सूची में 14 विधानसभा सीट के प्रत्याशी की घोषणा की गई है। पार्टी ने हाई प्रोफाइल सीट में से एक गांडेय विधानसभा सीट के लिए अकील अख्तर (रिजवान) को प्रत्याशी बनाया है। जबकि दूसरी हॉट सीट धनवार से राजेश रत्न को उम्मीदवार बनाया है। दूसरी लिस्ट में धनबाद विधानसभा सीट समेत 14 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई है। धनबाद सर्किट हाउस में जयराम महतो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पूर्व में छह सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की गई थी। दूसरी लिस्ट के बाद अब तक 20 सीट पर पार्टी प्रत्याशी की घोषणा कर चुकी है और यह उम्मीद की जा रही है कि दशहरा तक सभी सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दो सीटों पर हमने चुनाव लड़ना तय किया है। डुमरी के अलावे गोमिया, मांडू और बेरमो में से किसी एक सीट से चुनाव लड़ेंगे।

गांडेय व गिरिडीह के अलावा मांडर सीट के लिए गुणा भगत, टुंडी से मोतीलाल महतो, कोडरमा से मनोज कुमार यादव, हजारीबाग जिले के बरही से कृष्णा यादव, बरकट्ठा से महेंद्र मंडल, हजारीबाग से उदय मेहता, डाल्टनगंज (पलामू) अनिकेत मेहता, गोड्डा से परिमल ठाकुर, धनबाद से सपन कुमार मोदक, खरसावां से पांडू राम हिबरू, सिंदरी (धनबाद) से उषा देवी व बोकारो से सरोज कुमारी को उम्मीदवार बनाया गया है। यहां बता दें कि इससे पहले जयराम महतो ने छह प्रत्याशी की घोषणा की थी। इन छह प्रत्याशी में से जयराम खुद भी हैं। जयराम ने डुमरी से चुनाव लड़ने की घोषणा की है। इधर गुरुवार को दूसरी सूची जारी होने के बाद क्षेत्र में सुगबुगाहट देखी जा रही है। चर्चा हो रही है।

क्यों महत्वपूर्ण है गांडेय व धनवार सीट

यहां बता दें कि गुरुवार को जिन 14 सीट की घोषणा की गई हैं। उनमें गिरिडीह जिले की गांडेय व धनवार सीट भी है। गांडेय से वर्तमान विधायक कल्पना सोरेन हैं तो धनवार से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, ऐसे में दोनों सीट कई मायने में महत्वपूर्ण है।

चुटिया से चुरा ली गई बच्ची स्टेशन से बरामद, आरोपी युवक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चुटिया से चोरी हुई चार साल की बच्ची सावित्री को पुलिस ने बरामद कर लिया है। साथ ही पुलिस ने बच्ची को चोरी करने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी राजा रवानी सिल्ली थाना क्षेत्र का निवासी है। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि आरोपी बच्ची को बुधवार दोपहर चुराकर रांची रेलवे स्टेशन ले गया। ट्रेन की टिकट लेकर वह मुरी स्टेशन उतरा और वहां से अपने घर सिल्ली चला गया। गुरुवार सुबह परिजनों को बच्ची के बारे में पता चला तो वे आरोपी के साथ रांची स्टेशन पहुंचे। तभी पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया। बच्ची को भी बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार सीडब्ल्यूसी के समक्ष बच्ची को पेश किया गया है। इधर, पुलिस पता लगा रही है कि वह बच्ची को किसे बेचने वाला था।

बुधवार को बच्ची को चुराकर ले गया था आरोपी

चुटिया पावर हाउस से चार वर्षीय सावित्री बुधवार की दोपहर चोरी हो गयी थी। इस मामले में उसके पिता शम्भू साव ने चुटिया थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी। उसने बताया कि बुधवार को दिन के 12 बजे वह अपने घर से सामान लेने के लिए दुकान गए थे।उसी समय उनकी पुत्री सावित्री पीछे से उन्हे खोजते हुए निकल गयी। हालांकि वह पुत्री को देखा नहीं था। इसी दौरान वह गायब हो गयी। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि उनकी बच्ची को एक व्यक्ति अपने साथ ले गया है। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई। पुलिस की चार टीमें अलग-अलग जगहों पर बच्ची की खोजबीन शुरू कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने गुरुवार को बच्ची को स्टेशन से बरामद कर लिया।

केंद्र से पैसा मांगने से पहले डीएमएफटी फंड का हिसाब सार्वजनिक करें मुख्यमंत्री : अजय साह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा केंद्र से एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये की बकाया राशि मांगने पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अजय साह ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री राज्य को प्रभावी ढंग से चलाने में असफल रहे हैं। उनके पास कोई भी ऐसी योजना नहीं है, जिसे उन्होंने पांच साल पहले शुरू की हो और जिसका लाभ अब राज्य की जनता को मिल रहा हो। वे केवल हाल के महीनों में जल्दबाजी में लागू की गई योजनाओं के आधार पर वोट मांग रहे हैं। अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में सोरेन अपनी विफलताओं का दोष केंद्र सरकार पर मढ़ने की कोशिश कर रहे हैं।

साह ने कहा कि केंद्र सरकार ने हमेशा झारखंड को उसकी मांग से अधिक वित्तीय सहायता दी है। नितिन गडकरी ने भी सार्वजनिक रूप से कहा था कि केंद्र झारखंड को धन देने के लिए तैयार है लेकिन हेमंत सोरेन सरकार के अधिकारी सड़क बनाने के बजाय पैसे बनाने में अधिक दिलचस्पी ले रहे है। खनिज पर रॉयल्टी के सवाल पर मुख्यमंत्री

को स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी सरकार ने डीएमएफटी फंड का किस तरह उपयोग किया है। झारखंड के प्रिंसिपल अकाउंटेंट जनरल की रिपोर्ट बताती है कि हेमंत सरकार ने इस फंड का भारी दुरुपयोग किया है। इसे जनता के कल्याण के बजाय अधिकारियों और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं के व्यक्तिगत लाभ और सुख सुविधा के लिए खर्च किया गया है । राज्य सरकार के कुछ विभागों से पैसे फर्जी खातों में ट्रांसफर किए जाने की पुख्ता खबरें भी सामने आई हैं। क्या राज्य सरकार को पैसे इसी फजीवाड़ा के लिए चाहिए? केंद्र सरकार द्वारा राज्य को किसी भी प्रकार के फंड देने के लिए एक संवैधानिक प्रक्रिया होती है, और निस्संदेह झारखंड को उसका हक सही समय पर उचित प्रक्रिया से मिलेगा। जहां तक रॉयल्टी पर ब्याज की बात है तो यह ब्याज राज्य सरकार को कांग्रेस के पार्टी फण्ड से माँगना चाहिए, क्योंकि यह बकाया उसी वक़्त का है। साह ने कहा कि जिस बकाया राशि की बात मुख्यमंत्री कर रहे हैं, वह दशकों पुरानी है। यह रॉयल्टी-टैक्स का मामला 1989 से इंडिया सीमेंट बनाम तमिलनाडु सरकार के केस से संबंधित है और अभी भी कई मुद्दों की सुप्रीम कोर्ट से व्याख्या होनी बाकी है परंतु मुख्यमंत्री जनता को गलत आकड़ो से सिर्फ भ्रमित कर रहे है। हम यह जानना चाहते हैं कि जब शिबू सोरेन केंद्रीय कोयला मंत्री थे, तब उन्होंने इस राशि को वापस लाने के लिए कौन सी पहल की थी? क्या उन्होंने इस मुद्दे को कभी किसी कैबिनेट की बैठक में उठाया था? साह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला जुलाई 2024 में आया है जबकि सीएम हेमंत इससे महीनों पहले ही कानूनी प्रक्रिया के तहत जेल जा चुके थे। ऐसे में यह कहना कि बकाया राशि मांगने पर उन्हें जेल भेजा गया, हास्यास्पद है।

ब्राउन शुगर के दो आरोपियों ने निर्णय पूर्व कबूला अपराध, सजा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ब्राउन शुगर तस्करी के दो आरोपियों अंकित लकड़ा और नितिन खलखो ने अदालत में उपस्थित होकर निर्णय पूर्व स्वेच्छा से अपना अपराध कबूल किया। पांच महीने पुराने मामले में अपराध कबूल से संबंधित याचिका दोनों की ओर से न्यायायुक्त की अदालत में दाखिल की गई। एनडीपीएस के विशेष पीपी आरोपियों की अपराध स्वीकार से संतुष्ट होने के बाद दोनों का बयान सीआरपीसी की धारा 313(1) के तहत दर्ज किया गया। अदालत ने आरोपी अंकित लकड़ा को दोषी पाकर 4 महीने

की सजा व 3 हजार जुर्माना एवं नितिन खलखो को 10 दिन की सजा एवं 2 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया। बता दें कि घटना को लेकर 29 अप्रैल 2024 को एनडीपीएस केस संख्या 60/24 दर्ज किया गया था। अंकित के पास से 4.48 ग्राम एवं नितिन के पास से 1.14 ग्राम ब्राउन शुगर टीम ने बरामद किया गया था।

100 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने वाले जेल भेजे गए

रांची। झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (जेटीडीसी), झारखंड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड व झारखंड ऊर्जा उत्पाद निगम लिमिटेड के खाते से करीब 100 करोड़ की हेराफेरी मामले में हिरासत में लिए गए चारों आरोपितों को सीआईडी ने गुरुवार को जेल भेज दिया। इन आरोपितों में जेटीडीसी के तत्कालीन लेखापाल सह कैशियर गिरजा प्रसाद सिंह, केनरा बैंक निफ्ट हटिया के तत्कालीन शाखा प्रबंधक अमरजीत कुमार, साजिशकर्ता बोकारो के रूद्र सिंह उर्फ समीर कुमार तथा रांची के डिबडिह निवासी लोकेश्वर साह उर्फ लोकेश शामिल हैं।

जन शिकायतों का होगा त्वरित समाधान, पुलिस मुख्यालय ने जारी किया व्हाट्सएप नंबर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जन शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए पुलिस मुख्यालय स्तर से एक व्हाट्सएप नंबर (8809692001) जारी किया गया है। इसके नोडल पदाधिकारी पुलिस मुख्यालय के पीजी शाखा के डीएसपी होंगे। डीएसपी को इस व्हाट्सएप नंबर पर जो भी जन शिकायतें प्राप्त होगी, उसका एक अलग से पंजी बनाने और संबंधित जिला व इकाई को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजने का निर्देश दिया गया है।

राज्यभर में हुआ था जन शिकायत कार्यक्रम का आयोजन : झारखंड पुलिस ने राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया था। डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस कार्यक्रम की शुरूआत 10 सितंबर से हुई थी। जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में 18 मुख्य मुद्दों पर आम जनता की समस्या सुनी गयी थी और उनकी मदद की गयी थी। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य कार्रवाई योग्य शिकायत का त्वरित निदान करना और पुलिस द्वारा बनाये जा रहे सर्वोत्तम पद्धतियों को प्रदर्शित करना था। साथ ही नागरिकों की समस्या को समझते हुए पुलिस व्यवस्था में आवश्यक नीतिगत सुधार करना भी कार्यक्रम का उद्देश्य था।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने 'कुबेर का खजाना' धनतेरस लकी ड्रा टिकट का किया विमोचन

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने धनतेरस को लेकर 'कुबेर का खजाना' धनतेरस लकी ड्रा का आयोजन कर रही है। इसी के तहत गुरुवार को शाखा ने लकी ड्रा टिकट का विमोचन किया। कार्यक्रम की संयोजिका सुनीता लाठ, किरण खेतान, मीनू अग्रवाल एवं पूजा सरावगी ने बताया कि यह कार्यक्रम 27 अक्टूबर को अग्रेसन भवन में होगा। प्रति टिकट प्राइज 250 रुपये रखा गया है। एक बुक में 10 टिकट है। **एक बुक लेने से पांच ग्राम का सिक्का मुफ्त दिया जाएगा, प्राइज इस प्रकार है:** प्रथम पुरस्कार 17 पीस 10 ग्राम के सिक्के, द्वितीय पुरस्कार 13 पीस 10 ग्राम चांदी के सिक्के, तृतीय पुरस्कार 11 पीस 10 ग्राम चांदी के सिक्के, चतुर्थ पुरस्कार 9 पीस 10 ग्राम चांदी के सिक्के, पंचम पुरस्कार 7 पीस 10 ग्राम चांदी के सिक्के, षष्ठम पुरस्कार 5 पीस 10 ग्राम चांदी के सिक्के, सप्तम पुरस्कार 4 पीस 10 ग्राम चांदी के सिक्के, 7 सांत्वना पुरस्कार 2 पीस 10 ग्राम चांदी के सिक्के, शाखा अध्यक्ष विनीता सिंघानिया ने सभी से कार्यक्रम में अपनी भागीदारी की विनती की है।

आज कल

तेज हॉर्न बजाने पर छात्रों के दो गुट भिड़े, चुटिया थाने में केस दर्ज

रांची। चुटिया के स्टेशन रोड में छात्रों का दो गुटों में मंगलवार की रात जमकर मारपीट हुई। इस मामले में यश राज और शुभम कुमार ने एक दूसरे खिलाफ चुटिया थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। किशोरगंज निवासी छात्र शुभम ने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ मंगलवार की रात स्टेशन रोड दुर्गा पूजा घूमने के लिए गया था। स्टेशन रोड में बाइक खड़ाकर वे आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान दो बाइक पर सवार छह लोग पहुंचे। इसके बाद लूटपाट करने की नियत से बाइक सवार अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने रतन टाटा के निधन पर जताया शोक

हरियाणा की जनता ने राहुल को नकारा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी गुरुवार को सेवा विमान से रांची पहुंचीं। एयरपोर्ट पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने उद्योगपति रतन टाटा के निधन को उद्योगजगत और देश के लिए अपूर्णीय बताया। साथ ही कहा कि रतन टाटा उद्योगपति होने के साथ साथ सामाजिक दायित्वों को पालन करने में हमेशा आगे रहने वाले व्यक्तित्व थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संकट के समय अक्सर देश के साथ खड़े रहने वाले रतन टाटा के निधन से न सिर्फ उद्योग जगत में एक शून्यता आ गयी। बल्कि देश ने एक ऐसा सपूत खो दिया है जिसके लिए देश और देशवासियों का मान सम्मान सर्वोपरि हुआ करता था। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि रतन टाटा का झारखंड से विशेष लगाव था। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिलने से साफ हो गया है कि हरियाणा की जनता ने राहुल गांधी को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि जब जब राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया, उन्हें मुंह की खानी पड़ी है। हरियाणा की जनता ने पीएम नरेंद्र मोदी की नीतियों और उनके कार्यो पर मुहर लगाई है।

झारखंड सरकार हर मोर्चे पर फेल : केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने राज्य की गठबंधन की सरकार को हर मोर्चे पर फेल बताते हुए कहा कि गठबंधन की सरकार में भष्टाचार का बोलबाला है। हर तरफ पंचायत से लेकर अनुमंडल और जिला तक भ्रष्टाचार फैला हुआ है, जनता के काम नहीं हो रहे हैं।

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | अश्विन शुक्ल पक्ष 08, संवत 2081 | रांची, शुक्रवार, 11 अक्टूबर 2024, वर्ष-25, अंक- 249, पृष्ठ-16 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

या देवी सर्वभूतेषु माँ सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:

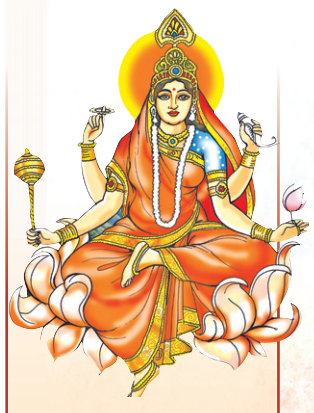

1. मां शैलपुत्री	2. मां ब्रह्मचारिणी	3. मां चंद्रघंटा	4. मां कूष्मांडा	5. मां स्कंदमाता	6. मां कात्यायनी	7. मां कालरात्रि	8. मां महागौरी	9. मां सिद्धिदात्री
बीज मंत्र: ह्रीं शिवायै नम:	बीज मंत्र: ह्रीं श्री अम्बिकायै नम:	बीज मंत्र: ऐं श्रीं शक्तयै नम:	बीज मंत्र: ऐं ह्री देव्यै नम:	बीज मंत्र: ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नम:	बीज मंत्र: क्लीं श्री त्रिनेत्रायै नम:	बीज मंत्र: क्लीं ऐं श्री कालिकायै नम:	बीज मंत्र: श्री क्लीं ह्रीं वरदायै नम:	बीज मंत्र: ह्रीं क्लीं ऐं सिद्धये नम:

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

मां सिद्धिदात्री

ॐकार: पातु शीर्षो माँ, ऐं बीजम् माँ हृदयो। ह्रीं बीजम् सदापातु नभो गृहो च पादयो॥

नवमी सिद्धिदात्री

नौवां दिन नवरात्रि का अंतिम दिन है। श्री दुर्गा का नवम रूप श्री सिद्धिदात्री है। यह सब प्रकार की सिद्धियों की दाता हैं, इसीलिए यह सिद्धिदात्री कहलाती हैं। देवी सिद्धिदात्री का रूप अत्यंत सौम्य है। देवी की चार भुजाएं हैं। दायीं भुजा में माता ने चक्र और गदा धारण किया है, मां की बांयीं भुजा में शंख और कमल का फूल है। मां सिद्धिदात्री कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। देवी ने सिद्धिदात्री का यह रूप भक्तों पर अनुकम्पा बरसाने के लिए धारण किया है। देवी जी की भक्ति जो भी हृदय से करता है मां उसी पर अपना स्नेह लुटाती हैं।

सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैर सुरैरमरै रवि। सेव्यमाना सदाभूयात सिद्धिदा सिद्धिदायनी॥

नवरात्रि के नवम दिन इनकी पूजा-आराधना की जाती है। सिद्धिदात्री की कृपा से मनुष्य सभी प्रकार की सिद्धियां प्राप्त कर मोक्ष पाने मे सफल होता है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन नौ कन्याओं की पूजा होती है। इन नौ कन्याओं को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। पूजा के अंत में कन्याओं को उपहार के रूप में नये कपड़े प्रदान किये जाते हैं। मां दुर्गा के इस अंतिम स्वरूप की आराधना के साथ ही नवरात्र के अनुष्ठान का समापन हो जाता है। इस दिन को रामनवमी भी कहा जाता है।

अवकाश की सूचना

दुर्गापूजा व दशहरा के अवसर पर शुक्रवार (11 अक्टूबर) और शनिवार (12 अक्टूबर) को राष्ट्रीय नवीन मेल कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक अब पाठकों को सोमवार (14 अक्टूबर) को मिलेगा। राष्ट्रीय नवीन मेल परिवार की ओर से सभी सुधि पाठकों, कर्मयोगियों व हितधारकों को दुर्गापूजा व दशहरा की शुभकामनाएं।

देश का अनमोल 'रतन' पंचतत्व में विलीन

वरली श्मशान घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

एजेंसी

मुंबई। देश के अनमोल रतन, शीर्ष उद्योगपति, पद्मविभूषण रतन टाटा का गुरुवार शाम का राजकीय सम्मान के साथ वरली के श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर उपस्थित थे। इसके साथ राजनीतिक, फिल्म जगत, खेल जगत, उद्योग जगत के अतिविशिष्ठ लोगों नम आंखों से अपने प्रिय उद्योगपति के पार्थिव शरीर को अंतिम विदाई दी। रतन टाटा का बुधवार देर रात ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया था। वह 86 वर्ष के थे। रतन टाटा के पार्थिव शरीर को ब्रीच कैंडी अस्पताल से कोलाबा स्थित उनके आवास ले जाया गया। वहां उनके परिवार, रिश्तेदारों और विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों ने उनके अंतिम दर्शन किए। इसके बाद आज सुबह 10 बजे रतन टाटा का पार्थिव शरीर कोलाबा स्थित उनके आवास से एनसीपीए लाया गया। इस मौके पर मुंबई पुलिस ने रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। रतन टाटा का पार्थिव शरीर गुरुवार सुबह 10 बजे मुंबई के एनसीपीए में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, वरिष्ठ नेता शरद पवार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मंत्री उदय सामंत, विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार, उद्योगपति मुकेश अंबानी समेत बॉलीवुड और इंडस्ट्री के दिग्गजों ने रतन टाटा के पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन किया। शाम 4 बजे के बाद रतन टाटा के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए वर्ली श्मशान घाट ले जाया गया। श्मशान घाट में पुलिस ने रतन टाटा के पार्थीव को सलामी दी और इसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया।

टाटा का नाम भारत रत्न के लिए प्रस्तावित

मुंबई। उद्योगपति पद्म विभूषण रतन टाटा को उनकी उपलब्धियों के लिए भारत रत्न से सम्मानित करने का प्रस्ताव गुरुवार को महाराष्ट्र कैबिनेट की बैठक में सर्व सहमति से पारित किया गया है। इस प्रस्ताव में केंद्र सरकार से रतन टाटा को भारत रत्न दिए जाने की सिफारिश की गई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में पद्म विभूषण रतन टाटा के निधन पर शोक प्रस्ताव पेश किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने रतन टाटा को भारत रत्न दिए जाने का अनुरोध करने का प्रस्ताव कैबिनेट में पेश किया।

"रतन टाटा के दुखद निधन से भारत ने एक ऐसे प्रतीक को खो दिया है, जिसने राष्ट्र निर्माण के साथ कॉर्पोरेट विकास और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित, उन्होंने महान टाटा विरासत को आगे बढ़ाया और इसे और अधिक प्रभावशाली वैश्विक उपस्थिति प्रदान की।

"जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तो मैं उनसे अक्सर मिलता था। रतन टाटा एक दूरदर्शी कारोबारी नेता थे। एक दयालु आत्मा और असाधारण इंसान थे। अपनी विनम्रता, दयालुता और हमारे समाज को बेहतर बनाने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता के कारण उन्होंने कई लोगों के बीच अपनी जगह बनाई।

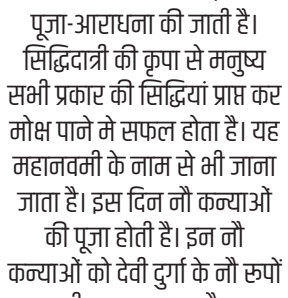

"रतन टाटा देश के अनमोल रत्न थे। उन्होंने उद्योग जगत के साथ-साथ समाजसेवा एवं परोपकार के क्षेत्र में देश और दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ी है, जिसे कभी भुलाया नही जा सकता है। वे एक सच्चे राष्ट्रवादी थे उनका जीवन उपलब्धियों से भरा रहा है। इनका निधन राष्ट्र के लिए अपूर्णीय क्षति है।

रामगढ़ में ट्रक ने चार बच्चियों को रौंदा, 3 की मौत, 1 घायल

मुर्रामकला में मातम, लाश देख फट गया कलेजा

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। नवरात्रि के समय हर जगह मां दुर्गा की आराधना की जा रही है। नारी शक्ति का इससे बड़ा पर्व नहीं मनाया जाता है। ऐसे महापर्व में गुरुवार को सड़क हादसे में तीन कन्याओं की जान चली गई। इस हादसे के बाद रामगढ़ थाना क्षेत्र के मुर्रामकला गांव में मातम पसर गया है। तीन छोटी बच्चियों की लाश देख हर किसी का कलेजा फट गया। लोगों की जुबान ऐसी बंधी की ढांढस बंधाने के लिए भी शब्द नहीं मिले। मुर्रामकला बस्ती के बालेश्वर महतो के पुत्री ममता कुमारी (15), सुखलाल महतो की पुत्री मनीषा कुमारी (14)और संतोषी देवी की पुत्री प्रतिमा कुमारी (12) की सड़क हादसे में जान चली गई। इस हादसे में विनोद महतो की 10 साल की पुत्री नैना

कुमारी बाल बाल बची है। हालांकि उसका इलाज चिकित्सक कर रहे हैं और वह खतरे से बाहर है।

अनियंत्रित ट्रक ने बरपाया कहर : राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर स्थित मुर्रामकला बस्ती में एक अनियंत्रित ट्रक ने कहर बारपाया है।

शेष पेज 13 पर

पुलिस ने 44 वारदात अंजाम दे चुके साइको क्रिमिनल को दबोचा

रांची। रांची पुलिस ने शहर के मोरहाबादी इलाके से साइको क्रिमिनल राजीव रंजन सिंह को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ रांची जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी और आर्म्स एक्ट के 44 मामले दर्ज हैं। रांची के एसएसपी चंदन सिन्हा ने गुरुवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि एक अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। उन्होंने एक टीम गठित कर कार्रवाई का निर्देश दिया। टीम ने उसे मोरहाबादी सब्जी बाजार के पास से घेरकर दबोचा। उसके पास से एक लोडेड देशी पिस्टल बरामद किया गया। इसके अलावा दो एंड्रॉयड मोबाइल भी जब्त किया गया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान राजीव रंजन सिंह के रूप में हुई। वह मूलरूप से झारखंड के लोहरदगा जिला

शेष पेज 13 पर

भाजपा अगर वापस जेल में डाल दे तब भी अपना हक मांगेंगे : हेमंत सोरेन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को भाजपा और केंद्र सरकार पर करारा प्रहार किया। उन्होंने एक्स पोस्ट के माध्यम से निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें एक फर्जी मामले में जेल में डाला गया था, क्योंकि वे उन्हें चुप कराना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि हेमंत सोरेन अपने राज्य का हक मांगना छोड़ दे। भाजपा अगर उन्हें वापस भी जेल डाल दे तब भी वह मरते दम तक संघर्ष करेंगे और झारखंड का हक मांगेंगे। हेमंत सोरेन ने कहा कि आज भाजपा ने झारखंड में केंद्र से लेकर राज्य तक अपनी पूरी ताकत लगा रखी है, ताकि किसी तरह हेमंत सोरेन को रास्ते से हटा सके और फिर झारखंडियों का हक मार ले। बढ़ती महंगाई और कोल कंपनियों पर राज्य सरकार के बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये नहीं मिलने को लेकर उन्होंने केंद्र की नीतियों को दोषी करार दिया।

हान कांग को मिला साहित्य का नोबेल

नई दिल्ली। साहित्य में 2024 का नोबेल पुरस्कार दक्षिण कोरियाई लेखिका हान कांग को "उनके गहन काव्यात्मक गद्य के लिए दिया गया है, जो पुराने सदमों का सामना करता है और मानव जीवन की नाजुकता को उजागर करता है। हान कांग को साहित्य में नोबेल पुरस्कार 2024 की घोषणा आज स्वीडिश अकादमी के स्थायी सचिव मैट्स माल्म ने की। हान कांग का जन्म 1970 में दक्षिण कोरियाई शहर ग्वांगजू में हुआ था। नौ साल की उम्र में वह अपने परिवार के साथ सियोल चली गई थीं। वह एक साहित्यिक पृष्ठभूमि से आती हैं। उनके पिता एक प्रतिष्ठित उपन्यासकार हैं।

इंडिया

स्मृति शेष : अजातशत्रु उद्योगपति रतन टाटा रत्न थे

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

आम तौर पर बड़े उद्योगपतियों को उनके ललची और पैसे के प्रति मोह के कारण सच्ची लोकप्रियता नहीं मिलती पर इसके उलट सौम्यता और सादगी के प्रतीक रतन टाटा अपवाद हैं जिनके निधन के बाद भी सम्मान से याद किया किया जा रहा है ।आलीशान घर में पले-बढ़े होने के बावजूद रतन टाटा बेहद सौम्य और विनम्र थे। उनकी इसी खूबी ने उन्हें अपने जीवन में शीर्ष पर पहुंचाया. रतन टाटा उस टाटा समूह के पितृ पुरुष बने, जो छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में काम करता है, और समाज के हर क्षेत्र में इसकी कंपनियां हैं।जिनमें ऊर्जा, ऑटोमोटिव, इंजीनियरिंग और आईटी कम्युनिकेशन शामिल हैं।टाटा कंपनियों में 800,000 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं।29 सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध टाटा उद्यमों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 403 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।उनके समूह की संस्कृति लाभ कमाने मात्र वाली नहीं बल्कि कर्मचारी और देशवासी के हितों वाली रही है ।ऊंचाईएक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में, उनके मार्गदर्शन में कंपनी अपने 'रिवर्स कोलोनियलिज्म' के लिए जानी गई, क्योंकि इसने 2000 में चाय कंपनी टेटली को 407 मिलियन अमेरिकी डॉलर में, 2007 में एंग्लो-डच कोरस ग्रुप को 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर में और 2008 में जगुआर लैंड रोवर को 2.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर में खरीदा था। कंपनी ने दुनिया भर में होटल, केमिकल कंपनियों, संचार नेटवर्क और ऊर्जा प्रदाताओं को भी खरीदा। कंपनियों का अधिग्रहण करना और उन्हें बदलना टाटा के कारोबारी करियर की खासियत रही है और उनके मार्गदर्शन में टाटा समूह की किस्मत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। जमशेदजी टाटा ने 1868 में एक ट्रेडिंग कंपनी शुरू करके पारिवारिक व्यवसाय की शुरुआत की ।इसके बाद उन्होंने एक कपड़ा मिल खोली ।वही आगे चलकर देश का सबसे बड़ा व्यापारिक समूह बना ।दादी ने परवरिश की थी ।28 दिसंबर 1937 को बॉम्बे, ब्रिटिश भारत (वर्तमान मुंबई) में एक पारसी परिवार में जन्मे रतन टाटा, नवल टाटा और सूनी कमिसारीट के बेटे थे. जब रतन टाटा 10 साल के थे, तब उनके मां-बाप अलग हो गए थे. उसके बाद उन्हें जेएन पेटिट पारसी अनाथालय के माध्यम से उनकी दादी नवाजबाई टाटा ने औपचारिक रूप से गोद ले लिया था. रतन टाटा का पालन-पोषण उनके सौतेले भाई नोएल टाटा (नवल टाटा और सिमोन टाटा के बेटे) के साथ हुआ। रतन टाटा ने कैंपियन स्कूल, मुंबई, कैथेड्रल और जॉन कॉनन स्कूल, मुंबई, बिशप कॉटन स्कूल, शिमला और रिवरडेल कंट्री स्कूल, न्यूयॉर्क शहर में शिक्षा प्राप्त की। वह कॉर्नेल विश्वविद्यालय और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के पूर्व छात्र थे। रतन टाटा ने 9 अक्टूबर को 86 साल की उम्र में अंतिम सांस ली ।जमशेदपुर बसने के सौ वर्षों बाद भी उनका अपना क्षेत्र सुव्यवस्थित बना हुआ है झारखंड के सभी शहरों या रास्तों के किनारे स्थित हजारों पेड़ों को काटा गया पर जमशेदपुर में अभी तक यह नौबत नहीं आई है क्यों उसको बसाने वाले लोगों ने इसकी परिकल्पना सौ वर्षों पूर्व की थी कि आबादी बढ़ने पर पेड़ काटने की नौबत आएगी इसलिए सौ फीट से भी अधिक सड़क नाली बनाने के बाद पेड़ लगाए गए हैं जिससे सभी सरकारों को सीख लेनी चाहिए ।विश्व की मीडिया उनकी प्रशंसा कर रही है ब्रिटिश अखबार द सन ने रतन टाटा की मौत की खबर को शीर्षक दिया है- 'अरबपति जगुआर, लैंड रोवर और टेटली टाइकून रतन टाटा का 86 वर्ष की आयु में निधन'। द सन ने अपनी खबर में बताया है कि रतन टाटा भारत के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे जाने-पहचाने कारोबारियों में से एक थे। उनका टाटा समूह, प्रतिष्ठित ब्रिटिश मोटर ब्रांड जगुआर और लैंड रोवर का मालिक है। टाटा ग्रुप का समूह का वार्षिक राजस्व 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा का है। सन ने टाटा ग्रुप के ब्रिटेन में प्रभाव की बात अपनी रिपोर्ट में प्रमुखता से की है ।उनके लंदन में दिए भाषण को सोशल मीडिया में चलाया जा रहा है जिसमें उन्होंने बच्चों को ऐसी शिक्षा देने की वकालत की थी जो धन नहीं अच्छे जीवन मूल्य कमाने के लिए प्रेरित करते हैं ।

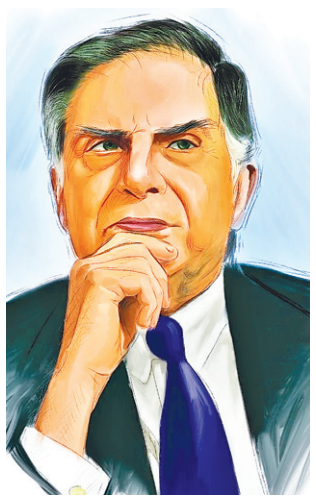

अलविदा : भारत के अनमोल रतन

ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत की औद्योगिक नींव को मजबूत करने वाले एक प्रमुख पिलर 86 वर्षीय रतन एन टाटा नौ अक्टूबर की रात 11:30 बजे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ले हमेशा के लिए सो गए। उनके पूर्वजों व उनके किये एक से बढ़कर एक औद्योगिक कार्यों के कारण टाटा समूह आज (2023-24 में)13 लाख 85 हजार करोड़ रुपये के राजस्व के साथ दुनिया के सबसे बड़े उद्योग समूहों में से एक है। अपनी सादगी व जनपयोगी कार्यों से सबके प्रिय रतन नवल टाटा का हर कोई सम्मान करता था। रतन टाटा ने तमाम ऐसे समय व मौकों पर गरीब व जरूरतमंद लोगों की मदद कर भारतीयों को गर्व महसूस कराया, जब मदद की सख़्त जरूरत थी। उन्होंने 20 वर्षों से अधिक समय तक चेयरमैन के तौर पर टाटा समूह का नेतृत्व किया। सेवानिवृत होने के बाद भी समूह के संचालन में उनका अहम योगदान बना रहा। उनके निधन के बाद टाटा समूह ने कहा, हम बहुत बड़ी क्षति के साथ रतन नवल टाटा को विदाई दे रहे हैं, वे वास्तव में एक असाधारण नेता थे, जिनके अतुलनीय योगदान ने न केवल टाटा समूह को बल्कि हमारे राष्ट्र के ढांचे को भी आकार दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, रतन टाटा एक दूरदर्शी कारोबारी नेता, एक दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उनके निधन से मुझे बहुत दुख हुआ।

शेष पेज 13 पर

भारतीय युवक संघ के पूजा पंडाल में उमड़े श्रद्धालु

नवीन मेल संवाददाता। रांची

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रांची के बकरी बाजार में भारतीय युवक संघ दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन कर रहा है। इस बार मां भवानी के भक्तों के लिए राजस्थान की कलाकृतियों को दिखाते हुए एक काल्पनिक राजदरबार का प्रारूप बनाया है। भारतीय युवक संघ के पूजा पंडाल और मां भवानी की प्रतिमा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। पंडाल में बारीकी से कारीगरी की गई है। पंडाल 100 फीट चौड़ा, 110 फीट लंबा और 75 फीट ऊंचा है। पंडाल का प्रारूप ऐसा है कि मैदान में घुसते ही लोगो को मां भवानी के दर्शन हो रहे हैं। पंडाल का निर्माण लोहे के स्ट्रक्चर में किया गया है। डिजाइन की कारीगरी में कपड़ा, रबर शीट, लकड़ी का इस्तेमाल हुआ है। पंडाल सजाने के लिए लकड़ी के बड़े-बड़े पुतले लगाए गए हैं। इसका निर्माण बंगाल के मशहूर आर्टिस्ट गोरांगो क्वेल्लि की देख-रेख में किया गया है। पंडाल में भव्य प्रकाश व्यवस्था की गई है। पूजा परिसर के सभी मार्ग पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए संघ ने प्राइवेट सिक्योरिटी के 30 गार्ड हर समय भक्तों की सुरक्षा के लिए तैनात किए हैं। पूरे मैदान एवं पंडाल में 50 सीसीटीवी कैमरे द्वारा नजर रखी जा रही है। भारतीय युवक संघ द्वारा मेडिकल कैंप एवं एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य मेले का आयोजन किया गया है। यहां अनेक प्रकार के झूले लगे हैं। बच्चे से लेकर बड़े तक आकर्षित हो रहे हैं।

राजस्थान की कलाकृतियों को दिखाते हुए काल्पनिक राजदरबार का किया गया है निर्माण

खाने-पीने के स्टॉल

मेले में भक्तों के लिए कई तरह के खाने-पीने के स्टॉल लगाए गए हैं। स्टॉल में शुद्ध व्यंजन की व्यवस्था संस्थान द्वारा ही की गई है। बसंत कुमार ने बताया कि 20 रुपये में 5 पीस पानी पूरी मिल रही है।
सामान और उसकी कीमत : पानी बोतल 20 रुपये, मसाला डोसा, छोला भटुरा, पाव भाजी, वेज चाउमिन 100 रुपये, पनीर चिली, और नान-सब्जी 170 रुपये, सिंघाड़ा, आलूचॉप, जलेबी, कचौड़ी, बालूशाही 35 रुपये प्लेट, आइसक्रीम 20 रुपये से लेकर 80 रुपये तक, पानी पूरी पांच पीस 20 रुपये, बिना प्याज-लहसुन का स्टाक टिकिया चाट 50 रुपये, चीज मसाला पॉप कॉर्न, बटर मसाला पॉप कॉर्न, टोमेटो मसाला पॉप कॉर्न 50 रुपये।

लॉटरी का आयोजन

रोहित गोयनका ने बताया कि भारतीय युवक संघ बकरी बाजार द्वारा लॉटरी का आयोजन किया गया है। एक लॉटरी रसीद 50 रुपये की है। लॉटरी के विजेता की घोषणा 10 नवंबर की शाम 6:00 बजे की जाएगी। इसमें बंपर प्राइज ऑल्टो कार, फर्स्ट प्राइज पल्सर बाइक, सेकंड प्राइज एक्टिवा स्कूटी, थर्ड प्राइज बजाज प्लेटटिनम बाइक है।

दुर्गा बाड़ी में आज होगी अष्टमी की पूजा

रांची। दुर्गा बाड़ी रांची में श्री श्री हरिसभा एवं दुर्गा पूजा समिति 142 सालों से दुर्गा पूजा कर रही है। यहां पारंपरिक विधि विधान से पूजा होती है। इस संबंध में श्री हरिसभा एवं दुर्गा पूजा समिति के सदस्य जयंत कुमार से संवाददाता ने खास बात की।

प्रश्न : पूजा में ढाक क्यों बजाए जाते हैं?
उत्तर : ढाक राजा महाराजा के समय से बजाया जा रहा है। यह हमारी परंपरा से जुड़ी है।
प्रश्न : सिंदूर खेला का क्या महत्व है?
उत्तर : दशमी के दिन घट विसर्जन के बाद मां दुर्गा की विदाई के समय सुहागन महिलाएं मां दुर्गा को सिंदूर लगाती है। सभी महिलाएं एक-दूसरे को भी सिंदूर लगाती हैं।
प्रश्न : अष्टमी-नवमी का मुहूर्त कब माना जा रहा है?
उत्तर : शुक्रवार को अष्टमी और नवमी दोनों हम लोग मान रहे हैं। शुक्रवार को सुबह 5:41 से अष्टमी की पूजा शुरू होगी और 6:10 में समाप्त हो जाएगी। 7:10 बजे संधि पूजा शुरू होगी और 9:30 बजे संधि पूजा समाप्त होगी। 9.30 बजे के बाद नवमी तिथि हमलोग मान रहे हैं। परंतु, नवमी की पूजा हम लोग शनिवार को करेंगे।

राजधानी के हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में सत्य अमरलोक दुर्गा पूजा समिति का पुरी के मंदिरों की तर्ज पर निर्मित भव्य पंडाल।

रांची के कचहरी चौक पर स्थित संग्राम दुर्गा पूजा समिति के पूजा पंडाल में मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा।

रांची के पिस्का मोड़, लक्ष्मी नगर स्थित शिव सेना दुर्गा पूजा पंडाल में मां भगवती की आकर्षक प्रतिमा।

रांची के कचहरी चौक पर स्थित बिहार क्लब का आकर्षक पूजा पंडाल।

जैप-1 में निकाली गई शोभायात्रा

नवीन मेल संवाददा। रांची

जैप-1 में दुर्गा पूजा की सप्तमी के दिन गुरुवार को माता रानी की डोली के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान पेड़-पौधों की पूजा की गई। मां दुर्गा को आठ बंदूक से नौ बार हवाई फायरिंग कर सलामी दी गई। बताया गया कि नेपाली पंचांग के अनुसार, 10 अक्टूबर को ही सप्तमी के साथ अष्टमी तिथि भी रही। 10 अक्टूबर की शाम 7:00 बजे अष्टमी तिथि शुरू हुई। सप्तमी में जैप-1 में कालरात्रि मां की पूजा-आराधना की गई। साथ ही, रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। आयोजन में जैप-1 के सभी अधिकारी मौजूद थे।

राजधानी रांची के बड़ा तालाब के पास स्थित राजस्थान मित्र मंडल का भव्य पूजा पंडाल।

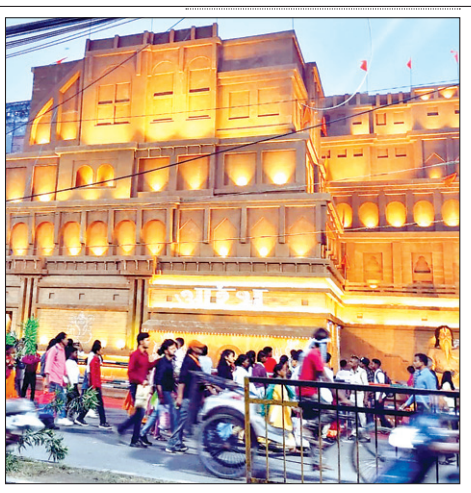
राजधानी रांची के सर्जना चौक पर चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति का आकर्षक पूजा पंडाल।

सास-ससुर की मौत के बाद डायन का आरोप लगा, शोषण का शिकार हुईं

मैंने जो देखा, कोई और नहीं देखे यही मेरी कोशिश : छुटनी महतो

माता दुर्गा की पूजा भक्त शक्ति के लिए करते हैं। वहीं, नारी स्वयं शक्ति की प्रतीक है। पर, हम देखें तो भारतीय, खास तौर पर झारखंडी महिलाओं का जीवन ऐतिहासिक रूप से संघर्षपूर्ण रहा है। फिर भी बहुत-सी महिलाओं ने न सिर्फ अपनी मंजिल पाई है, बल्कि दूसरों के लिए प्रेरणा भी बनी हैं। आज हम चर्चा कर रहे हैं झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले की पद्मश्री से सम्मानित छुटनी महतो की। वे एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

- पति ने छोड़ दिया, चार बच्चों की परवरिश के लिए दरबदर भटकीं
- वर्ष 2021 में देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री मिला

काजल मेहता

रांची। छुटनी महतो के सास-ससुर की एक ही वर्ष में मौत होने के बाद उन पर डायन बिसाही का आरोप लगा दिया गया। उनके साथ मारपीट की गई और उनकी संपत्ति हड़प ली गई। यौन शोषण किया गया। गांव में अर्धनग्न घुमाया गया। पेशाब पिलाने जैसा अमानवीय व्यवहार किया गया। उन्हें जान मारने तक की कोशिश की गई। ग्रामीणों ने उनका बहिष्कार कर दिया। छुटनी महतो के पति ने भी डायन कह कर कुछ दिनों में उन्हें छोड़ दिया। लेकिन, उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने कोर्ट में केस दायर किया। खबरों के माध्यम से जानकारी मिलने के बाद सरायकेला की तत्कालीन एसडीओ निधि खरे ने उनकी सहायता की। निधि खरे ने उन्हें डायन कुप्रथा के खिलाफ काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं से जोड़ा। इसके बाद छुटनी महतो ने दो दशकों से अधिक समय तक राज्य में अंधविश्वासी मान्यताओं के खिलाफ आंदोलन चलाया। उन्होंने अपनी बेटियों को भी इस प्रथा के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार किया। छुटनी महतो के इस कार्य के लिए उन्हें वर्ष 2021 में देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया गया। डायन बिसाही के आरोप का शिकार होने के बाद अब वह उन लोगों की मदद करने के लिए काम करती हैं, जिन्हें डायन के रूप में ब्रांडेड किया गया है। वे अंधविश्वास और जादू-टोना के बारे में जागरूकता फैलाती हैं। छुटनी महतो ने कहा- ऐसी महिलाएं जिन्हें ग्रामीणों द्वारा डायन कहा जाता है और शोषण किया जाता है, मैं उनके लिए खड़ी रहती हूं। आगे भी कड़ी रहूंगी। मेरी कोशिश है कि मैंने जिंदगी में जो देखा, मेरे रहते हुए कोई और नहीं देखे। छुटनी महतो को छुटनी देवी के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म 1959 में सरायकेला-खरसावां जिले के बीरबास में हुआ था। वे पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। उनके पिता टाटा के टिस्को में काम करते थे। घर की आर्थिक स्थिति ठीक-ठाक थी। जामीन भी ठीक-ठाक ही थी। इसके बाद भी उन्होंने पढाई नहीं की, इस संबंध में पूछने पर उनहोंने कहा- मेरे गांव में सरकारी विद्यालय था। मै वहां जाया तो करती थी, लेकिन जब अपने स्कूल में शिक्षकों के द्वारा दूसरी लड़कियों को सजा के तौर पर मारते देखती तो डर लगता था। मैं सोचती कि आखिर मेरे माता-पिता

सास-ससुर की एक ही वर्ष में मौत से लगा डायन बिसाही का आरोप

सास-ससुर की एक ही वर्ष में मौत होने के कारण ग्रामीणों ने छुटनी महतो पर डायन बिसाही का आरोप लगा दिया। गांव वालों ने छुटनी महतो को मारने तक की कोशिश की। यौन शोषण सहित कई तरह से प्रताड़ित किया। अपने बच्चों की बेहतरी के लिए उन्होंने उनके साथ ससुराल छोड़ दिया और अपने मायके चली गईं। इन दिनों छुटनी देवी एकदम अकेली पड़ गई थी। छुटनी महतो की ऐसी हालत को देख उनकी मां की भी सदमे में मौत हो गई। छुटनी ने बताया- चारों बच्चों को पालना और अपने आप को संभालना काफी मुश्किल हो गया था। ना पति का साथ था, ना ही कोई परिजन और ना परिवार साथ रहा। बच्चों की परवरिश के लिए दरबदर भटकने को मजबूर हो गईं। मेरा सबकुछ खत्म हो गया था। मैं अपने बच्चों की किसी तरह से खिला-पिला रही थी। कोर्ट में केस किया तो इस दौरान कई समाचारपत्र वालों से मेरी मुलाकात हुई। उनसे अपने साथ हुए घटना को साझा किया। खबरें छपने के बाद सरायकेला की एसडीओ निधि खरे ने मेरी मदद की।

कभी डायन कहलाती थीं, आज योद्धा के रूप में पहचान

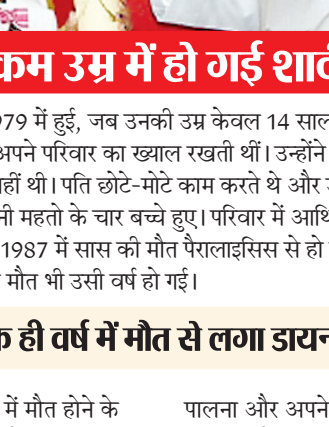

छुटनी देवी की बड़ी शख्सियत बनने की पूरी दास्तान उन्होंने अपनी जुबानी बताई। उनके साथ घटी घटनाओं के बाद आज इस जगह तक पहुंचने के लिए उन्होंने बेहिसाब दुश्वारियां झेली हैं। आज की तारीख में छुटनी देवी कुप्रथाओं के खिलाफ लोगों को जागरूक करती हैं। एक समय लोगों ने छुटनी देवी को डायन, जादू-टोना करने वाली, भूटानी कह कर पुकारा। आज पद्मश्री छुटनी देवी कहलाती हैं। वे अपने समाज और महिलाओं के बीच कुप्रथाओं के खिलाफ लड़ने वाली योद्धा के रूप में जानी जाती हैं।

मुझे खिलाते हैं, और कभी मुझे मारते भी नहीं, तो किसी और को क्यों अधिकार दूं मारने का। मैंने मार खाने से बेहतर मां-पिता की सेवा करना चुना। और, शादी के बाद ससुराल वालों की सेवा करना चाहती थी, इसलिए मैं स्कूल नहीं गई। छुटनी महतो का यह किस्सा भले सुनने में अजीब लगे, लेकिन वे महिलाओं के अधिकार के लिए कई लड़ाइयां लड़ीं और आज भी लड़ रही हैं।

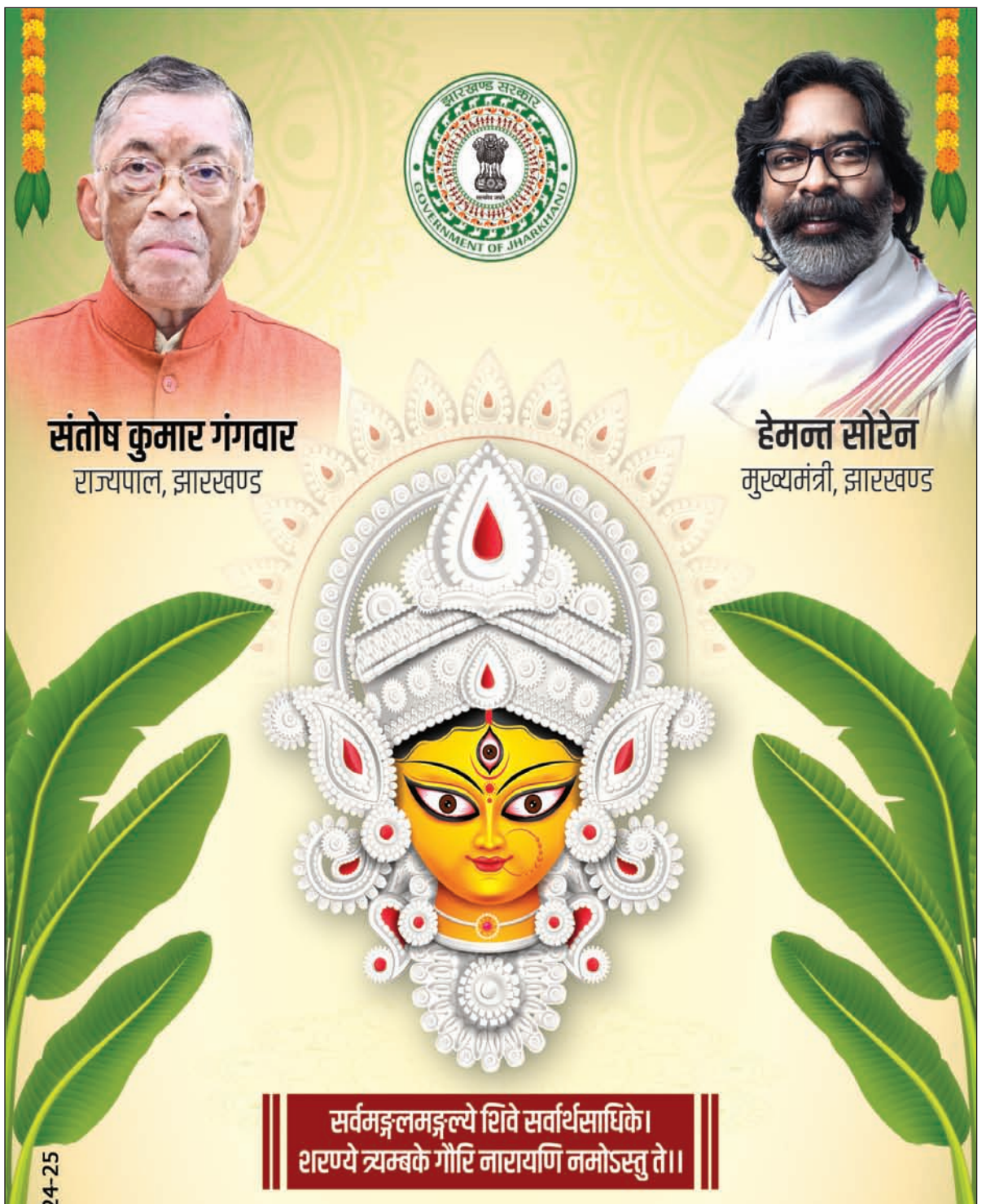

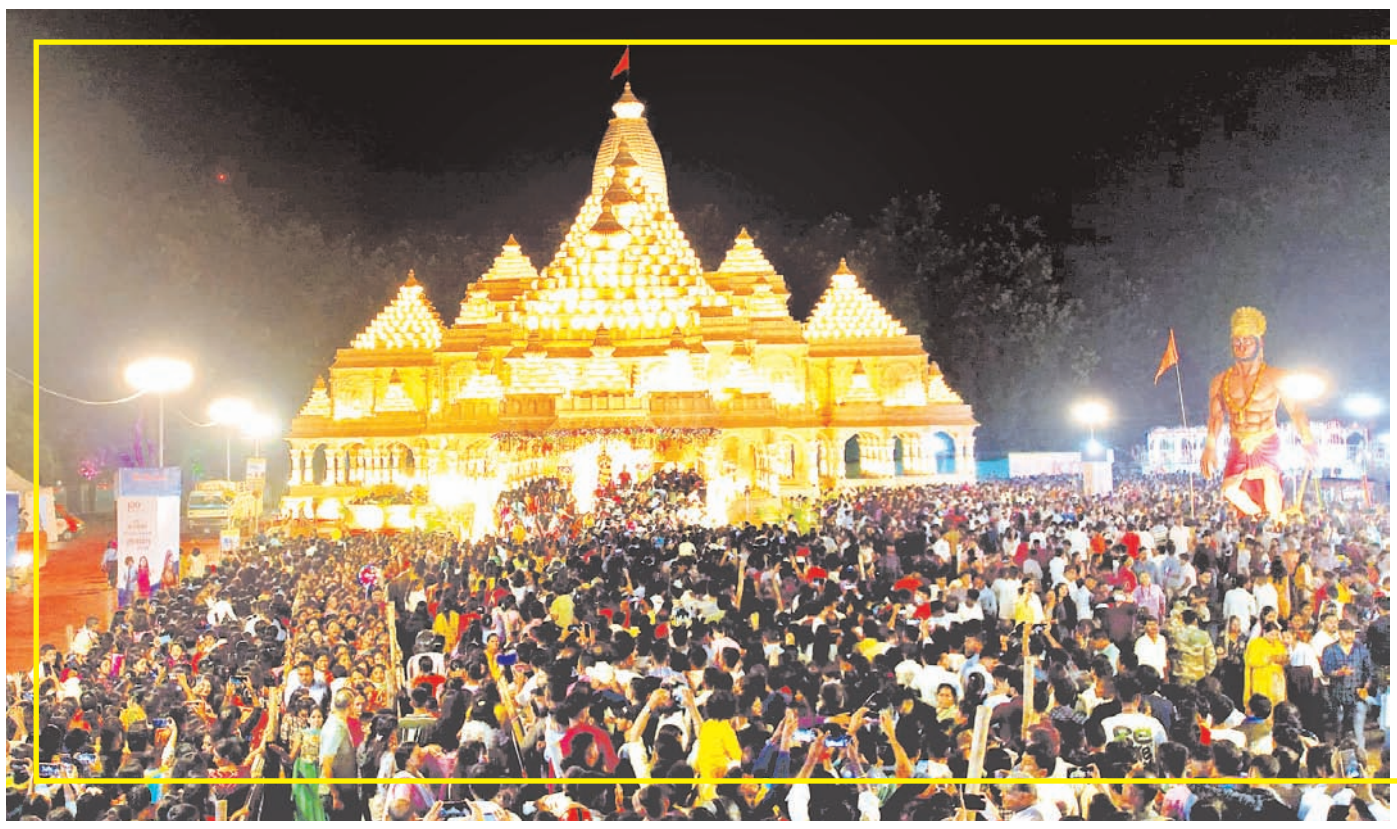

पुराना विधानसभा मैदान स्थित श्री राम लला पूजा समिति के पूजा पंडाल में गुरुवार को मां दुर्गा के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु। पंडाल परिसर में 35 फीट ऊंची श्री हनुमान जी की प्रतिमा भी बनाई गई है।

रतन टाटा के निधन पर एफजेसीसीआई ने दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता। रांची

देश के जाने माने उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर फेडरेशन झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के निवर्तमान अध्यक्ष किशोर मंत्री ने एफजेसीसीआई की तरफ से गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि उनके निधन से उद्योग जगत की अपूर्ण क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि 2012 ई में जब मैं चेंबर का उपाध्यक्ष था, रतन टाटा, साइरस मिस्त्री और अपने दल बल के साथ रांची आए थे। एयरपोर्ट पर मैं उन्हें रिसीव करने गया था। उनसे मुलाकात हुई थी बहुमुखी प्रतिभा के धनी, बड़े और अच्छे विजन वाले, देश की इकोनॉमी को ग्रोथ करने की दिशा में चिन्ता करने वाले व्यक्ति का निधन बेहद दुखद है। एफजेसीसीआई उन्हें अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि देती है।

बेहद खास होगा इस बार का रावण दहन, मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

नवरात्र के लिए राजधानी में जहां एक से बढ़कर एक पंडाल बने हैं। वहीं दूसरी ओर पंजाबी हिंदू बिरादरी का दशहरा और रावण दहन कार्यक्रम की तैयारी भी अंतिम चरण में है। 1948-49 से लगातार रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित किए जा रहे रावण वध कार्यक्रम की तैयारी जोरों पर है। बिहार के गया जिले से आए कारीगर मोहम्मद मुस्लिम और उनके सहयोगी द्वारा रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद का पुतला बनाया जा रहा है। कडरु स्थित

लाला लाजपत राय मध्य विद्यालय में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ का पुतला बनाया गया, जिसे मोरहाबादी मैदान ले जाया गया है। 12 अक्टूबर की शाम मोरहाबादी मैदान में लंका दहन होगा। पंजाबी हिन्दू बिरादरी के चेयरमैन कुणाल अजमानी ने बताया कि इस बार 65 फीट का रावण, 60 फीट का कुंभकर्ण और 55 फीट की ऊंचाई वाला मेघनाद का पुतला बनाया गया है। उन्होंने बताया कि इस बार बेहद खास यह है कि रावण का कपड़ा बेहद आकर्षक होगा और वाटरप्रूफ भी होगा ताकि मौसम खराब होने या बारिश में भी रावण दहन में कोई परेशानी न हो। वहीं महासचिव राजेश खन्ना ने कहा कि इस बार का रावण ज्यादा बलिष्ठ और बलवान होगा।

खास होगी आतिशबाजी

पंजाबी हिंदू बिरादरी दशहरा कमिटि के चेयरमैन कुणाल अजमानी ने बताया कि इस बार मुंबई से आए विशेष आतिशबाजों की टीम के द्वारा एक से बढ़कर एक आतिशबाजी होगी। इसकी खासियत यह है कि सभी पटाखा और फुलझड़ी रिमोट संचालित होंगे। साथ ही लंका दहन कार्यक्रम के दौरान परंपरागत गीत-संगीत का भी प्रदर्शन होगा। कुणाल अजमानी ने कहा कि इस वर्ष लंका दहन कार्यक्रम के दौरान 3030 की स्वर्ण नगरी बनाई जाएगी जिसका दहन रामभक्त हनुमान रूपी कलाकार करेंगे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन होंगे मुख्य अतिथि

पंजाबी हिंदू बिरादरी द्वारा मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले दशहरा एवं लंका दहन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन होंगे। वो रावण के पुतले का दहन करेंगे। वहीं रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ कुंभकर्ण का विधायक सीपी सिंह मेघनाद का पुतला दहन करेंगे।

न्यूज बॉक्स

केंद्र सरकार हर मामले में विफल : कांग्रेस

रांची। कांग्रेस नेता आलोक कुमार दूबे ने कहा कि पिछले 10 साल से लगातार केंद्र में भाजपा की सरकार है। सरकार हर मामले में विफल साबित हो रही है। ऐसी स्थिति में विधानसभा चुनाव के ठीक पहले भाजपा की केंद्र सरकार जो जनता को गुमराह करने के प्रपंची वादे कर रही है, उसका आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता मुंह तोड़ जवाब देगी। झारखंड सरकार की लोकप्रिय मंईयां योजना की सफलता ने भाजपा की नींद उड़ा दी है। भाजपा के दिग्गज लगातार झारखंड के दौरे पर हैं, उससे कोई फायदा न होगा। झारखंड की भोली-भाली जनता को ठगने के लिए अब प्रपंची वादों का भाजपा सहारा ले रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य की जनता समझदार है, इस तरह के छलावे से अब बेवकूफ नहीं बनेगी।

मानसिक रोगी की देखभाल बेहद जरूरी: शिवानी

रांची। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर गुरुवार को डालसा की ओर से सीआईपी, कांके में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अधिवक्ता शिवानी सिंह ने कहा कि मानसिक रोगी को अकेला नहीं छोड़ना चाहिए, उनसे बातचीत करनी चाहिए। समय पर उपचार और देखभाल बेहद जरूरी है। अतुल गेरा ने कहा कि तनावपूर्ण माहौल और नशा से भी मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। बताया गया कि मानसिक उपचार करा रहे रोगियों के लिए रेलवे टिकट में 50 प्रतिशत की रियायत दी जाती है। सीआईडी के सब-इंस्पेक्टर रिजवान अहमद ने कहा, जब लोग तनाव में रहते हैं तो नशा के शिकार हो जाते है। आगे चलकर मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो जाते हैं। इसके लिए जागरुकता और पहल बेहद जरूरी है।

न्यू एजी कॉलोनी क्षेत्र में 24 घंटे तक बिजली रही गुल

रांची। न्यू एजी कॉलोनी में ट्रांसफार्मर खराब होने से बुधवार रात एक बजे से पूरे मोहल्ले में अंधेरा छाया रहा। हालांकि 24 घंटे के बाद बिजली बहाल की जा सकी। इसके अलावा कडरू सरनाटोली में भी पूरी रात बिजली कटौती होती रही। गुरुवार सुबह भी दो-दो घंटे की बिजली कटौती की शिकायत मिलती रही। बिजली कटने से लोगों को जल संग्रह करने में परेशानी हुई। विद्युत प्रमंडल से शटडाउन लेकर जिन-जिन ट्रांसफार्मर में फ्यूज कॉल्स थी, उसे ठीक कर बिजली बहाल की गई। लेकिन इतने समय तक लोग को बिना बिजली के रहना पड़ा। इसके अलावा कोकर तिरिल रोड में सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक बिजली नहीं रही। यहां भी ट्रांसफार्मर खराब हो गया था। बाद में ट्रॉली ट्रांसफार्मर लगाकर इलाके में बिजली बहाल की गई।

श्री श्याम मंदिर में आज फूलों से मनोहारी शृंगार

रांची। श्री श्याम मंदिर, हरमू रोड में शारदीय नवरात्र की अष्टमीयुक्त नवमी पर शुक्रवार को मां सिद्धिदाती की पूजा-अर्चना की जाएगी। मंदिर परिसर में कलश स्थापना के साथ देवी भगवती की पूजा-अर्चना में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी व प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि मां सिद्धिदात्री की पूजा-वंदन करके श्री दुर्गा पाठ किया जाएगा। मंदिर को बाहर से मंगाये गये रंग-बिरंगे फूल से सजाया जायेगा। फूलों से सभी देवी-देवताओं का विशेष शृंगार होगा। ओमप्रकाश छावनिका व ललिता छावनिका विशेष शृंगार सेवा निवेदित करेंगे। बताया कि सुबह 7.15 बजे से महानवमी पूजन पाठ होगा। दिन के दस बजे से मातृशक्ति कन्याओं का पूजन करके उनको भोजन प्रसाद दिया जायेगा। इसके बाद उपहार भेंट किया जायेगा। दोपहर एक बजे से हवन के साथ शारदीय नवरात्र अनुष्ठान का पूणार्हूति होगी। इधर, गुरुवार को अष्टमी अनुष्ठान में मंडल के मंत्री श्री श्यामसुंदर शर्मा ने मां महागौरी की आरती का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि रविवार की रात में एकादशी संकीर्तन होगा।

नाबार्ड ने सिंचाई परियोनाओं के लिए राज्य में 769 करोड़ ऋण की दी स्वीकृति

रांची। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान राज्य के पलामू और गिरिडीह जिलों में दो सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण के लिए ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) के तहत 769.58 करोड़ की वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी है। नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक एसके जहागीरदार ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परियोजना के पूरा होने पर, पलामू में पाइपलाइन के माध्यम से जिले के 8 प्रखंडों में 11 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि सिंचित की जा सकेगी। वहीं, गिरिडीह में मेगालिफ्ट सिंचाई परियोजना से पीरटंड प्रखंड के 197 गांवों में से 165 गांवों को इसका लाभ मिलेगा, जिससे 10,158 हेक्टेयर की सिंचाई योग्य भूमि का विकास होगा। इन दोनों परियोजनाओं के माध्यम से इन जिलों में कृषि गतिविधियों को एक बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। बताया कि इस मंजूरी के साथ, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास निधि के तहत झारखंड को नाबार्ड से मिलने वाली वित्तीय सहयोग का आंकड़ा ?1017 करोड़ तक पहुंच गया है। आगे बताया कि आरआईडीएफ की स्थापना के बाद से झारखंड राज्य को अब तक लगभग 24,300 करोड़ की सहायता प्रदान की गई है।

उद्योगपति रतन नवल टाटा के निधन पर शोक व्यक्त

देश ने एक अनमोल रत्न को खो दिया : संजय सर्राफ

रांची। सुप्रसिद्ध उद्योगपति रतन नवल टाटा के आकस्मिक निधन पर रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन, अग्रवाल सभा एवं मारवाड़ी सहायक समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त किया है। वहीं उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सरल, मिलनसार, मृदुभाषी, समाजसेवी रतन टाटा एक असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी थे। उन्होंने अपनी अतुलनीय संकल्प एवं क्षमता से टाटा समूह को आसमान पर बिठाया और भारत के आर्थिक ढांचे को भी ठोस आकार दिया। उनकी शालीनता, स्पष्टवादिता, सरलता और समाज के प्रति समर्पण पूरा राष्ट्र हमेशा याद रखेगा। देश ने रतन टाटा के रूप में एक अनमोल रत्न को खो दिया। देश के आर्थिक जगत का एक युग का समाप्त हो गया। उनके निधन से पूरे राष्ट्र को अपूरणीय क्षति हुई है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, महामंत्री विनोद कुमार जैन, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल, मंत्री अनिल अग्रवाल, मारवाड़ी सहायक समिति के अध्यक्ष मनोज चौधरी, सचिव रमण वोडा,सुरेश चंद्र अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, पवन शर्मा, पवन पोद्दार, नंदकिशोर पाटोदिया, अशोक नारसरिया, कौशल राजगढ़िया, कमल कुमार केडिया,कमलेश संचेती,अजय डीडवानिया,विजय खोवाल, प्रमोद सारस्वत, किशन पोद्दार, नरेश बंका,कमल खेतावत, सुनील पोद्दार, कमल जैन,प्रमोद बगड़िया,राजकुमार मित्तल, रतन मोर, निर्मल बुधिया, किशन साबू, अनिल कुमार अग्रवाल, मनोज बजाज, जितेश अग्रवाल, बबलू हारित, मुकेश काबरा, अमर अग्रवाल, सौरभ बजाज,मनीष लोधा, अमित चौधरी, अंजय सरावगी, सुनील केडिया,सरवन अग्रवाल,अजय खेतान, राजेश कौशिक, किशन अग्रवाल, दीपेश निराला, आशीष अग्रवाल, विशाल पाड़िया, विकास अग्रवाल, रमाशंकर बगड़िया,मनोज रूईया, बिनोद कुमार टिबडेवाल, सुरेश पोद्दार,शिवभावसिका मनीष टांटिया, ललित पोद्दार, संजय सर्राफ आदि शामिल है।

डॉक्टरों का आज से अनिश्चितकालिन राज्यव्यापी कार्य बहिष्कार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पाकुड़ सदर अस्पताल में एक महीने में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर से मारपीट की यह दूसरी घटना है। प्रशासन इस मामले में पूरी तरह फेल है और लीपापोती करने में लगी है। गुरुवार को पाकुड़ के सभी सरकारी एवं प्राइवेट अस्पताल कार्य बहिष्कार पर रहे, मरीज परेशान रहे। इसी के विरोध में आज शुक्रवार को चिकित्सकों ने राज्यव्यापी कार्य बहिष्कार की घोषणा है। दबाव में पुलिस प्रशासन ने अगस्त महीने में हुई मारपीट के एक अभियुक्त सोना जोड़ी गांव के समद शेख को गिरफ्तार कर मामला को गुमराह करने का प्रयास किया है। झासा, झारखंड ने पुलिस प्रशासन के रवैया पर प्रश्न खड़ा किया है।

पाकुड़ सदर अस्पताल ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर से मारपीट का मामला

आश्वासन से काम नहीं चलने वाला : डॉ पीपी शाह

सचिव डॉ ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह ने कहा कि दुर्गा पूजा पर हर संभव प्रयास किया कि आंदोलन की स्थिति नहीं बने। लेकिन अभी तक मारपीट के आरोपी तीनों अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं हुई है। संगठन के अध्यक्ष डॉ पी पी शाह ने कहा कि आश्वासन से काम नहीं चलने वाला। चिकित्सकों के साथ हिंसा पर संगठन गंभीर है। आज शुक्रवार से झारखंड राज्य के सभी सरकारी चिकित्सक अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार पर रहेंगे, जब तक तीनों अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं हो जाती। इस दौरान आकस्मिक सेवा पूर्व की तरह बहाल रहेगी। आईएमए (जेडीएन) के नेशनल स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य डॉक्टर सुशील कुमार सिंह की अध्यक्षता में राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर नेटवर्क की आपातकालीन बैठक हुई और उनके भी आंदोलन में शामिल होने की संभावना है। झासा के सचिव डॉ सिंह ने कहा कि अगर हम स्वस्थ समाज की परिकल्पना करते हैं, तो हमें डॉक्टर को सुरक्षित माहौल मुहैया कराना होगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की है। घटना के 24 घंटे के अंदर सभी अभियुक्त की गिरफ्तारी कर प्रशासन को अपना कर्तव्य निभाना था। राज्यव्यापी कार्य बहिष्कार की पूरी जिम्मेदारी पाकुड़ के जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की होगी।

दुर्गा पूजा को लेकर रांची पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

नवीन मेल संवाददाता। रांची

दुर्गा पूजा के मद्देनजर रांची के अल्बर्ट एक्का चौक से रांची पुलिस ने गुरुवार को फ्लैग मार्च निकाला। ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल और कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय, सिटी डीसपी केवी रमण सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी फ्लैग मार्च में शामिल थे। फ्लैग मार्च अल्बर्ट एक्का चौक से डेली मार्केट होते हुए उर्दू लाइब्रेरी,एकरा मस्जिद, चर्च रोड, कर्बला चौक से वापस अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचकर फ्लैग मार्च समाप्त हुआ। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने शांति और भाईचारे से पर्व त्यौहार मनाने का लोगों से अपील की। उल्लेखनीय है कि राजधानी रांची में दुर्गा पूजा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। लगभग 2000 पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। सुरक्षा में रेपिड एक्शन पुलिस(रैप), क्यूआरटी, इको, एसआइआरबी, जैप , जिला पुलिस और डंडा पार्टी को तैनात किया गया है। साथ ही विभिन्न इलाकों में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरा से भी सुरक्षा पर विशेष नजर रखी जा रही है। इसके अलावा सादे लिबास में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखी जा रही है।

निर्माणाधीन मुरगू पुल से 15 फीट नीचे गिरी कार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

नेशनल हाईवे 75 में गुरुवार को एक कार लगभग 15 फीट नीचे मुरगू पुल से गिर गई। कार में एक व्यक्ति सवार था। हालांकि व्यक्ति और कार को ज्यादा क्षति नहीं हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कार सवार युवक को ज्यादा चोट नहीं आई थी। घायल को तुरंत उठा कर मांडर हॉस्पिटल में प्राथमिक इलाज के लिए भेजा गया। कुछ देर के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। ज्ञात हो कि पिछले 4 सालों से मुरगू पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। लेकिन अब तक यह कार्य पूरा नहीं हो पाया है। रांची और डालटेनगंज का यह मुख्य मार्ग है इस कारण काफी व्यस्त रहता है। इस रूट को फोरलेन बनने का काम 2017 में चल रहा है। जमीन अधिग्रहण समय पर नहीं होने के कारण मुरगू पुल का निर्माण

बाल-बाल बचा कार सवार

कार्य पूरा नहीं हो पाया। यह पहली घटना नहीं है कि जहां कार गिरी हो बल्कि इससे पहले भी एक बाइक गिर चुका है। मुरगू पुल पर दुर्घटना की आशंका और काम को लेकर **राष्ट्रीय नवीन मेल** अखबार में समय-समय पर प्रश्न उठते रहा है। एनएचएआई कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार 2017 में कार्य शुरू हुआ है, लेकिन भूमि अधिग्रहण नहीं होने के कारण पुल का काम नहीं हो पाया। 2023 में भूमि अधिग्रहण हुआ इसके बाद 2023 के अक्टूबर में पुल बनाने वाली कंपनी बैंक क्रप्शन में नेशनल लॉ ट्रीवुनल का मामला आया और वह कंपनी काम छोड़ दी। उसके बाद 26 फरवरी 2024 को फिर से टेंडर हुआ लेकिन कोई क्वालीफाई नहीं कर पाया। उसके बाद 17 मई 2024 को फिर से टेंडर हुआ। इस बार भी कोई क्वालीफाई नहीं कर पाया। फिर से 16 जुलाई 2024 को टेंडर हुआ इसमें क्वालीफाई कंपनी कर गई और 4 अक्टूबर को पुल बनाने के लिए एग्रीमेंट भी हो गया है। पुल का काम शुरू हो चुका है। पुल बनाने की लागत 7.51 करोड़ रुपए है।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय के कर्मी 15 से जाएंगे हड़ताल पर

रांची। कस्तूरबा गांधी विद्यालय के कर्मियों ने परियोजना कर्मियों का साथ। 15 अक्टूबर से कस्तूरबा गांधी विद्यालय के कर्मी भी हड़ताल पर जाएंगे। इसके लिए कर्मियों ने लिखित सूचना झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निर्देशक को दे दी है। दरअसल कस्तूरबा गांधी विद्यालय कर्मियों ने कई बार ईपीएफ कटौती और नियमित नियुक्ति में आरक्षण की मांग को उठाया है लेकिन इनकी मांगे अब तक नहीं मानी गई। इसलिए सभी कर्मियों ने संयुक्त रूप से 15 अक्टूबर से हड़ताल में जाने की घोषणा की है। कस्तूरबा विद्यालय कर्मियों ने बताया कि कई बार हम लोगों ने अपनी मांगों को रखी है लेकिन हमारी कोई नहीं सुनता है। इससे पहले हम लोगों ने अपनी नाराजगी को जताते हुए राजभवन के समक्ष सामूहिक अवकाश लेकर धरना प्रदर्शन भी किया।

सीसीएल सीएमडी ने गांधीनगर में किया दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

सीसीएल ने गांधीनगर कॉलोनी में दुर्गा पूजा पर उत्सव मनाया। पूजा पंडाल का उद्घाटन सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में किया। मौके पर निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) हरीश दुहान एवं विभागाध्यक्ष (सीसी और पीआर) आलोक कुमार इस

अवसर विशेष पर उपस्थित थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कर्मचारी और आम लोग उपस्थित थे। सीएमडी निलेंदु सिंह ने सीसीएल परिवार और सभी उपस्थित लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सीसीएल में शिकायत निवारण शिविर आयोजित

नवीन मेल संवाददाता । रांची

मगध-संघमित्रा क्षेत्र में मगध-संघमित्रा, आम्रपाली-चंद्रगुप्ता, एनके, पिपरवार एवं रजहरा क्षेत्र के कर्मचारियों एवं हितधारकों के लिए विशेष अभियान 4.0 के अंतर्गत शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। सभी क्षेत्रों से कुल 31 शिकायतें दर्ज की गईं। सभी शिकायतों में से अधिकांश शिकायतें क्वार्टर रखरखाव, पीएफ एवं पेंशन दावों के निपटान से संबंधित थीं, जबकि अन्य विभिन्न सेवा-संबंधी मामलों से संबंधित थीं। अधिकांश मामलों का या तो समाधान कर दिया गया

या सभी अभ्यर्थियों को उनकी शिकायतों का समयबद्ध एवं विशिष्ट समाधान सुनिश्चित किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (सीसीएमसी) एनके झा, मुख्य प्रबंधक (पी), समाधान प्रकोष्ठ, सीसीएल मुख्यालय एके मल्लिक, प्रबंधक (कार्मिक)/पेंशन, सीसीएल मुख्यालय ज्योति कुमार, एसओ (पीएंडए) एनके क्षेत्र अनूप भगत, एसओ (पीएंडए)आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र माणिक कुजूर, एसओ (पीएंडए) मगध-संघमित्रा क्षेत्र संजीव कुमार, प्रबंधक (पी) रजहरा क्षेत्र रवि बारा, प्रबंधक (पी), पिपरवार क्षेत्र, सभी क्षेत्रों के कार्मिक अधिकारी, यूनियन प्रतिनिधि, बड़ी संख्या में कर्मचारीगण और हितधारक उपस्थित थे।

एक नजर

संगठन प्रभारी से मिले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल के आवासीय कार्यालय में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो ने मुलाकात की। उन्होंने झारकंड में कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि संवाद आपके साथ कार्यक्रम पूरे प्रदेश के हर जिला में किया गया। जनसंवाद कार्यक्रम पांचों प्रमंडल में शुरू किया गया। सभी वरिष्ठ नेताओं ने पांचों प्रमंडल में स्थानीय नेताओं, जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष और सभी कांग्रेसजनों के साथ जनसंवाद कार्यक्रम किया। संगठन प्रभारी केसी वेनुगोपाल ने आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक चर्चा की और बूथ स्तर तक बूथ कमेटियों को सशक्त कैसे बनाया जाए, इसके दिशा-निर्देश दिए।

डॉ प्रदीप वर्मा ने महिलौंग में पीसीसी पथ निर्माण कार्य की आधारशिला रखी

नामकुम। प्रखंड के महिलौंग स्थित सीधाटोली में गुरुवार को जिला अनावद्ध निधि से पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने किया। इस दौरान डॉ वर्मा ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से विकास कार्यों की गुणवत्ता का खयाल रखने की बात कही। मौके पर जिलाध्यक्ष धीरज महतो, पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार, शशिभूषण भगत, अनिल महतो, नरेंद्र सिंह और मुक्तिनाथ मिश्रा आदि मौजूद थे।

बेड़ो में वज्रपात से छात्रा झुलसी, रिम्स रेफर

बेड़ो। थाना क्षेत्र की हरिहरपुर जामटोली पंचायत के महुआटोली गांव में बारिश के साथ हुए वज्रपात में इसी गांव की केसीबी कॉलेज इंटर की छात्रा 18 वर्षीय काजल कुमारी झुलस गई। घटना गुरुवार की शाम लगभग पांच बजे की है। मां लीला देवी ने बताया कि मेरी बेटी काजल घर में चूल्हा जला रही थी उसी दौरान बारिश के साथ घर पर वज्रपात हुआ जिससे वह बेहोश हो गई। वहीं घर में बंधी एक बकरी की घटनास्थल पर मौत हो गई। ग्रामीणों के सहयोग से घायल छात्रा को सीएचसी बेड़ो पहुंचाया गया, जहां डॉ काजोल ने प्राथमिक उपचार कर उसे रिम्स रेफर कर दिया।

नवपत्रिका प्रवेश के साथ क्षेत्र में दुर्गा पूजा शुरू

राहे। नवपत्रिका प्रवेश के साथ ही पूरे क्षेत्र में दुर्गा पूजा की धूम शुरू हो गई है। गुरुवार को महासप्तमी की पूजा हुई। राहे सोलह आना समिति राहे सुभाष चौक के पास पंडाल पर मां की प्रतिमा स्थापित की गई है। चंदनडीह समिति, नावागांव समिति, दुलमी समिति, बसंतपुर समिति आदि गांव में प्रतिमा की स्थापना की गई। वहीं लोग मिट्टी की बनी मूर्ति पर आस्था के पुष्प अर्पित कर रहे हैं।

बेड़ो में मां महागौरी की हुई आराधना

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो महादानी मंदिर बेड़ो स्थित दुगार्बाड़ी में गुरुवार को श्रीश्री दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा मंदिर परिसर में बने पंडाल और दुर्गा मंदिर में स्थापित मां भगवती के आठवें रूप मां महागौरी की उपासना कर मां दुर्गा की आराधना की गई। पुजारी सुबल देवघरिया के नेतृत्व में यजमान मनोरंजन देवघरिया और गौतम देवघरिया ने पूरे बांग्ला पद्धति से मां महागौरी की पूजा का धार्मिक अनुष्ठान पूरा किया, जहां महिलाओं और पुरुषों ने अष्टमी उपवास रखकर मां महागौरी की पूजा की। श्रीरामचरित मानस नवाह्न पाठ, दुर्गा सप्तशती के पाठ, भक्ति गीत की गूंज, पूजन और आरती से बेड़ो का माहौल भक्तिमय हो गया है। वहीं शुक्रवार की सुबह संधि बलि दी जाएगी और नवमी को देवी मंडप में बकरे की बलि दी जाएगी।

खलारी में बनेगा भव्य विवाह भवन, हुआ शिलान्यास

यात्रियों की असुविधा खासकर महिलाओं की परेशानी को देख बस स्टैंड के निकट शौचालय का निर्माण कराया जा रहा है

नवीन मेल संवाददाता। खलारी खलारी प्रखंड के लोगों के लिए खलारी पंचायत में भव्य विवाह भवन का निर्माण होगा। इसे लेकर गुरूवार को स्थानीय विधायक समरीलाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने योजनाओं का शिलान्यास किया। वहीं खलारी बस स्टैंड के निकट महिला पुरूष के लिए अलग अलग शौचालय व डीप बोर जलमीनार का निर्माण किया जाएगा। यात्रियों की असुविधा खासकर महिलाओं की परेशानी को देखते हुए इस शौचालय का निर्माण कराया जा रहा है। इसके अलावा दूसरी जगहों की योजनाओं का भी शिलान्यास की औपचारिकता इसी जगह कर ली गई। अतिथियों ने नारियल फोड़कर तथा शिलापट्ट से परदा हटाकर शिलान्यास की औपचारिकता पूरी की। इस मौके पर सुरेन्द्रनाथ पांडेय, जिप सदस्य सरस्वती देवी, मुखिया तेजी किस्पोट्टा, पारसनाथ उरांव, अनिल गंझू, श्यामसुन्दर सिंह, अरविन्द सिंह, फुलेश्वर महतो, जीतेन्द्रनाथ पांडेय, रामसूरत यादव, शत्रुंजय सिंह, रतनलाल, दिलीप पासवान, नागदेव सिंह, मनोज जायसवाल, रवीन्द्र पासवान, सरोजिनी देवी, नवनीत पांडेय, गोलू पांडेय, सुमित चक्रवर्ती, छोटू मुंडा आदि उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

अपने वोट के माध्यम से परिवर्तन लाएं : डॉ परमेश्वर भगत

लापुंग। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पूर्व डीडीसी सह भावी विधायक प्रत्याशी डॉ. परमेश्वर भगत गांव-गांव में पदयात्रा कर रहे है। पदयात्रा के क्रम में आज दिनांक 10.10.2024 को लापुंग प्रखंड के ग्राम तेतरा में उन्होंने ग्रामीणों से मिलकर अपनी नीतियों और विकास योजनाओं के बारे में जानकारी दी। पदयात्रा के दौरान परमेश्वर भगत जिंदाबाद, बाहरी नेता नही चलेगा, अबकी बार परमेश्वर भगत, बाहरी भगाओ, स्थानीय लाओ इत्यादि के नारो से गांव गूंज उठी। पदयात्रा के पश्चात ग्रामीणों से बैठक कर उनकी मूलभूत सुविधाओं और उनकी समस्याओं से अवगत हुए। उन्होंने लोगों से अपील किए कि वे उन्हें समर्थन दें और अपने वोट के माध्यम से परिवर्तन लाएं ताकि आपकी हर छोटी बड़ी समस्याओं के लिए मैं आपकी आवाज बन सकूं।

केशव महतो कमलेश को राज्य समन्वय समिति के सदस्य मनोनीत किए जाने पर निसार खान ने दी बधाई

रांची/ दारू / हजारीबाग। मंत्रिमंडल सचिवालय एंव निगरानी विभाग झारखंड सरकार के प्रधान सचिव वंदना दादेल ने राज्यपाल के आदेश उपरांत झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश जी को झारखंड राज्य समन्वय समिति का सदस्य मनोनीत किए जाने पर जिला 15 सुत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के सदस्य सह जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान ने केशव महतो कमलेश जी को हार्दिक बधाई दी है और आशा व्यक्त कि है जन अकांक्षाओं के अनुरूप राज्य के विकास योजनाओं के सामंजस्य स्थापित कर राज्य के विकास में केशव महतो कमलेश जी अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

आज होगी मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना

रांची। देवी सर्वभूतेषु मां महागौरी रुपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः के महामंत्र से गुरुवार को हरमू रोड़ का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा है। पिछले गुरुवार से शारदीय नवरात्र पर कलश स्थापना करके विधिवत श्री दुर्गा मां भवानी का प्रतिदिन पाठ, भोग, पूजन व आरती हो रही है। मण्डल के मंत्री श्यामसुंदर शर्मा मंदिर के आचार्यों के नेतृत्व में पूजन कार्य कर रहे हैं। श्री श्याम मित्र मण्डल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी व प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि शारदीय नवरात्र के अन्तिम दिन शुक्रवार को मां सिद्धिदात्री की पूजा- वंदन करके श्री दुर्गा पाठ किया जाएगा। श्री दुर्गा महानवमी के मंगलमय अवसर पर कोलकाता से विशेष श्रृंगार के लिए बड़ी मात्रा में फूल मंगाये हैं। जिसमें मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवताओं का विशेष दिव्य श्रृंगार होगा। श्री श्याम मंदिर हरमू रोड़ में गुरुवार आश्विन शुक्ल अष्टमी को शारदीय नवरात्र के अष्टम दिन पूजन एवं श्री दुगार्पाठ किया गया। मण्डल के मंत्री श्यामसुंदर शर्मा ने मैया महागौरी की आरती की।

अनगड़ा में सभी पंडालों के पट खुले

अनगड़ा। प्रखंड के सभी पूजा पंडालों के पट गुरुवार को खोल दिए गए। पंडालों के पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ मां भवानी के दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। अनगड़ा, गोंदलीपोखर, मिलन चौक, गेतलसूद, सिमलिया, हेसल, सिकिदिरी, जोन्हा, नवागढ़, सोसो पूजा पंडाल को आकर्षक तरीके से सजाया गया है। खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने गोंदलीपोखर, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेन्द्र कुमार, डॉ अमर कुमार चौधरी, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर, मुखिया सरिता तिर्की, पारसनाथ उरांव, गोवर्धन महतो और सखीचंद महतो ने संयुक्त रूप से मिलन चौक पूजा पंडाल का उद्घाटन किया।

मांडर सहित झारखंड के विकास के लिए मां दुर्गा से प्रार्थना

चान्हो। प्रखंड के ग्राम ओपा में पूजा पंडाल के उद्घाटन के साथ अनेक सार्वजनिक पूजन कार्यक्रमों में गुरुवार को शामिल मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वह माँ दुर्गा से प्रार्थना करती हैं कि मांडर सहित संपूर्ण झारखण्ड का बहुत तेज गति से विकास हो। उन्होंने कहा कि आम जनता की खुशहाली, प्रसन्नता और विकास के साथ-साथ शांति व्यवस्था कायम रखना उनकी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर है और बिना ईश्वरीय और दैवीय शक्ति के यह संभव नहीं है। इसके बाद ईटकी प्रखण्ड के ग्राम गड़गांव के पूजा समारोह में शामिल हुई। श्रीमती तिर्की ने पूजा पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों के साथ ही विविध पूजा समितियों के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की और उन्हें दुगार्पूजा एवं नवरात्रि की शुभकामनायें दी।

नव पत्रिका प्रवेश के साथ मां दुर्गा की आराधना शुरू

नवरात्र के सातवें दिन हुई कालरात्रि की पूजा

नवीन मेल संवाददाता। खलारी खलारी में शारदीय नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा की गई। गुरूवार को नव पत्रिका प्रवेश के साथ मां की विधिवत आराधना शुरू हो गई। सुबह अलग-अलग पत्तों पर माता के नौ रूपों को स्थापित कर नव पत्रिका निकालकर गाजे-बाजे के साथ नजदीकी नदी तालाब ले जाया गया। वहां विधिवत पूजा के बाद वापस मंदिर लाकर विधानपूर्वक मंडप प्रवेष किया गया। इसके बाद प्राण प्रतिष्ठा कर मां का आवाहन-पूजन किया गया। करकट्टा सहित कई अन्य जगहों पर कलश यात्रा के माध्यम से जल लाया गया। पंडालों में हुए सांध्य आरती में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्री जानकीरमण मंदिर खलारी सहित अन्य पूजा स्थलों में भव्य पंडाल बनाए गए हैं और उन्हें आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है। आरती के उपरांत प्रसाद का वितरण किया गया। क्षेत्र के करकट्टा दुर्गा मंडप, जानकी रमण मंदिर, चुरी दुर्गा मंडप, धमधमिया, खलारी बाजारटांड़, चामा, लपरा, हेसालोंग, केडीएच, सुभाषनगर, मोहननगर, डकरा बी-टाइप, राय सहित अन्य जगहों के पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के दर्शन किए। खलारी प्रखंड में दो दर्जन से अधिक जगहों पर पंडाल बनाकर मां दुर्गा की पूजा की जा रही है। सभी पूजा पंडालों से बज रहे भक्ति गीत व मंत्रोच्चारण से वातावरण भक्तिमय हो गया है। पंडालों के आसपास मेला लगना शुरू हो गया है। शुक्रवार को इस वर्ष अष्टमी व महानवमी दोनों ही पूजा होगी। श्रीजानकी रमण मंदिर में सुबह 4.30 बजे महाष्टमी पूजा, 05.30 बजे पुष्पांजलि, प्रातः 06.24 बजे संधि पूजा, बलिदान प्रातः 06.48 बजे, महाअष्टमी की आरती प्रातः 7.30 बजे, महानवमी पूजा प्रातः 8.30 बजे, कुवारी पूजन, हवन प्रातः 10.00 बजे, पुष्पांजलि दोपहर 12.30 बजे व सांध्य आरती 7.30 बजे किया जाएगा।

पंडालों के आसपास मेला लगना शुरू हो गया है अष्टमी व महानवमी दोनों ही पूजा आज होगी

श्री जानकी मंदिर में आज होगा गंगा आरती व डांडिया

खलारी के श्री जानकीरमण मंदिर दुर्गा पूजा समिति के द्वारा शुक्रवार शाम को गंगा आरती व डांडिया का विशेष आयोजन किया गया है। पंडाल के सामने ही स्टेज बनाया गया है जिसमें बाहर से आए कलाकार गंगा आरती व डांडिया की प्रस्तुति देंगे। अपने डांडिया की कला को देखने के लिए काफी लोगों की भीड़ रहेगी। यहां के लोगों का कहना है कि डांडिया यहां की एक पहचान है और लोग सभी के साथ मिलकर डांडिया खेलते हैं जो बहुत की अद्भूत दृश्य होता है।

108 और 104 में फोन करने पर भी नहीं आया एंबुलेंस, गंभीर अवस्था में पड़ा रहा युवक

नवीन मेल संवाददाता। ओरमांझी ओरमांझी और सिकीदिरी थाना के बीच में एक बाइक सवार युवक का एक्सीडेंट हो गया। युवक का नाम और पता नहीं चला। युवक की उम्र लगभग 25 वर्ष थी। बेहोश अवस्था में युवक सड़क किनारे पड़ा हुआ था। इस बीच आने जाने वाले राहगीरों ने 108 एंबुलेंस और 104 एंबुलेंस को फोन किया लेकिन 108 में एक बार भी फोन नहीं लगा। वही 104 में एक बार फोन लगा। 104 में बात हो ही रही थी कि इस बीच सेना का एंबुलेंस सिकीदिरी थाना की ओर से आ रहा था। उस एंबुलेंस को रुकवा कर लोगों ने मदद मांगी, जिसमें युवक को गंभीर अवस्था में अस्पताल के लिए ले जाया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आपातकाल सेवा के लिए एंबुलेंस दिया है लेकिन उससे संपर्क करना उतना ही कठिन हो गया है। इस संबंध में जब रांची सिविल सर्जन प्रभात रंजन को पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 108 और 104 एंबुलेंस का कॉल कंट्रोल स्टेट से है। इस स्टेट ही कंट्रोल करता है।

नगड़ी स्थित दुर्गा मंदिर में पारंपरिक तरीके से हो रही मां दुर्गा की पूजा

नवीन मेल संवाददाता, पिस्कानगड़ी। नगड़ी स्थित स्थानीय दुर्गा मंदिर में श्रीरामचरित मानस पाठ और नवाह्न परायण महायज्ञ सहित माता की पूजा-अर्चना पारंपरिक तरीके से की जा रही है। प्रतिदिन यहां श्रीरामचरित मानस पाठ अयोध्या से आए पं मुनिराज शास्त्री और शाम में वृंदावन से आयीं कथावाचिका प्रभु प्रिया प्रवचन कर रही हैं। गुरुवार को महासप्तमी पूजन और बेलवरण पूजन किया गया। नगड़ी के पिस्का रेलवे स्टेशन में मां दुर्गा पूजा समिति द्वारा पूजा पंडाल बनाकर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अजयनाथ शाहदेव और झामुमो नेता नंदकिशोर मेहता ने पंडाल का पट खोला।

तमाड़ विधायक ने दो सड़कों का किया शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता। अड़की तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा ने गुरुवार को सारगेय पंचायत के तिरीलपीड़ी में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत दो सड़कों का शिलान्यास किया। मौके पर विधायक ने कहा कि इन सड़कों का निर्माण क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात होगी। दोनों सड़कों का निर्माण 16 करोड़ 80 लाख की लागत से किया जाएगा। पहली सड़क, जिसकी लंबाई 18 किलोमीटर होगी, सालगाडीह से राउता तक बनाई जाएगी और इसकी लागत 14 करोड़ 62 लाख होगी। दूसरी सड़क 2 किलोमीटर की है जो चैनपुर से ऊपर बालालोंग पंचायत भवन तक बनाई जाएगी और इसकी लागत 1 करोड़ 20 लाख है। इन दोनों सड़कों के निर्माण की मांग ग्रामीण कई वर्षों से कर रहे थे। बरसों से इन दोनों सड़कों को बनाने को लेकर क्षेत्र में काफी राजनीतिक हुई। विधायक ने क्षेत्र के लोगों को नवरात्र की शुभकामनाएं दीं। उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने हेमंत सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि मनोज मंडल, 20 सूत्री अध्यक्ष भोलानाथ लाल, प्रखंड अध्यक्ष सोनाराम यादव, मुखिया जयंती देवी, प्रकाश मंडा, जगदीश मंडा, अर्जुन मुंडा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष उपस्थित थे।

डिटर्जेंट बनाने का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

सीएसआर विभाग ने महिलाओं को साबुन व डिटर्जेंट बनाने के सामानों की आपूर्ति का दिया आश्वासन

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली/मुरी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीएसआर विभाग के द्वारा गुरुवार के दिन चार दिवसीय साबुन और डिटर्जेंट बनाने के प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन किया गया। इस कार्यक्रम पर हिंडालको कंपनी के क्लस्टर एचआर हेड शिशिर मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान हिंडालको सीएसआर की ओर से सभी महिलाओं को साबुन और डिटर्जेंट बनाने की आवश्यकताओं की पूर्ति का आश्वासन दिया। हिंडालको मुरी प्लांट के एचआर हेड अरुण राय ने कहा कि हम धीरे-धीरे सीएसआर में आगे बढ़ रहे हैं जैसा कि हमने वादा किया था। इस अवसर पर सीएसआर अनिल सिंह ने भी मौके पर उपस्थित होकर कहा की जरूरत के सभी सामान आप सभी को उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि रोजगार को लेकर आप लोग नया आयाम स्थापित कर सकें और आत्मनिर्भर बन सके। कार्यक्रम में हिंडाल्को के अधिकारी कुमार अभिषेक, नीतीश सिंह, प्रभात तिवारी, संदीप कुमार और भरत सिंह भी मौजूद रहे। हिंडाल्को की यह पहल न केवल स्थानीय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी सहायक है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि महिलाओं को उद्यमता के प्रति प्रोत्साहित करना और उन्हें आवश्यक कौशल प्रदान करना है जिससे वह अपने जीवन को बेहतर बना सके।

देवेंद्रनाथ महतो ने सोनाहातु में किया पंडाल का दर्शन

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली दुर्गा पूजा राज्य भर में विधि विधान से मनाया जा रहा है। पूजा के दौरान पवित्र मंत्र उच्चारण से चहूं ओर गुंजायमान है। पूजा पंडाल सज कर तैयार है। आकर्षक पंडाल को लेकर प्रतिस्पर्धा चल रही है। गुरुवार को महाअष्टमी तिथि को श्रद्धालुओं ने आकर्षक पंडाल का लुप्त उठा रहे हैं। झारखंड लोकतांत्रिक मोर्चा वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ ने सोनाहातु प्रखंड के पूजा पंडालों का दर्शन किया। उन्होंने कहा कि सौहार्द वातावरण में मां की आराधना करें और लोगों को इस संबंध में बतायें। सोनाहातु प्रखंड के जिंतु, बारुहातु, सोनाहातु, गलऊ, जामुदाग, तेतला, तेलवारी, बारेंदा, दुलमी, जिलिंगसेरेग, हेसाहातु, पांडाडीह, लांदुपडीह एवं हारिण पंचायत में भ्रमण किया। कार्यकर्ता एवं जनता से संवाद किया। छात्र नेता श्री महतो ने कहा कि बुराई पर अच्छाई का जीत, असत्य पर सत्य की जीत का यह प्रतीक है। राज्य में नारी शक्ति को एकीकृत करके ही समाज का सही उत्थान किया जा सकता है।

गीले कपड़ों में ही षाष्टांग दंडवत करते मंदिर पहुंचे श्रद्धालु

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली/मुरी सिल्ली मुरी आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार को सुबह सुबह 6.47 बजे ही अष्टमी के पश्चात नवमी पड़ जाने के कारण गुरुवार को हर पंडाल में पूजा करने के लिए व्रतियों की भीड़ उमड़ पड़ी। पंडालों से अनवरत वैदिक मंत्र उच्चारण की गूंज से आसपास का महौल भक्तिमय हो गया। वहीं व्रति मन्नत को लेकर निकट के पोखर में नहा कर गीले कपडों में ही षाष्टांग दलित देते हुए मंदिर पहुंचे और माता के चौखट में श्रद्धा पूर्वक माथा टेका। संध्या के समय पंडाल के सामने विभिन्न प्रकार की दुकानें सज गई हैं। पंडाल के आमने-सामने मेले के रूप में तब्दील हो गया है। वहीं दुर्गा पूजा को देखते हुए पुलिस प्रशासन क्षेत्र में पूरी तरह से चुस्त दुरुस्त है। पूजा पंडाल की रक्षा में हर तरफ सुरक्षा तैनात कर दी गयी है, इसके अलावा पूजा समिति के लोगों ने अपने ओर पुख्ता इंतजाम कर रखा है। पुलिस प्रशासन का कहना है व्यवस्था बिल्कुल चुस्त और दुरुस्त है ताकि किसी तरह की कोई घटना न हो सके। पुलिस का साथ-साथ पूजा समिति के लोग हुड़दियों पर कड़ी नजर कर रखी तो ताकि किसी तरह की बात हो जो श्रद्धालुओं कष्ट हो सके।

मां की दर्शन के लिए पंडाल से लेकर सड़कों तक उमड़ा जनसैलाब

मां की दर्शन के लिए लोगों की भीड़ पंडालों में उमड़ रही हैं। दो दिन तो बारिश को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ कुछ देखने को कम लगी थी लेनिक बारिश रुकते ही सड़क से लेकर पंडाल तक लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हर कोई भीड़ में आगे जाने के लिए तत्पर दिख रहा था। सड़क के किनारे बच्चों के खिलौना और स्टाल दिखाई दे रहे हैं। लोग तरह-तरह के व्यंजनों का भी लुत्फ उठा रहे थे। बच्चों में घुमने का उमंग काफी देखा जा रह थे।

एक नजर

मोबाइल दुकान में चोरी के आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर पकड़ा

कोडरमा। जयनगर थाना क्षेत्र के परसाबाद में एक मोबाइल दुकान से चोरी की घटना घटित हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और आरोपी को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी अनीश नायक, उम्र 19 वर्ष, हजारीबाग के दिग्वार गांव का निवासी है। पुलिस ने आरोपी से चोरी की गई 23,500 रुपये और एक मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य सूत्रों के आधार पर आरोपी को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। फिलहाल आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गोरहर थाना प्रभारी के नेतृत्व में चलाया गया वाहन चेकिंग अभियान

बरकट्ठा। गोरहर थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने थाना क्षेत्र अंतर्गत जमुआ में वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान थाना प्रभारी ने बताया कि दूर्गा पूजा त्यौहार को देखते हुए वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया है। इस दौरान दो पहिया वाहन चालक को बिना हेलमेट और चार पहिया वाहन को बिना सीट बेल्ट बांधे नहीं चलने को कहा। इस मौके पर थाना के अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

मसनोडीह में मां दुर्गा की मंदिर स्थापित हुए सौ वर्ष से ज्यादा हुए

डोमचांच। प्रखंड के मसनोडीह में मुगल राज के समय 1912 से भी पहले मां दुर्गा की ऐसा मंदिर स्थापित है,जहां सप्तमी के दिन दूर-दूर से पहुंच कर अनोखे तरीके से मन्नत मांगते है। मन्नत मांगने की प्रक्रिया यहां अलग है। लोग थाली में दीप, अगरबत्ती, धूप मिलाकर डलिया में लेकर एक साथ जमा होते हैं। इसके बाद सभी लोग दंड देते हुए लगभग दो किमी दूर बेलभरनी में जाकर पूजा- अर्चना कर वापस मंदिर में आकर मन्नत मांगते हैं। इसके बाद मन्नत पूरी होने के बाद दुगार्पूजा के नवमी में मां के सामने बलि दी जाती है। फिलहाल यह प्रसिद्ध मंदिर मसनोडीह के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के समीप स्थापित है। इस मंदिर और प्रतिमा की स्थापना बारतगढ़ के राजा धर्मनारायण सिंह के वंशजों ने की थी। धर्मनारायण सिंह के वंशज मृत्युंजय सिंह बताते है कि करीब दो सौ साल पहले बारतगढ़ में हुए दंगे के दौरान राजा धर्मनारायण सिंह सब कुछ छोड़कर मसनोडीह चले आए थे। उस समय यह इलाका घना जंगली था।

रामगढ़ के बिजुलिया के पंडाल में पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु

निषेधाज्ञा का उल्लंघन नहीं हो, इस बात का ध्यान रखा जाए : एसडीओ

नवीन मेल संवाददाता। बरही

एसके जोहान टुडू और एसडीपीओ अजीत कुमार विमल चौपारण प्रखंड के विभिन्न पूजा पंडाल का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने पंडाल में सीसीटीवी, महिला पुरुष प्रवेश द्वार आदि सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया साथ ही पूजा समिति के सदस्यों से विचार विमर्श कर उचित निर्देश भी दिए. पूजा समिति के पदाधिकारी को सरकारी निर्देशों के अनुसार ही पूजा आयोजित करने का निर्देश दिया.

पूजा समिति के पदाधिकारियों को सरकारी निर्देशों के अनुसार ही पूजा आयोजित करने को कहा

उन्होंने बताया कि अनुमंडल क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू है ऐसे में किसी भी प्रकार के अनापत्ति जनक वस्तु या निर्धारित मापदंड का उल्लंघन नहीं हो, इस बात का पूरा ध्यान रखा जाए. एसडीपीओ ने भी पूजा पदाधिकारी को शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन का सहयोग लेने और देने की बात कही. उन्होंने कहा कि मेला के दौरान समुचित बल तैनात रहेंगे. किसी भी प्रकार के अफवा हा या भ्रांतियों पर ध्यान नहीं देना है. आवश्यकता पड़ने पर समिति के लोग सीधे प्रशासनिक पदाधिकारी से संपर्क करें. शांति और सुरक्षा के लिए प्रशासन सदैव तैयार रहेगा. मौके पर चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश भी मौजूद थे.

चोरों ने 2002 की घटना की पुनरावृत्ति की

गांव में भी पुलिस लगाए गश्ती, चोरों की शीघ्र हो गिरफ्तारी : जिप उपाध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता। बरही

बीते रात बेलादोहार गांव में चोरों ने एक साथ आधा दर्जन घरों में चोरी की घटना का अंजाम दिया है. जिसकी जानकारी अहले सुबह गुरुवार को हुई. जिसकी लिखित सूचना भुक्तभोगी राजेंद्र यादव ने बरही थाना को दी. सूचना के अनुसार घटना बीते रात 11 से 3 बजे में बीच की बताई गई है. आवेदनकर्ता के अनुसार चोर घर के मेन गेट का ताला तोड़कर प्रवेश किए और घर में रखे बक्से से 19 किग्रा के वजन के बराबर कासा का बर्तन, 500 ग्राम चांदी के जेवर, उनके बड़े भाई जानकी यादव के घर से भी कांसे के बर्तन, चांदी के जेवर, सहित दुकान से मोबाईल, चार्जर, हेड फोन, स्पीकर और उनके मंझले भाई सरजू यादव के घर से भी चांदी के जेवर, कांसा के बर्तन आदि कई बहुमूल्य समान को चोरी कर लिए है. तीनो भाईयो के घर से चोरी गए मूल्य की अनुमानित कीमत पांच लाख रुपए बताए गए हैं. सूचना को जानकारी मिलते ही बरही थाना के एसआई सुमित साव दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर वस्तुस्थिति से अवगत हुए, और रिपोर्ट दर्ज किया. वही मामले की जानकारी होते ही जिप सदस्य सह जिप उपाध्यक्ष किसुन यादव और स्थानीय मुखिया विजय कुमार यादव घटना स्थल पर पहुंचकर भुक्तभोगियों से बात किया और घटना के बाबत जानकारी ली. जिप उपाध्यक्ष ने तत्काल थाना प्रभारी से बात करते हुए चोरी के समान की बरामदगी के साथ चोरो को शीघ्र गिरफ्तारी की मांग किया. साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में भी रात्रि में पुलिस की गश्ती चलाए जाने की बात कही. ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2002 में इसी प्रकार की चोरी की घटना घटी थी, जिसकी एक बार फिर पुनरावृति हुई है.

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति के लिए मनोनीत हुए सोनू गुप्ता

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने संतोष कुमार गुप्ता (सोनू गुप्ता) को प्रदेश कार्यसमिति पद के लिए मनोनीत किया है। पवन साहू ने सोनू गुप्ता की मेहनत और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा और मजबूत होगा। इस अवसर पर सोनू गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू को तहे दिल से धन्यवाद दिया और कहा कि यह सम्मान मेरे लिए गर्व की बात है। मैं किसान समुदाय की समस्याओं को समझते हुए उनके हितों के लिए काम करने का संकल्प लेता हूं। सोनू गुप्ता ने सभी को एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया और कहा कि हम मिलकर किसानों के विकास और उनके अधिकारों की रक्षा करेंगे। हमारा लक्ष्य इस विधानसभा झारखण्ड में पूर्ण बहुमत से बने भाजपा की सरकार। इस दायित्व को मिलने के बाद बधाई देने वालों में किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष टोनी जैन, प्रदेश मंत्री मनमीत अकेला वरिष्ठ भाजपा नेता केपी ओझा ने बधाई दी।

नवरात्र पर नटराज कला केंद्र में डांडिया की धूम

झुमरी तिलैया। जिले भर में नवरात्र के उत्सव की बहार है। ऐसे में गरबा और डांडिया का क्रेज चरम पर है। नृत्य की सौगात देने वाले डॉक्टर गली में संचालित नटराज कला केंद्र दुर्गोत्स्व में शहर की महिलाओं व बालिकाओं के लिए विशेष रूप से डांडिया का आयोजन कर लोगों को नवरात्रि में सम्पूर्ण करने का कार्य कर रही है। केंद्र में डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां डांडिया की धुन पर महिलाओं और बच्चों के पांव थिरक उठे। केसरिया रंग, सांवरिया, डाक बाजा, डोलिया, रंगीलो मारो ढोलना, छुगाडा तारा आदि नृत्य प्रस्तुत किए गए। बच्चों ने ओपन डांडिया भी किया। बच्चों में नवनीत छाबड़ा, हरप्रीत कौर, सिया वर्णवाल, आरणी भदानी, तेजल कापसीमे, परी, समृद्धि कपासिमे जबकि महिलाओं में खुशबू भदानी, चंदा, दीपिका, अनामिका भदानी, आरती आर्या, डिंपल, प्राची भदानी, रेशमा, विनीता भदानी, रश्मि भदानी, नूतन और खुशबू सेठ ने डांडिया के धुन पर खूब धूम मचाया।

पूर्व विधायक ममता देवी ने माता का लिया आशीर्वाद

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

पूर्व विधायक ममता देवी गुरुवार को दुलमी प्रखंड के दुर्गा मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंची और माता दुर्गा का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर उन्होंने माता दुर्गा से क्षेत्र की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। मौके पर दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश, राजू महतो, खखु महतो,मनसु महतो, बाना महतो, बिक्रम कुमार, छोटन कुमार, सुनील कुमार, बाबुराम महतो, विरेन्द्र महतो, महेंद्र ओहदार, राजकुमार, हेमलाल, उतम कुमार, शिव कुमार, रोशन कुमार, युगल किशोर महतो, प्रेम मुंडा, लिलेश्वर महतो, प्रदीप कुमार, गौरीशंकर महतो, मनोज कोटवार, महताब राही, रामघृत महतो, दुधेशवर महतो, विनोद कुमार आदि उपस्थित थे ।

कैमरे की नजर में

रामगढ़ के थाना चौक में बना भव्य पंडाल

रामगढ़ के माता विघ्नेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना करते श्रद्धालु

रामगढ़ में पूजा को लेकर शहर में लोगों की भीड़

रामगढ़ पतरातू बस्ती में स्थापित भव्य प्रतिमा

रामगढ़ के सुभाष चौक में स्थापित स्वचालित प्रतिमा

आस्था : बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति ने निकाली माता रानी की भव्य डोली यात्रा

डोली यात्रा हमारी धार्मिक आस्था और समाज की एकता का प्रतीक है : दीप नारायण निषाद

महासमिति ने महासप्तमी के अवसर पर पूजा पंडाल के समीप महाभोग का वितरण किया

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

शहर के बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति के द्वारा गुरुवार को महासप्तमी के दिन प्रातः काल में पूजा पंडाल से भव्य डोली यात्रा निकाली गई। डोली यात्रा में आगे-आगे बंगाल से आने वाले ढाक की विशेष प्रस्तुति रही तो वहीं डोली यात्रा के पीछे-पीछे महिलाएं लाल पीली साड़ी एवं पुरुष कुर्ता पजामा में शामिल हुए, सभी डोली यात्रा के दौरान फूलों की वर्षा कर मां के आगमन पर स्वागत कर रहे थे, साथ ही सभी लोग जय माता दी की जयकारों की गूंज लगा रहे थे। डोली यात्रा पूजा पंडाल से बड़ा बाजार चौक, बंसी लाल चौक होते हुए बुढ़वा महादेव तालाब पहुंची जहां पर पूजा अर्चना की गई। पुनः डोली यात्रा वापस पूजा पंडाल पहुंची जहां पर महासमिति की पूजा अर्चना विधिवत रूप से प्रारंभ की गई। बंगाल से आए पुजारी के द्वारा पुजा अर्चना कराया जा रहा है। डोली यात्रा में कई श्रद्धालु शामिल हुए। वहीं षष्ठी को माता रानी का पट खोला गया था महासमिति के द्वारा महा सप्तमी के अवसर पर पूजा पंडाल के समीप महाभोग का वितरण किया गया। सचिव दीप नारायण निषाद ने कहा कि बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति की ओर से मैं सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने इतनी बड़ी संख्या में इस डोली यात्रा में भाग लिया और इसे सफल बनाया। यह यात्रा हमारी धार्मिक आस्था और समाज की एकता का प्रतीक है। हर वर्ष यह आयोजन किया जाता है, जिससे न केवल हमारी आस्था और विश्वास को बल मिलता है, बल्कि सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश भी फैलता है। उपाध्यक्ष सह कोर कमेटी के सदस्य ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष की भव्य डोली यात्रा में आपकी भारी उपस्थिति हमें अत्यंत गर्व का अनुभव कराती है। मैं सभी श्रद्धालुओं का तहेदिल से धन्यवाद करता हूं जिन्होंने इस पवित्र आयोजन में सम्मिलित होकर इसे सफल बनाया।

भीम आर्मी एकता मिशन के सदस्यों ने नवपदस्थापित एसडीपीओ का किया स्वागत

निर्दोष फंसेंगे नहीं और दोषी बचेंगे नहीं, सभी को मिलेगा न्याय : एसडीपीओ

नवीन मेल संवाददाता। बरही

नव पदस्थापित एसडीपीओ अजीत कुमार विमल से भीम आर्मी एकता मिशन के सदस्यों ने प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मण राव की अगुवाई में भेंट किया. इस दौरान सदस्यों ने उन्हें बुके देकर स्वागत करते हुए वर्तमान हालात से अवगत भी कराया. प्रखंड अध्यक्ष श्री राव ने एसडीपीओ को बताया कि बरही में फर्जी और एनकाउंटर केश की परंपरा सी बन गई है. नेताओं के दबाव में थाना प्रभारी सारी सच्चाई जानते हुए भी फर्जी एनकाउंटर केस दर्ज कर लेते हैं. गरीब और अभिवंचित वर्गों को परेशान भी किया जाता है. इससे गरीब, दलित और अभिवंचित वर्ग के लोग पुलिस के समक्ष आने से कतराते हैं. एसडीपीओ श्री विमल ने आश्वस्त किया कि उनके कार्यकाल में ऐसी परंपरा देखने को नहीं मिलेंगे. दोषी किसी भी हाल में नहीं बचेंगे और निर्दोष को फंसने नही दिया जायेगा. हर एक व्यक्ति को हर संभव न्याय मिलेगा, यदि किसी भी व्यक्ति को थाना से कोई शिकायत हो तब वह सीधे एसडीपीओ कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

मानसिक रोगियों के साथ सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार करें : पीडीजे

कोडरमा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा, हैंड इन हैंड इंडिया, इनरव्हील क्लब ऑफ कोडरमा, चिल्ड्रेन ऑफ इंडिया फाउंडेशन, लायंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर हॉली फैमिली स्थित जीवोदया संस्थान में विधिक जागरुकता शिविर लगाया गया। बतौर मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह प्राधिकार अध्यक्ष बाल कृष्ण तिवारी ने कहा कि मानसिक रोगियों के साथ सहानुभूति पूर्वक व्यवहार करना चाहिए, ताकि वे भी अपने आप को आम लोगों की तरह सरल,सहज जीवन जी सके। उन्होंने कहा कि मानसिक रोगियों सहित समाज के किसी भी पीड़ित व्यक्ति को मदद करने के प्रति प्राधिकार कृत संकल्प है। लायंस क्लब के रिजन चेयर पर्सन सुचित कुमार अंबष्ठा ने कहा कि इस प्रकार का आयोजन मानसिक दिव्यांगो के मानसिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न पूजा पंडालों का किया भ्रमण

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

उपायुक्त नैंसी सहाय एवं पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने गुरूवार नवरात्र के आठवें दिन आयोजित हो रहे शहरी क्षेत्र के सभी प्रमुख पूजा पंडालों का भ्रमण कर माता के दर्शन किए तथा सभी आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न पूजा मंडपो में मां दुर्गा की प्रतिमा का दर्शन कर आशीर्वाद भी लिया। पूजा समिति के सदस्यों ने उनके स्वागत में माता की चुनरी ओढ़ा कर सम्मान दिया। इस दौरान उपायुक्त व एसपी ने माता का भोग भी ग्रहण किया। उपायुक्त व एसपी ने जिला भ्रमण के दौरान आयोजकों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था व साफ सफाई बरकरार रखने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी आयोजकों से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महिला एवं पुरुष के अलग अलग निकास व प्रवेश द्वार की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने आयोजन स्थल पर सीसीटीवी,अग्निशमन, बिजली, प्रकाश आदि की व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। पंडाल भ्रमण के दौरान आयोजकों द्वारा आकर्षक पंडाल एवं अच्छी व्यवस्था को देख उपायुक्त ने खुशी जाहिर की तथा उपस्थित पूजा समिति के सदस्यों को दुगार्पूजा की शुभकामनाएं दी। शहरी क्षेत्र के सभी पूजा पंडालो के भ्रमण के दौरान प्रशिक्षु आईएएस श्री लोकेश बारेगे एवं सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्री अशोक कुमार मौजूद रहे।

ये हो सकते हैं रतन टाटा के वारिस

नोएल टाटा : नवल टाटा की सिमोन से दूसरी शादी से जन्मे नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई हैं। ऐसे में नोएल टाटा इस विरासत को संभालने वाले प्रमुख दावेदारों में से एक हैं। नोएल टाटा के तीन बच्चे हैं माया, नेविल और लियाह टाटा जो ग्रुप के संभावित उत्तराधिकारी हो सकते हैं।

माया टाटा : 34 साल की माया टाटा, टाटा ग्रुप में लगातार आगे की ओर बढ़ रही हैं। बेयस बिजनेस स्कूल और वॉरविक यूनिवर्सिटी से एजुकेशन हासिल करने के बाद, उन्होंने टाटा अपॉर्चुनिटीज फंड और टाटा डिजिटल में प्रमुख पदों पर कार्य किया है। विशेष रूप से, उन्होंने अपनी रणनीतिक कौशल और दूरदर्शिता का प्रदर्शन करते हुए टाटा न्यू ऐप लॉन्च करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नेविल टाटा: 32 साल नेविल टाटा फैमिली बिजनेस में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। टोयोटा किर्लोस्कर ग्रुप की मानसी किर्लोस्कर से शादी करने वाले नेविल ट्रेंट लिमिटेड के तहत आने वाली कंपनी स्टार बाजार के हेड हैं।

लियाह टाटा : 39 साल की लियाह टाटा, टाटा ग्रुप के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में अपनी छाप छोड़ रही हैं। स्पेन के एक बिजनेस स्कूल से पढ़ी लिआ टाटा ने ताज होटल रिसॉर्ट्स और पैलेसेस में महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। मौजूदा समय में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में ग्रुप की मौजूदगी को बढ़ाते हुए, इंडियन होटल कंपनी को संभाल रही हैं।

1962 के चीन युद्ध के कारण आजीवन कंवारे रह गए रतन टाटा...

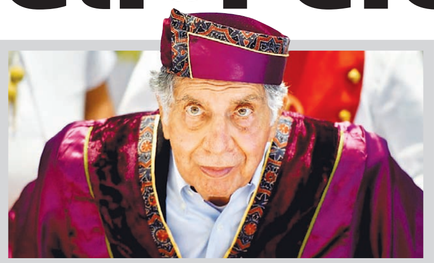

रतन टाटा ने कभी शादी नहीं की। उनकी भी एक प्रेम कहानी थी, लेकिन ये प्यार अधूरा रह गया। रतन टाटा को एक कंपनी में काम करने के दौरान लॉस एंजिल्स में प्यार हुआ था, लेकिन वो उस लड़की से शादी करने ही वाले थे। तभी अचानक उन्हें वापस भारत लौटना पड़ा, क्योंकि उनकी दादी की तबीयत ठीक नहीं थी। रतन टाटा को ये लगा था कि जिस महिला को वो प्यार करते हैं वह भी उनके साथ भारत भी आ जाएगी। रतन टाटा के मुताबिक, '1962 की भारत-चीन लड़ाई के चलते उनके माता-पिता उस लड़की के भारत आने के पक्ष में नहीं थे और इस तरह उनका रिश्ता टूट गया।

400 बिलियन डॉलर का टाटा ग्रुप

रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2024 तक टाटा ग्रुप की तमाम कंपनियों का कंबाइंड मार्केट कैप 400 अरब डॉलर यानी करीब 35 लाख करोड़ रुपए है। मौजूदा समय में कंपनी की 29 कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट है। ग्रुप की सबसे बड़ी कंपनी टाटा कंसलटेंसी है। कंपनी का मार्केट कैप 9 अक्टूबर 2024 तक 15,38,519.36 करोड़ रुपए है। मार्केट कैप के लिहाज से टीसीएस देश की दूसरी सबसे बड़ी और देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी है। रतन टाटा के नेतृत्व में ही टीसीएस में सबसे ज्यादा ग्रोथ देखने को मिली और इंफोसिस और विप्रो जैसी बड़ी आईटी कंपनियों को पीछे छोड़ नंबर 1 पायदान पर काबिज हो गई।

लाइमलाइट से दूर रहते हैं टाटा परिवार के सदस्य

रतन टाटा के परिवार के बारे में बहुत कम लोगों को ही पता है। उनके परिवार के ज्यादातर सदस्य लाइमलाइट से दूर रहते हैं। रतन टाटा की फैमिली बहुत बड़ी है। रतन टाटा के पिता नवल टाटा थे। नवल टाटा को उनके पिता रतनजी टाटा ने गोद लिया था। रतनजी टाटा, टाटा ग्रुप के फाउंडर जमशेदजी टाटा के बेटे थे. आइए जानते हैं रतन टाटा और उनकी फैमिली में कौन-कौन है?

नुसरवानजी टाटा : टाटा फैमिली के कुलपति नुसरवानजी टाटा थे। टाटा के वंश की शुरूआत यहीं से मानी जाती है। नुसरवानजी टाटा एक पारसी पुजारी थे। उन्होंने कारोबार जगत में टाटा फैमिली से कदम रखने वाले वाले पहले सदस्य थे। यहीं से टाटा परिवार के बिजनेस में आने की शुरूआत हुई थी।

जमशेदजी टाटा ने रखी थी नींव : नुसरवानजी टाटा के बेटे जमशेदजी टाटा ने टाटा ग्रुप की स्थापना की थी। वह गुजरात के नवसारी के रहने वाले थे। हालांकि उनकी किस्मत मुंबई आकर चमकी थी। जमशेदजी टाटा ने 1868 में एक ट्रेडिंग कंपनी के तौर पर टाटा ग्रुप की नींव रखी थी। सिर्फ 29 साल की उम्र में 21,000 रुपये के निवेश के साथ कंपनी की शुरूआत की थी। इसके बाद टाटा ग्रुप ने शिपिंग का भी काम किया और 1869 तक आते-आते वह टेक्सटाइल के बिजनेस में उतर गए। जमशेदजी को भारत के उद्योग जगत के पिता के रूप में कहा जाता है। स्टील, होटल (ताज महल होटल) और हाइड्रोपावर जैसी कंपनियां स्थापित की थी।

दोराबजी टाटा : जमशेदजी टाटा के सबसे बड़े बेटे का नाम दोराबजी टाटा था। जमशेदजी के निधन के बाद टाटा ग्रुप की कमान दोराबजी ने संभाली थी और टाटा स्टील और टाटा पावर जैसी कंपनियों को स्थापित करने और आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

रतनजी टाटा : दोराबजी के छोटे भाई या जमशेदजी के छोटे बेटे रतनजी टाटा थे। रतनजी टाटा ने कपास और वस्त्र इंडस्ट्रीज को एक अलग पहचान दी थी और टाटा ग्रुप के अन्य बिजनेस को आगे बढ़ाने में उनकी बड़ी भूमिका रही।

जेआरडी टाटा : जेआरडी टाटा रतनजी टाटा के बेटे थे। जेआरडी टाटा की मां का नम सुजैन ब्रिएरे थी, जो कि एक फ्रांसीसी महिला थीं। जेआरडी टाटा भारत के पहले कमर्शियल पायलट बने। वहीं जेआरडी टाटा ने 50 साल से अधिक समय तक टाटा ग्रुप के चेयरमैन (1938-1991) रहे। जेआरडी टाटा ने ही एयरलाइंस की स्थापना की थी। बाद में इसे एयर इंडिया का नाम दिया गया। जेआरडी टाटा ने टाटा ग्रुप को मल्टीनेशनल कंपनी बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

नवल टाटा : रतनजी टाटा के दत्तक पुत्र नवल टाटा थे। इन्होंने भी टाटा ग्रुप को एक अलग पहचान दिलाई। टाटा ग्रुप को आगे बढ़ाने में इनकी एक बड़ी भूमिका मानी जाती है।

रतन नवल टाटा : 8 दिसंबर 1937 को रतन टाटा का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम नवल टाटा और माता का नाम सूनी टाटा था। रतन टाटा जमशेदजी टाटा के परपोते थे। वह 1991 से 2012 तक टाटा ग्रुप के चेयरमैन रहे। अक्टूबर 2016 से फरवरी 2017 तक इंटरिम चेयरमैन थे। 2017 से टाटा ग्रुप के चैरिटेबल ट्रस्ट्स के प्रमुख थे। रतन टाटा ने टाटा ग्रुप को इंटरनेशनल ब्रांड बनाया था। उन्होंने एयर इंडिया को खरीदा, जिसे जेआरडी टाटा ने शुरू किया था, लेकिन आजादी के बाद ये सरकारी हो गई थी। फोर्ड के लग्जरी कार ब्रांड लैंडरोवर और जगुआर को भी अपने पोर्टफोलियो में शामिल करने में रतन टाटा ने बड़ी भूमिका निभाई थी। 2008 में रतन टाटा को भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण मिला था। इससे पहले 2000 में उन्हें पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया था।

अपने पीछे इतनी संपत्ति छोड़ गए रतन टाटा

टाटा समूह का कारोबार पूरी दुनिया में फैला हुआ है और घर की रसोई से लेकर आसमान में हवाई जहाज तक ये नाम मौजूद हैं। समूह की 100 से ज्यादा लिस्टेड और अनलिस्टेड कंपनियां हैं और इनका कुल कारोबार करीब 300 अरब डॉलर का है। बात करें दिवंगत रतन टाटा की संपत्ति के बारे में, तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के 'रतन' अपने पीछे अनुमानित करीब 3800 करोड़ रुपये की दौलत छोड़ गए हैं। रतन टाटा के दुनिया में फैले कारोबार को देख उनकी संपत्ति का ये आंकड़ा कम लग सकता है, इसके पीछे की वजह का जिक्र करें, तो उनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा दाम में जाता था। रतन टाटा अपनी दरियादली के लिए जाने जाते थे और देश के टॉप दानवीरों में शुमार थे, जो अपनी आमदनी का बड़ा हिस्सा टाटा ट्रस्ट दान कर दिया करते थे। ये दान टाटा ट्रस्ट होल्डिंग कंपनी के तहत फर्मों द्वारा की गई कुल कमाई का 66% योगदान देता है।

हर किसी के लिए मददगार थे टाटा

2004 में आई सुनामी हो या फिर देश में कोरोना महामारी का प्रकोप, हर संकट के समय रतन टाटा मदद के लिए सबसे आगे रहे। न केवल सामाजिक कार्यों बल्कि आर्थिक तंगी से जूझने वाले छात्रों की भी मदद के लिए वे हमेशा आगे रहते थे। उनका ट्रस्ट ऐसे छात्रों को स्कॉलरशिप देता है। ऐसे छात्रों को जेएन टाटा एंडोमेंट, सर रतन टाटा छात्रवृत्ति और टाटा छात्रवृत्ति के जरिए मदद दी जाती है।

नोएल टाटा के बाद कौन?

नोएल टाटा की शादी आलू मिस्त्री से हुई है। दोनों के तीन बच्चे हैं, जिनका नाम नेवाइल, लियाह और माया टाटा है। नेवाइल की शादी किर्लोसकर ग्रुप के सदस्य मानसी किर्लोस्कर से हुई। वहीं, लियाह टाटा की बात करें तो उन्होंने स्पेन से पढ़ाई की, वहीं से उन्होंने मास्टर्स की डिग्री ली। नोएल टाटा के तीनों बच्चे टाटा ग्रुप के कारोबार से जुड़े हुए हैं, और अलग-अलग कंपनियों में बड़ी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

रतन टाटा के जीवन की दिलचस्प बातें

1937 में जन्मे रतन टाटा का पालन-पोषण 1948 में उनके माता-पिता के अलग होने के बाद उनकी दादी नवाजबाई टाटा ने किया था। रतन टाटा साल 1962 में कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से बी.आर्क की डिग्री प्राप्त की थी। 1962 के अंत में भारत लौटने से पहले उन्होंने लॉस एंजिल्स में जोन्स और इमन्स के साथ कुछ समय काम किया। 2008 में भारत सरकार ने उन्हें देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान, पद्म विभूषण, प्रदान किया था। वह 28 दिसंबर 2012 को टाटा संस के चेयरमैन के रूप में रिटायर हुए थे।

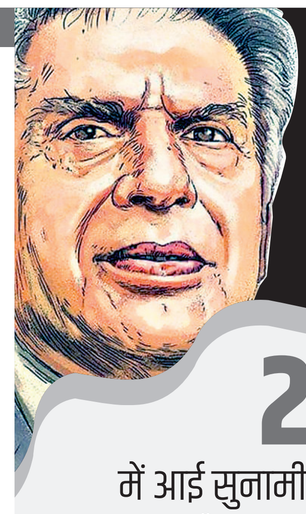

इंडस्ट्रियल टाइटन को श्रद्धांजलि

2004

में आई सुनामी हो या फिर देश में कोरोना महामारी का प्रकोप, हर संकट के समय रतन टाटा मदद के लिए सबसे आगे रहे।

रतन टाटा का सफर

- **जन्म** - 28 दिसंबर 1937
- **कॉलेज डिग्री** - 1962 में कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से बी.आर्क किया।
- **विदेश में कार्य अनुभव** - 1962 के अंत में भारत लौटने से पहले लॉस एंजिल्स में जोन्स और इमन्स के साथ काम किया
- **मैनेजमेंट ट्रेनिंग** - 1975 में हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्राम पूरा किया
- टाटा संस के चेयरमैन बने - मार्च 1991
- **रिटायर** - 28 दिसंबर 2012
- **टाटा समूह की आय** - 1991 में 10,000 करोड़ से बढ़कर 2011-12 में वरऊ 100.09 बिलियन

जन्म
28 दिसंबर 1937

निधन
09 अक्टूबर 2024

टाटा के मुख्य अधिग्रहण

- 2000 में टाटा टी द्वारा 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर में टेटली का अधिग्रहण
- 2007 में टाटा स्टील द्वारा 6.2 बिलियन पाउंड में कोरस का अधिग्रहण
- 2008 में टाटा मोटर्स द्वारा 2.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर में जगुआर लैंड रोवर का अधिग्रहण
- **सम्मान** - 2008 में पद्म विभूषण (भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान)
- **निधन** - 09 अक्टूबर 2024

जब रतन टाटा ने संभाली कमान

रतन टाटा की उल्लेखनीय यात्रा तब शुरू हुई जब उन्होंने साल 1991 में ऑटोमोबाइल से लेकर स्टील तक के विभिन्न उद्योगों में फैले टाटा समूह की बागडोर संभाली। साल 1996 में उन्होंने टाटा टेली-सर्विसेज की स्थापना की और 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध करवाया, जो कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

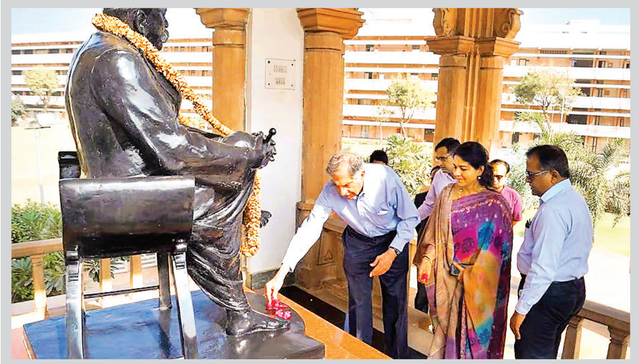

अपने जन्मदिन पर संघ मुख्यालय पहुंचे थे प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा

डॉ. हेडगेवार की समाधि पर किया था नमन

नागपुर। प्रसिद्ध उद्योगपति स्वर्गीय रतन टाटा का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से गहरा नाता था। इसी के चलते 8 साल पहले रतन टाटा ने अपना 79वां जन्मदिवस संघ कार्यालय में मनाया था। सारे कार्यक्रम रद्द कर रतन टाटा नागपुर पहुंचे थे। संघ ने भी अपने सारे नियम और सादगी से इतर रतन टाटा का जोरदार स्वागत किया था। प्रसिद्ध उद्योगपति टाटा और नागपुर का रिश्ता तीन पीढ़ियों का रहा है। रतन टाटा के पुर्खों ने नागपुर में एम्प्रेस मिल की स्थापना की थी। नागपुर में जन्मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी टाटा परिवार के रिश्ते बेहद करीबी थे। कारोबार के आइकॉन के रूप में देश में स्थापित हो चुके रतन टाटा के जीवन में समाजसेवा, दान और राष्ट्रवाद यह तीन बातें उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के करीब ले गईं। इसी के चलते 28 दिसंबर 2016 को रतन टाटा अपने 79वें जन्मदिवस के अवसर पर अचानक नागपुर पहुंचे थे।

टाटा के स्वागत में नागपुर के सभी प्रमुख संघ पदाधिकारी एयरपोर्ट पर मौजूद थे। प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा 28 दिसंबर 2016 को जब नागपुर पहुंचे थे, तब का दौर टाटा समूह के लिए दिक्कत भरा था। साइरस मिस्त्री को बाहर का रास्ता दिखाने के बाद टाटा ग्रुप थोड़ी मुश्किल में आ गया था। ऐसे माहौल में रतन टाटा ने सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत से मुलाकात की। दोनों में करीब 30 मिनट तक चर्चा हुई थी। इस मुलाकात के दौरान भाजपा नेता शाइना एनसी भी उनके साथ थीं। नागपुर यात्रा के दौरान रतन टाटा रेशमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर भी गए थे। वहां उन्होंने संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार और गोलवलकर गुरुजी की समाधि पर श्रद्धांजलि दी थी। 18 अप्रैल 2019 को रतन टाटा का दूसरा नागपुर दौरा गोपनीय था। इस दौरान भी टाटा संघ कार्यालय गए और सरसंघचालक से मिले थे।

26/11 हमले के बाद दिखाई टाटा ने गजब की दृढ़ता

मुंबई पर 26/11 हमले के बाद उनकी दृढ़ता के लिए उन्हें याद किया जाएगा। उन्होंने ताज होटल पर हमले में हुए नुकसान को ठीक करने के लिए निविदा निकाली। जिसे कांग्रेस के एक केंद्रीय मंत्री के सिफारिश के बावजूद पाकिस्तानी एजेंसी को देने से साफ मना कर दिया। रतन टाटा ने कोविड के दौरान तुरंत पीएम रिलीफ फंड में 1500 करोड़ रुपये दिए। साथ ही अपने अधिकांश होटलों को कोविड के दौरान मरीजों के लिए उपलब्ध कराया। उनकी महानता सदैव याद रखी जायेगी। उनमें नवप्रवर्तन और परोपकारिता का अद्वितीय समन्वय था। उन्होंने अपने 'टाटा मूल्यों' से कभी समझौता नहीं किया। वह युवाओं के बीच उपलब्धि और प्रयोग को प्रोत्साहित करने में हमेशा आगे रहते थे।

दादी नवाजबाई की सादगी की सीख आजीवन जीते रहे रतन

मुंबई। शीर्ष उद्योगपति रतन टाटा आजीवन अपनी दादी नवाजबाई टाटा की सादगी की सीख को आजीवन जीते रहे। रतन टाटा के जीवन का सफर आसान नहीं था। टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन को भी पारिवारिक कलह का भी सामना करना पड़ा था। उनकी दादी ने पालन-पोषण किया और सादगीभरा शांत जीवन जीने की सीख दी थी, जिसका निवर्हन रतन टाटा ने अपने जीवन के आखिरी पड़ाव तक किया। रतन टाटा का जन्म 28 सितंबर, 1937 को मुंबई में हुआ था। रतन टाटा के पिता नवल टाटा को टाटा परिवार ने गोद ले लिया था। नवल टाटा होर्मुसजी टाटा के रिश्तेदार भी थे। 1948 में जब रतन टाटा 10 साल के थे, तब उनके पिता नवल और मां सोनू का तलाक हो गया। तब रतन टाटा की देखभाल उनकी दादी नवाजीबाई ने की थी। उन्होंने रतन टाटा और उनके भाई दोनों का पालन-पोषण किया। इसलिए रतन टाटा को अपनी दादी की दी हुई सीख हमेशा याद रहती थी। एक इंटरव्यू में बोलते हुए रतन टाटा ने अपनी दादी की यादों से जुड़े कुछ किस्से बताए थे। रतन टाटा ने कहा था कि अगर आप इस तरह से देखें तो मेरा बचपन मजेदार था। लेकिन जैसे-जैसे मैं और मेरा भाई बड़े हुए, हमें उग्रता और कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसका कारण हमारे माता-पिता का तलाक था। लेकिन हमारी दादी ने हमें अच्छे से पाला। जब मेरी मां ने दूसरी शादी की, तो स्कूल में कुछ बच्चे हमारे बारे में इधर-उधर बातें करते थे। हालांकि, हमारी दादी ने हमें हमेशा सिखाया कि सीमा पार नहीं करनी चाहिए। यह शिक्षा आज तक हमारे साथ है।

उद्योग भवन और उद्योग रत्न पुरस्कार को टाटा का नाम दिया जाएगा

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में मुंबई में बन रहे उद्योग भवन और राज्य सरकार की ओर हर साल दिए जाने वाले उद्योग रत्न पुरस्कार को उद्योगपति रतन टाटा का नाम देने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही गुरुवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कुल 80 निर्णय लिए गए हैं। उद्योग मंत्री उदय सामंत ने मुंबई में बन रहे उद्योग भवन को उद्योगपति रतन टाटा का नाम दिए जाने का प्रस्ताव लाया गया। इसी तरह उदय सामंत ने ही हर वर्ष महाराष्ट्र सरकार की ओर से उद्योग क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने पर दिए जाने वाले 'उद्योग रत्न पुरस्कार' को रतन टाटा का नाम दिए जाने का भी प्रस्ताव पेश किया। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में इन दोनों प्रस्तावों को सर्वसहमित से मंजूरी दे दी गई। उदय सामंत ने बताया कि 700 करोड़ रुपये की लागत से मुंबई में उद्योग भवन बन रहा है, जो अब 'रतन टाटा उद्योग भवन' के रूप में जाना जाएगा।

एक युग का हमेशा के लिए अंत हो गया : अमिताभ बच्चन

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने गुरुवार को रतन टाटा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि टाटा के निधन से एक युग का अंत हो गया। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अभी रतन टाटा के निधन के बारे में पता चला... मैं बहुत देर तक काम करता रहा। एक युग समाप्त हो गया है। एक अत्यंत सम्मानित, विनम्र लेकिन दूरदर्शी नेता, जिनकी दृष्टि और संकल्प अद्वितीय थे। रतन टाटा के साथ बिताए गए विशेष क्षणों को याद करते हुए अमिताभ बच्चन ने कहा कि हमने उनके साथ कई शानदार पल बिताए, कई अभियानों के दौरान हम साथ-साथ शामिल रहे। मेरी प्रार्थनाएं (हाथ जोड़ने वाला इमोजी)। बता दें, अमिताभ के लिए रतन टाटा ने एक फिल्म ऐतबार प्रोड्यूस की थी, जो असफल रही और इसके बाद टाटा ने हिंदी फिल्मों से दूरी बना ली थी।

स्वान प्रेम की वजह से रद्द कर दी इंग्लैंड के शाही कार्यक्रम का दौरा

मुंबई। दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा का कुत्तों से प्रेम जग जाहिर रहा है। उन्होंने देश में पालतू जानवरों की आबादी ज्यादा होने के बाद भी उनके लिए उचित सुविधाएं ने होने पर चिंता जताई। इसके बाद मुंबई के महालक्ष्मी क्षेत्र में टाटा ट्रस्ट स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल खोला। रतन टाटा ने मुंबई के मशहूर होटल ताज में कुत्तों के प्रवेश पर लगाई गई पाबंदी को हटाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया था। उन्होंने कुत्तों के प्रति प्रेम की वजह से 2018 में इंग्लैंड के शाही कार्यक्रम का दौरा रद्द कर दिया, जब उन्हें ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट ने 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' देने के लिए आमंत्रित किया था। दरअसल, 2018 में इंग्लैंड के राजा प्रिंस चार्ल्स ने रतन टाटा को उनके परोपकारी कार्यों के लिए सम्मानित करने का फैसला लिया। ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट ने उन्हें 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' देने की योजना बनाई गई थी। 6 फरवरी, 2018 को होने वाले इस कार्यक्रम के लिए बकिंघम पैलेस में सभी तैयारियां कर ली गई थीं। इस पुरस्कार से रतन टाटा व्यक्तिगत रूप से खुश भी थे लेकिन इंग्लैंड रवाना होने के दिन रतन टाटा के दो कुत्तों टैंगो और टीटो में से एक की तबीयत बिगड़ गई। इस पर रतन टाटा ने कहा कि मैं उन्हें नहीं छोड़ सकता और वे उस कार्यक्रम में नहीं गए।

“ दिग्गज उद्योगपति और सच्चे राष्ट्रवादी, रतन टाटा जी के निधन से बहुत दुख हुआ। उन्होंने नि:स्वार्थ भाव से अपना जीवन हमारे राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित कर दिया। हमारे देश और उसके लोगों के कल्याण के लिए उनकी प्रतिबद्धता ने लाखों सपनों को जन्म दिया। वह हमारे दिलों में जीवित रहेंगे।

अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

“ उद्योग व समाज में रतन टाटा उल्लेखनीय योगदान ने हमारे देश और दुनिया पर अमिट छाप छोड़ी है। वह न केवल एक व्यावसायिक आइकन थे, बल्कि विनम्रता, अखंडता और करुणा के प्रतीक थे। जिनके जीवन को उन्होंने छुआ। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

“ तीन दशकों से अधिक समय तक मुझे उनके साथ एक गहरा पारिवारिक संबंध रखने का सौभाग्य मिला, जहां मैंने उनकी विनम्रता, सादगी और सभी के प्रति वास्तविक सम्मान देखा, चाहे उनकी स्थिति कुछ भी हो। उनके जीवन में ईमानदारी और करुणा के मूल्य समाहित थे, जो कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहे।

नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री

“ उद्योग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई व प्रभावी पहल के साथ ही कई श्रेष्ठ मानकों को उन्होंने स्थापित किया। समाज के हितों के अनुकूल सभी प्रकार के कार्यों में उनका सतत सहयोग तथा सहभागिता बनी रही। राष्ट्र की एकात्मता व सुरक्षा की बात हो या विकास के कोई पहलू हो रतन अपने विशिष्ट सोच व कार्य से प्रेरणादायी रहे।

डॉ. मोहन भागवत, सरसंघचालक

“ रतन टाटा एक दूरदर्शी व्यक्ति थे। उन्होंने व्यवसाय और परोपकार दोनों पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उनके परिवार और टाटा समुदाय के प्रति मेरी संवेदनाएं। कांग्रेस रतन टाटा के निधन पर बहुत दुखी है। उनकी ईमानदारी और करुणा कॉर्पोरेट्स, उद्यमियों और भारतीयों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष

“ रतन टाटा के निधन से हमने भारत के एक अमूल्य सपूत को खो दिया है। एक ऐसे परोपकारी व्यक्ति जिनकी भारत के समावेशी विकास और प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता सर्वोपरि थी। टाटा ईमानदारी और नैतिक नेतृत्व के पर्याय थे। वे लाखों लोगों के लिए एक प्रेरणा और आदर्श थे।

मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

खूंटी के पूजा पंडालों व मंदिरों में दिन भर उमड़ती रही माता रानी के भक्तों की भीड़

महाष्टमी को लेकर ऊहापोह की स्थिति

इस बार नवरात्र में दो दिन अष्टमी होने के कारण पूजा को लेकर व्रतियों में ऊहापोह की स्थिति रही। कुछ जगहों पर महिलाओं ने गुरुवार को ही महाष्टमी की पूजा की, जबकि अधिकतर महिलाएं सप्तमी युक्त अष्टमी होने के कारण शुक्रवार को महा अष्टमी का व्रत करेंगी। पंडितों का कहना है कि सप्तमीयुक्त अष्टमी का व्रत करना शुभ नहीं होता। बताया गया कि महाष्टमी और महानवमी का व्रत शुक्रवार को किया जाएगा और महाष्टमी और महानवमी का पारण होगा।

खूंटी (हि.स.)। शारदीय नवरात्र के आठवें दिन जिला मुख्यालय खूंटी सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित मंदिरों और पूजा पंडालों में गुरुवार को सुबह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ माता दूर्गा के पूजन और दर्शन के लिए उमड़ती रही। नवरात्र कें आठवें दिन माता महागौरी की पूजा-अर्चना की गई। लोगों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मां भवानी से सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस बार शुक्रवार सुबह 6.53 में संधि-बली होने के कारण गुरुवार देर रात से विभिन्न पंडालों में महाअष्टमी की पूजन अर्चन का दौर शुरू हुआ। इस बीच गुरुवार शाम से रात तक विभिन्न पूजा पंडालों में स्थापित माता रानी के दर्शन एवं पूजा पंडालों के अवलोकन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। यूं तो जिला मुख्यालय खूंटी में कुल 11 स्थानों पर प्रतिमाएं स्थापित की जाती है।

इनमें से करां रोड स्थित चौधरी मंडप, मिश्रा टोली स्थित मिश्रा मंडप और मेन रोड स्थित हरि मंदिर में पारंपरिक पूजन अर्चन की धूम रहती है, जबकि अन्य पंडालों में पूजन अर्चन के साथ ही आधुनिक साज सज्जा विशेष आकर्षण का केंद्र होती है। इस बार भी नेताजी चौक, भगत सिंह चौक, दुर्गा मंदिर मिश्रा टोली, बाजारटांड़ एवं तोरपा रोड में भव्य पूजा पंडाल का निर्माण किया गया है, जो विशेष आकर्षण के केंद्र हैं। इसके साथ ही पूजा पंडालों के आसपास मुख्य सड़क के किनारे सुंदर एवं मनभावन विद्युत सज्जा की गई है जो श्रद्धालुओं को बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर रही है। पूजा पंडालों में बज रहे भक्ति गीतों एवं भजनों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो रहा है। त्योहार को लेकर महिला पुरुषों के साथ ही छोटे-छोटे बच्चों में खासा उत्साह नजर आ रहा है। लोग नए-नए परिधानों में सुसज्जित होकर पंडालों के अवलोकन के लिए निकल रहे हैं।

दुर्गा पूजा को लेकर तोरपा में प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च

खूंटी (हि.स.)। शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर तोरपा थाना के सभी पुलिस अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने गुरुवार को तोरपा में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च का नेतृत्व कर रहे तोरपा के थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय ने बताया कि अफवाह फैलाने और कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न करने वाले असामाजिक त्त्वों से कड़ाई से निपटा जायेगा। उन्होंने लोगों से अपील की जिला प्रशासन द्वारा जारी गाइड लाइन का पालन करें और शांति और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में त्योहार मनायें। थाना प्रभारी ने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने और अशांति पैदा करने वालों के खिलाफ प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा।

पूजा पंडालों के खुले पट, मां दुर्गा के दर्शन को उमड़े भक्त

दुमका (हि.स.)। नवरात्र के दौरान शहर समेत विभिन्न प्रखंडों में दुर्गा पूजा को लेकर भक्तिमय माहौल है। गुरुवार को महासप्तमी के अवसर पर पूजा पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमाओं के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। शहर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडाल एवं मंदिर से ढाक, ढोल व मंजीरों के साथ कलशयात्रा निकाली गई। माता रानी के भक्ति में डूबे लोग नाचते गाते नजर आए। नवरात्र पर महासप्तमी के दिन शहर के धर्मस्थान मंदिर, दुर्गा स्थान, यज्ञ मैदान, शिवमंदिर चौक डंगालपाड़ा, कुम्हारपाड़ा, रसिकपुर, बाबुपाड़ा, न्यू बाबुपाड़ा, दुधानी, शिवपहाड़ मंदिर, करहलबिल, गिधनी पहाड़ी, बन्दरजोरी, लखिकुंडी समेत अन्य पूजा पंडाल भव्य रूप से सजावट हुई। शहर में पूजा पंडाल समेत पूरा शहर लाइटें की सजावट से जगमग हो उठा। शहर के बाबुपाड़ा पूजा पंडाल भव्य आकर्षण का केंद्र बना रहा। पूजा पंडाल में मां दुर्गा का प्रतिमा का पट खुलने के बाद श्रद्धालुओं का भीड़ उमड़ पड़ी। मेला में बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। बच्चे झूला समेत बच्चों के रंग-बिरंगे खिलौने आदि का लुफ्त उठाते दिखे। हर साल के भांति इस वर्ष भी विजयादशमी को यज्ञ मैदान में रावण दहन एवं घड़ा उतार प्रतियोगिता के आयोजन कर दुर्गा पूजा सम्पन्न होगा। हालांकि इस बार पूजा की तिथियों को लेकर असमंजस की स्थिति है, लेकिन भक्ति में कहीं कोई कमी नजर आई। लोगों में मां दुर्गा के प्रति आस्था, विश्वास चरम पर नजर आया।

न्यूज बॉक्स

नव चयनित 11 पीएलवी को विभिन्न थानों में किया गया प्रतिनियुक्त

खूंटी (हि.स.)। नव चयनित 11 पीएलवी को जिले के सभी थानों में नियुक्ति कर दी गई है। जिले सभी थानों में एक-एक पीएलवी को नियुक्त किया गया है। डीएलएसए सचिव खूंटी ने पीएलवी को निर्देश दिया की थाने में आनेवाले लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और आवेदन लिखकर डीएलएसए कार्यालय में जमा करें। साथ ही उनकी समस्याओं के उचित समाधान का हर संभव प्रयास किया जाना है। पीएलवी लोगों को आवेदन लिखने या अन्य कानून संबंधी जानकारी देकर उनकी सहायता करनी है। सभी तरह की सहायता निःशुल्क विधिक सहायता दी जाएगी। डीएलएसए की निःशुल्क कानूनी सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 15100 का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। जरूरतमंदों की सहायता करना और लोगों को सहायता पहुंचाना ही पीएलवी का प्रमुख कार्य है। बताया गया कि खूंटी जिले के विभिन्न क्षेत्रों से न्याय के लिए संघर्षरत 14 पीड़ितों को 53 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। राशि का आवंटन खूंटी जिला स्तरीय विक्टिम कंपनसेशन स्कीम के तहत किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार ने कहा कि यह सहायता राशि पीड़ितों के पुनर्वास एवं बेहतर जीवन यापन के लिए दी गई है, ताकि वे समाज की मुख्य धारा से जुड़ सके।

दुर्गापूजा को लेकर हाथामेढ़ी में निकाली गई कलश यात्रा

कटकमदाग/हजारीबाग। प्रखंड के ग्राम हाथामेढ़ी में दुर्गापूजा नवरात्र का आयोजन पुरी भक्तिभाव से की जा रही है। गांव में इस वर्ष से मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जा रही है। गुरुवार को दुर्गा मंडप से कलश यात्रा निकाली गई। सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष व कुमारी कन्याएं ढोल-बाजे के साथ कलश यात्रा में गोंदा डैम पहुंचे। जहां विधिवत पूजा-अर्चना कर कलश में जल भरकर मंडप पहुंचे और कलश की स्थापना की। दुगार्पूजा को लेकर पुरे गांव में वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। पूजन विधान महेंद्र पांडेय व उनके सहयोगियों द्वारा सम्पन्न कराया जा रहा है। नवरात्र पूजन विधान संपन्न कराने में समिति के अध्यक्ष राजेश प्रजापति, बालेश्वर प्रसाद, सुरेंद्र ठाकुर, दिलचन्द कुमार, दीपक कुमार पंडित, मनोज प्रजापति, पवन कुमार, मुकेश प्रजापति, राजा कुमार, आनंद कुमार, बिनोद कुमार, भैरो कुमार, रामस्वरूप कुमार, अजय कुमार, दिलीप कुमार सहित अन्य ग्रामीण जुटे हुए हैं।

बरवां में क्रिकेट टूर्नामेंटः पूर्व विधायक ने किया उद्घाटन

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के पंचायत सलैया स्थित मैदान में युवा क्लब बरवां नयाखाप के तत्वाधान में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक बरकट्ठा सह झामुमो नेता जानकी प्रसाद यादव विधिवत खिलाड़ियों से रूबरू होते हुए फीता काटकर व बल्लेबाजी कर उद्घाटन किया। उद्घाटन मैच बरकट्ठा 11 बनाम गंगपांचो नायक टोला के बीच खेला गया। जिसमे बरकट्ठा की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट खोकर 147 रन बनाई, जवाबी कार्रवाई करते हुए गंगपांचो की टीम 8 ओवर में 8 विकेट खोकर 47 रन बनाई। इस तरह से 2 विकेट 61 रन से गंगपांचो की टीम विजयी घोषित हुई। मौके पर जिला परिषद सदस्य कुमकुम देवी, प्रमुख रेणु देवी, मुखिया इंद्रदेव प्रसाद, पूर्व मुखिया गोपाल प्रसाद, दयानंद चौधरी, सेराज अंसारी, इश्हाम अंसारी, समीम अंसारी समेत सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित थे।

जेकेएलएम पार्टी से महेंद्र प्रसाद को मिला टिकट, कार्यकर्ताओं में हर्ष

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर चुनावी सरगर्मियां तेज होती जा रही है। इस निमित गुरुवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सुप्रीमो जयराम महतो की अध्यक्षता में संसदीय बोर्ड के अनुमोदन पर आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर पत्रांक संख्या जेकेएलएम/सीपी 16/24 के द्वारा विभिन्न विधानसभाओं से उम्मीदवारों के नामों का एलान कर दिया गया। जिसमे पार्टी ने बरकट्ठा विधानसभा से कुशल नेतृत्व और पार्टी के प्रति कड़ी संघर्ष और आत्मसमर्पण को देखते हुए महेंद्र प्रसाद को टिकट दिया है। टिकट मिलने के बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। वहीं टिकट मिलने के बाद विधानसभा पार्टी उम्मीदवार महेंद्र प्रसाद ने पार्टी सुप्रीमो जयराम महतो को धन्यवाद देते हुए बताया कि पार्टी ने जिस आशा और उम्मीद के साथ मुझे बरकट्ठा विधानसभा की कमान सौंपी है मैं उस पर खतरा उतरने का काम करूंगा। पार्टी को ऊंचाईयों तक पहुंचानें में पुरा जीवन समर्पित कर दुंगा । उन्होंने बताया कि उम्मीदवार बनाये जाने के बाद विरोधी दलों के लिए बड़ा झटका है ,साथ ही बदलाव को लेकर बरकट्ठा के लोगों की उम्मीदें बढ़ी है। बताया कि बरकट्ठा मे बदलाव की सख्त जरूरत है। आगे बताया कि बरकट्ठा में विकास कार्यों को गति मिलेगी। टिकट मिलने के बाद कार्यकर्ताओं और पार्टी समर्थको ने महेंद्र प्रसाद को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

बांस काटने के विवाद में पहाड़िया व्यक्ति की हत्या

बोरियो (साहिबगंज)। थाना क्षेत्र के खैरवा पंचायत के बिंदरी बंदर कोला के मंगला पहाड़िया (40) नामक व्यक्ति की लाश पुलिस ने गुरुवार की सुबह डुमरिया लेगो टोला सड़क किनारे झाड़ी से बरामद किया है। मृतक की पत्नी गांगी पहाड़िन ने बताया कि उसका पति मंगला पहाड़िया बोरियो बाजार बच्चे का सामान खरीदने के लिए बुधवार की दोपहर करीब दो बजे घर से निकला था। उसके पास पॉकेट में एक हजार रुपए था। गांगी ने बताया कि बाजार से बच्चे का सामान लेकर लौटने के क्रम में डुमरिया इलेवन स्टार क्लब की ओर से आयोजित फुटबॉल मैच देखने लगा। मृतक रात भर घर नहीं लौटा। सुबह ग्रामीणों ने डुमरिया लेगो टोला से एक किलोमीटर पीछे सड़क किनारे झाड़ी में एक व्यक्ति की लाश देख कर सूचना दी।

त्योहारी सीजन में रेलवे ने दी संताल परगना को सौगात

रेल मंत्री और निशिकांत दुबे ने दिखाई हरी झंडी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दुर्गा पूजा के दौरान रेलवे ने संताल परगना को बड़ी सौगात दी है। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने अगरतला-आनंद विहार तेजस राजधानी एक्सप्रेस और साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रेल मंत्री और निशिकांत दुबे : कार्यक्रम के तहत दिल्ली से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व सांसद निशिकांत दुबे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े थे। पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व सांसद निशिकांत दुबे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एवं साहिबगंज से विधायक अनंत ओझा व डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर 20501 डाउन तेजस राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन को दोपहर 1:58 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उसके ठीक डेढ़ घंटे के बाद 3:19 बजे साहिबगंज से हावड़ा के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर हावड़ा के लिए रवाना किया गया। मौके पर कार्यक्रम में राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनंत ओझा, मालदा रेल मंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता,डीएमई एचपी तिवारी सहित साहिबगंज नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

साहिबगंज रेलवे स्टेशन में हुआ कार्यक्रम

साहिबगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर गुरुवार को दोपहर 2 बजे मालदा रेल मंडल की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिल्ली से रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे तो वहीं साहिबगंज स्टेशन पर मौजूद राजमहल विधायक अनंत ओझा ने हरी झंडी दिखाकर अगरतला-आनंद विहार तेजस राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव व साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को रवाना किया। साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम मे राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनंत ओझा, मालदा रेल मंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता, डीएमई एचपी तिवारी के मुख्य रूप से मौजूद थे।

दुर्गा पूजा की धूम पंडालों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

रामगढ़। रामगढ़ शहर सहित जिलाभर में दुर्गा पूजा की धूम है। शहर सहित जिला के विभिन्न क्षेत्रों में दुर्गा पूजा को लेकर भव्य पंडाल बनाए गए हैं। जहां पर माता दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है। सभी पंडालों के पट खुल गए हैं। जिस कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। दुर्गा पूजा को लेकर उमड़ रही भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से व्यापक प्रबंध किये गये हैं। प्रशासन की ओर से पूजा पंडालों के आसपास पुलिस बल को तैनात किया गया है। ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नही हो।

विधायक ने सूरजकुंड धाम में सुंदरीकरण कार्य का किया शिलान्यास

बरकट्ठा। प्रखंड के सूर्यकुंडधाम पर्यटन केंद्र में स्थित सूर्यकुंड तालाब का सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया गया। शिलान्यास विधायक अमित कुमार यादव ने पूजा अर्चना व नारियल फोड़कर शिलापट्ट का अनावरण किया। सवेंदक मेसर्स देवेन्द्र पांडेय ने बताया कि सूर्यकुंड तालाब 37 लाख की लागत से सौंदर्यीकरण कार्य किया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम में जिप सदस्य प्रेणा प्रिया, भाजपा बरकट्ठा मंडल अध्यक्ष परमेश्वर साहू, समाजसेवी धीरेंद्र पांडेय, सुनील पांडेय समेत कई लोग शामिल थे।

भाजपा नेता सुरेन्द्र मोदी ने पंडालों का किया भ्रमण

थाना प्रभारी व दुर्गापूजा समितियों को अंगवस्त्र देकर बढ़ाया हौसला

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। भाजपा नेता सुरेन्द्र मोदी ने अपने समर्थकों के साथ प्रखंड क्षेत्र के सभी पूजा पंडालों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने पूजा पंडालों में मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके आगमन से लोगों में खासा उत्साह देखा गया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड क्षेत्र के बरकट्ठा, बंडासिंगा, बेलकपी, घंघरी, मासीपीढी, बरवां, गैड़ा, बेडोकला, गोरहर समेत दर्जनों पंडालों का भ्रमण किया। वहीं पंडालों में उपस्थित गोरहर थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह व दुगार्पूजा समिति सदस्यों एवं बुद्धिजीवी लोगों को अंगवस्त्र देकर हौसला अफजाई किया। उन्होंने क्षेत्र वासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्योहार में कार्यकर्ताओं से मिलकर उनका मान सम्मान बढ़ाना चाहिए ताकि उनमें नई उर्जा का संचार हो। मौके पूर्व मुखिया बसंत साव, समाजसेवी धीरेंद्र पांडेय, पुजारी नरेश पांडेय, पूजा समिति अध्यक्ष रोहित तिवारी, इन्द्रजीत प्रसाद, अरूण मोदी, दिलीप दास, उपेन्द्र यादव, सुरेश राम, शिव शंकर मोदी, चंदन कुमार, रतन भारती, उमेश मोदी, दिलीप सोनी, रमेश यादव, जगदीश ठाकुर, संतोष कुमार देव, अर्जुन साव समेत आदि लोग उपस्थित थे।

टाटा मोटर्स फाइनेंस ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। स्वास्थ्य समस्याओं के चलते उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था,जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। जहां गुरुवार को धनबाद के सरायढेला स्थित टाटा मोटर्स फाइनेंस जिला मुख्यालय में स्व. रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी गई। जहां सभी ने दो मिनट का मौन रखा गया और उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हे अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान टाटा मोटर्स फाइनेंस लिमिटेड के जोनल बिजनेस हेड राजेश सिंह, रीजनल सेल्स मैनेजर ओम प्रकाश गुप्ता,जोनल सेल्स हेड भार्गव पद्मनाभ सिंह, टेरिटरी सेल्स हेड अश्विनी कुमार,सतीश सिंह, संतोष कुमार, राकेश यादव, रौशन कुमार, माया बिश्वास, दीपक सिंह, संजीव मिश्रा, राजेश सिंह, सैकत मित्रा, रिनू परवीन, जितेन्द्र कुमार, विजय कुमार, अवध कुमार, आनंद ओझा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

ऊर्जा विभाग झारखण्ड सरकार
विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, इंजीनियरिंग हॉस्टल नं0-2, धुर्वा, रॉची।
अतिअल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट सूचना

ई–निविदाप्रसंग सं0– Energy/EWD/Ranchi/75/2024-25 दिनांक– 09/10/2024

	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाप विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
I	नवनिर्मित झारखण्ड विधानसभा धुर्वा रॉची के क्षतिग्रस्त पावर डिस्ट्रीब्यूशन केबल के बदलीकरण का कार्य।	1,71,18,117=00	10,000=00	3,45,000=00	56दिन
2.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	22.10.2024			
3.	निविदा जमा करने की तिथि	23.10.2024 के 10 .30 बजे पूर्वाह्न से 28.10.2024 के 2 .00 बजे अपराह्न तक			
4.	निविदा खोलने की तिथि	29.10.2024 को 3 .00 बजे अपराह्न में			
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	मुख्य विद्युत अभियन्ता, ऊर्जा विभाग, झारखण्ड, रॉची।			
7.	ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ट का फोन नं0/ई0 मेल	0651–2490069/ electricalexecutiveengineerewd@gmail.com			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT
Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.
निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

PR No. 338669 (Energy) 2024-25

विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल,
रॉची।

झारखण्ड सरकार
मंडल कारा, गुमला, गृह, कारा, एवं आपदा प्रबंधन विभाग
दूरभाष सं0-06524.223104 (का0)
e-mail Id. jailsuperintendent.gml@gmail.com/dj-gumla@jharkhandmail.gov.in

ई0–निविदा सूचना

	कारा का नाम	मंडल कारा, गुमला।
2.	विषय	कारा में संसीमित बंदियों के भोजनादि की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार खाद्यान्नों, हरी सब्जियों, आलू, फल, चीनी एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय/आपूर्ति के निमित्त ई0–निविदा का आमंत्रण। प्रथम त्रैमासिक निविदा (दिनांक 01.01.2025 से 31.03.2025)
3.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	?5,000.00 (पाँच हजार) मात्र।
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्ध की तिथि एवं समय।	तिथि–23.11.2024 से 30.11.2024 के अपराह्न 4:00 बजे तक।
5.	निविदा online upload करने की तिथि।	तिथि–23.11.2024 से 30.11.2024 के अपराह्न 4:00 बजे तक।
6.	आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (sample)जमा करने की तिथि।	तिथि–02.12.2024 से 03.12.2024 के अपराह्न 4:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
7.	अग्रधन राशि (EMD) (?2500/–से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि।	तिथि–02.12.2024 से 03.12.2024 के अपराह्न 4:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8.	निविदा के खुलने की तिथि/समय/स्थान।	तिथि–05.12.2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त की उपस्थिति में।

नोटः–
1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट https://jharkhandtender.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु मंडल कारा, गुमला के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

PR No. 338645 (Home) 2024-25

कारधीक्षक
मंडल कारा, गुमला।

जेएलकेएम से उषा महतो सिंदरी विस प्रत्याशी बनी

रंजीत कुमार महतो ने दिया शुभकामना

नवीन मेल संवाददाता

सिंदरी। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा व झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय संसदीय बोर्ड ने सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के उषा महतो को पार्टी के प्रत्याशी घोषित किया है। उषा महतो को पार्टी से सिंदरी विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी घोषणा करने पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो ने उषा महतो को शुभकामनाएं दी है। मौके पर रंजीत कुमार महतो ने कहा टाइगर का निर्देश सर्वोपरि है। उषा महतो बलियापुर क्षेत्र के वर्तमान जिला परिषद हैं।

बाबूलाल ने धनवार विस क्षेत्र के पूजा पंडालों का किया भ्रमण

मत्था टेक प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

नवीन मेल संवाददाता

तिसरी (गिरिडीह)। पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने महाष्टमी के दिन अपने धनवार विधानसभा क्षेत्र के कई पूजा पंडालों का भ्रमण कर माँ दुर्गा का आशीर्वाद लिया। बाबूलाल गुरुवार को अपने पैतृक आवास कोदईबांक पर थे। जहाँ से वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ तिसरी गांवा के विभिन्न पूजा पंडालों के भ्रमण पर निकले। सर्वप्रथम बाबूलाल ने चंदौरी चंदौरी स्थित पूजा पंडाल का दर्शन किया। जिसके बाद वे तिसरी के सार्वजनिक दुर्गा मंडप पहुंचे। जहाँ उन्होंने माता के समक्ष मत्था टेक पुरे प्रदेश की सुख - समृद्धि और 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत की कामना की। वहीं वे गुमगी, बरवाडीह, पपीलो, समेत कई पंडालों के भ्रमण के बाद गांवा के लिए निकल गए। गांवा में भी उन्होंने कई पूजा पंडालों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से शांतिपूर्वक पूजा मनाने की अपील की। बताते चलें कि तिसरी प्रखंड मुख्यालय स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंडप में 100 वर्षों से अधिक समय से पूजा हो रही है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य पंडाल बनवाया गया है।

संपादकीय

कश्मीर की नई सरकार को वादा निभाने की चुनौती

राजनीतिक वादे कर घाटी में नई सरकार बनने वाली है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर के लिए यह पहला विधानसभा चुनाव था। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन ने बहुमत हासिल कर 10 साल बाद फिर सरकार बनाने का जनादेश हासिल कर लिया। पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला का दोबारा मुख्यमंत्री बनना तय है। हालांकि, वह अब केंद्र शासित प्रदेश के मुखिया होंगे न कि पूर्ण राज्य के। बुधवार को संभावित सीएम उमर अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 और राज्य का दर्जा बहाल करने पर अपनी पार्टी के रुख को दोहराया। उमर ने कहा कि यह मुद्दा नेशनल कॉन्फ्रेंस के राजनीतिक एजेंडे का केंद्र बना हुआ है। जम्मू कश्मीर की सत्ता में काबिज होने जा रही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने चुनाव के दौरान तमाम ऐसे वादे किए जिन पर देशभर में चर्चा हुई। नेकां ने अपनी सरकार आने पर अनुच्छेद 370 की बहाली से मुफ्त बिजली और गैस सिलेंडर देने का का वादा किया। एनसी ने 'राजनैतिक कैदियों' की रिहाई का भी वादा किया है। विरोधियों का आरोप है कि इसकी आड़ में पत्थरबाजों को छोड़ने का आश्वासन दिया गया। हालांकि, नई सरकार के लिए हलचल बढ़ने के साथ ही अनुच्छेद 370 समेत तमाम मुद्दों पर सवाल खड़े होने लगे हैं कि क्या केंद्र शासित प्रदेश की सरकार खुद फैसले ले सकती है। इनमें केंद्र और उप-राज्यपाल का कितना हस्तक्षेप होगा।संविधान में अनुच्छेद-370 को अस्थायी और तात्कालिक प्रावधान के तौर पर शामिल किया गया था, जिसे अगस्त 2019 में निष्प्रभावी बना दिया गया। इसका विरोध करने वालों के दो बड़े तर्क थे। पहला-संविधान सभा की समाप्ति के बाद इसे खत्म नहीं किया जा सकता है और इसे खत्म करने से जम्मू-कश्मीर के भारत विलय में सवाल खड़े हो जायेंगे, लेकिन 2019 के बदलावों से साफ है कि संसद सर्वोच्च है और इसे सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मान्यता भी मिल गयी है। केन्द्र शासित प्रदेश की नई सरकार के पास अनुच्छेद-370 को पुनः बहाल करने के लिए कोई संवैधानिक अधिकार नहीं होंगे। इस बारे में नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार और विधानसभा किसी प्रस्ताव को पारित भी करें तो केन्द्र शासित प्रदेश में उपराज्यपाल के अनुमोदन के बगैर उसका कोई संवैधानिक महत्व नहीं है। अनुच्छेद-370 की स्थिति को बहाल करने के लिए राज्य विधानसभा के प्रस्ताव और एलजी के अनुमोदन के बाद संसद के दोनों सदनों में पूर्ण बहुमत से कानून में बदलाव को राष्ट्रपति की मंजूरी जरूरी है। 1954 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के आदेश से अनुच्छेद -35-ए का प्रावधान जोड़ा गया था। उसके अनुसार जम्मू-कश्मीर विधानसभा को राज्य के स्थायी निवासी की परिभाषा तय करने का अधिकार दिया गया था। उसके बाद 1956 में जम्मू-कश्मीर के संविधान में ऐसे प्रावधान किये गये जिसके अनुसार वहां के स्थायी नागरिक को ही सम्पत्ति, रोजगार और सरकारी योजनाओं के लाभ लेने का हक दिया गया। उसके अनुसार ही भारत के किसी अन्य राज्य के नागरिक जम्मू-कश्मीर में अचल संपत्ति नहीं खरीद सकते थे।

जम्मू कश्मीर की सत्ता पर काबिज होने जा रही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने चुनाव के दौरान तमाम ऐसे वादे किए, जिन पर देशभर में चर्चा हुई। नेकां ने अपनी सरकार आने पर अनुच्छेद 370 की बहाली से लेकर मुफ्त बिजली और गैस सिलेंडर देने तक का वादा किया।

भविष्य की राह : ईवी चार्जिंग के लिए दिशानिर्देश

समीर पंडिता
निदेशक बीईई

भारत का लक्ष्य 2070 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य करना है, इसलिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परिवहन क्षेत्र को कार्बन-मुक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, ईवी को व्यापक रूप से अपनाना एक विश्वसनीय और सुलभ चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करता है। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशानिर्देश 2024 जारी किए हैं। यह देश भर में चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में तेजी लाने के लिए डिजाइन किया गया एक ढांचा है। एक मजबूत ईवी चार्जिंग नेटवर्क का निर्माण न केवल सुविधा के लिए बल्कि ऊर्जा, सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा का लाभ उठाने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस विकास से नए उद्योग सृजन, रोजगार पैदा करने और नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी तकनीक और स्मार्ट ग्रिड सिस्टम में नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए दिशानिर्देश 2024 की मुख्य विशेषताएं : दिशानिर्देश 2024 शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों एवं दोपहिया वाहनों से लेकर भारी-भरकम ट्रकों तक, विभिन्न प्रकार के वाहनों की जरूरतों को पूरा करने वाले चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के तेज गति से विस्तार को सुनिश्चित करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रदान करते हैं।

दिशा-निर्देश 2024 की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं

सार्वजनिक और निजी चार्जिंग स्टेशन : दिशा-निर्देश 2024 में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित अंतराल पर सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण अनिवार्य किए गए हैं, ताकि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच सुनिश्चित किया जा सके। ईवी को प्रोत्साहित करने के लिए इसकी उपलब्धता महत्वपूर्ण है। वे आवासीय परिसरों, कार्यालयों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में निजी चार्जिंग पॉइंट को बढ़ावा देते हैं। यह व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए पहुंच को सरल बनाते हैं और शहरी और उपनगरीय निवासियों के बीच ईवी अपनाने को और बढ़ावा देते हैं। एक इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ता के रूप में, आपको दिल्ली से शिमला की यात्रा करते समय अपनी ईवी बैटरी चार्ज करने की चिंता करने की जरूरत नहीं है। आपको राजमार्ग पर प्रत्येक 20 किलोमीटर पर एक चार्जिंग प्वाइंट मिल जाएगा। शहर में आने के बाद, आप बिना किसी चिंता के अपने घर या कार्यालय में चार्ज कर सकते हैं।

पारस्परिकता (इंटरऑपरेबिलिटी) : दिशा-निर्देश 2024 की एक प्रमुख विशेषता विभिन्न चार्जिंग नेटवर्क के बीच पारस्परिकता पर जोर देना है। इसका मतलब है कि ईवी उपयोगकर्ता चार्जिंग उपकरण के निमार्ता या वाहन के प्रकार की चिंता किए बिना किसी भी चार्जिंग स्टेशन पर अपने वाहन चार्ज कर सकेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर व्यापक रूप से सुलभ और उपयोगकर्ताओं के अनुकूल हो। ईवी उपयोगकर्ताओं के लिए, पारस्परिकता संभावित रूप से कम शुल्क के साथ कई चार्जिंग नेटवर्क तक पहुंच को सक्षम करके अधिक सुविधा, लचीलापन, कम रेंज की चिंता, लागत बचत प्रदान करती है। इसलिए, अगली बार जब आप यात्रा करेंगे, तो आप हाईवे पर या शहर में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन पर अपने ईवी को चार्ज करने के लिए लंबी कतार में इंतजार करते हुए निराश नहीं होंगे। चार्जर्स की पारस्परिकता के लिए धन्यवाद, आप निकटतम चार्जिंग स्टेशन का अविलंब पता लगाने के लिए किसी भी चार्जिंग सेवा प्रदाता के मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकते हैं।

स्मार्ट चार्जिंग : दिशा-निर्देश 2024 स्मार्ट चार्जर्स के उपयोग को बढ़ावा देते हैं, जो ऊर्जा खपत को अनुकूलित करने के लिए ग्रिड प्रबंधन प्रणालियों के साथ एकीकृत होते हैं। स्मार्ट चार्जर उपयोगकर्ताओं को व्यस्त समय के अलावा (ऑफ-पीक) चार्जिंग सत्र शेड्यूल करने से बिजली की मांग कम होती है। इससे लागत कम होती है और पावर ग्रिड पर बोझ कम करता है। स्मार्ट चार्जर उपयोगकर्ताओं को ऑफ-पीक घंटों के दौरान चार्जिंग शेड्यूल करके लागत कम करने में सक्षम बनाता है। यात्रा के लिए चार्जिंग स्टेशन की उपलब्धता पर वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करते हैं। एक डिस्कॉम के रूप में, आप अपने ग्रिड को स्थिर करने में मदद करने के लिए स्मार्ट ईवी चार्जर्स को प्राथमिकता देंगे। ईवी को सिस्टम में आसानी से एकीकृत करने की अनुमति देंगे, क्योंकि अप्रबंधित चार्जिंग आपके ग्रिड को ओवरलोड कर आपके परिचालन व्यय को बढ़ा सकती है तथा ग्रिड की विश्वसनीयता एवं स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

सुरक्षा और विश्वसनीयता मानक : दिशा-निर्देश 2024 में चार्जिंग स्टेशनों के लिए कड़े सुरक्षा मानकों को अनिवार्य किया गया है, जिसमें अग्नि सुरक्षा, विद्युत खतरे से सुरक्षा और स्पष्ट संकेत शामिल हैं, जो सार्वजनिक स्टेशनों के लिए उपयोगकर्ता की चिंताओं को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, उन्हें अनुपलब्ध चार्जिंग पॉइंट के कारण ड्राइवरों को फंसे रहने से बचाने के लिए राजमार्ग स्टेशनों पर निर्बाध सेवा की आवश्यकता होती है। इसलिए, एक ईवी उपयोगकर्ता के रूप में, सुरक्षित, उच्च-गुणवत्ता वाले और विश्वसनीय चार्जर होने का मतलब है कि आपको बिजली के झटके, आग या किसी खराबी जैसे संभावित खतरों के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। इससे आपको मन की शांति मिलती है और आपका वाहन सुरक्षित रूप से चार्ज होता है। साथ ही, विश्वसनीय चार्जर के साथ, आप दोषपूर्ण उपकरणों के कारण आप रास्ते में फंसेंगे नहीं और इससे आपकी यात्रा आसान और तनाव मुक्त रहेगी।

निजी निवेश को प्रोत्साहन एवं बढ़ावा : सरकार ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा देने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए भूमि की उपलब्धता बढ़ाने हेतु अभिनव व्यवसाय मॉडल को प्रोत्साहित करने के लिए कई तरह के वित्तीय प्रोत्साहन दे रही है। इन उपायों का उद्देश्य ईवी चार्जिंग पर लागत कम करना और विशेष रूप से ग्रामीण और कम सेवा वाले क्षेत्रों में इसकी स्थापना को सरल बनाना है। इस संबंध में जारी दिशा-निर्देश सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) को चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में तेजी लाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। निजी क्षेत्र के संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, स्थानीय सरकारें ईवी चार्जिंग नेटवर्क का अधिक कुशलता से विस्तार कर सकती हैं। चार्जिंग व्यवसाय में निवेश करने को उत्सुक एक चार्ज पॉइंट ऑपरेटर के रूप में आपको पता चलता है कि चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने से जुड़ी सबसे बड़ी लागत भूमि है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग, सस्ती भूमि तक पहुंच और प्रचार आपूर्ति शुल्क की उपलब्धता के साथ, आप अपने शुरूआती निवेश और परिचालन व्यय को काफी कम कर सकते हैं। रणनीतिक स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करके, आप ईवी चलाने वालों को बेहतर सेवा दे सकते हैं और अधिक मजबूत चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में योगदान दे सकते हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।

अक्षय ऊर्जा : ईवी के संबंध में दिशा-निर्देश सौर और पवन जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों के साथ चार्जिंग स्टेशनों को जोड़ने को बढ़ावा देते हैं। यह सुनिश्चित करते हैं कि ईवी स्वच्छ ऊर्जा से संचालित हों और उनके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करें। आप अपने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने और अपनी चार्जिंग लागत को कम करने के लिए अपनी ईवी बैटरी को अक्षय ऊर्जा से चार्ज करना पसंद करेंगे।

ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशा-निर्देश 2024 भारत के एक स्थायी ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आपकी बात

देवी में निहित श्रद्धा

डॉ. रीना रवि मालपानी
कवयित्री एवं लेखिका

शक्ति आराधना पर्व शारदीय नवरात्रि समापन की ओर है। हमने नौ दिवस माता के प्रत्येक रूप की महिमा एवं स्वरूप का गुणगान किया है। नौ दिन माँ ही हमारे लिए सर्वस्व रही है। प्रत्येक कन्या आदिशक्ति दुर्गाजी का प्रतिरूप है, जिसमें सृजन की शक्ति है जो सदैव परिवार के लालन-पालन, भरण-पोषण के लिए समर्पित रही है। जगतमाता जगदंबा ने प्रत्येक प्राणी को अपनी ममता की छाव प्रदान की है। सभी को संतति मानकर स्नेह और प्रेम से सींचा है। कन्या पूजन के समय हम कन्याओं को देवी का प्रत्यक्ष स्वरूप मानकर पूजते है, पर उस शक्ति स्वरूपिणी देवी की उत्कंठा, प्रताड़ना, भय, संत्रास, घुटन एवं पीड़ा हमें वर्ष भर दर्शनीय नहीं होती। भ्रूण हत्या के समय हम उस मातृ शक्ति को स्मरण रखना भूल जाते है। बलात्कार के समय हम उस देवी के आशीर्वाद, उसकी प्रार्थना, ध्यान, अर्चना एवं उसकी सृजन शक्ति सभी को नगण्य मानते है। नारी की विशालता का वर्णन तो असंभव है। प्रत्येक स्वरूप में नारी ने उत्कृष्टता, समर्पण, श्रृद्धा, निष्ठा, त्याग एवं प्रेम को प्रदर्शित किया है। जब सीता बनी तो अपनी पवित्रता के लिए अग्निपरीक्षा दे दी। सावित्री बनी तो अपने पति के प्राणों के लिए निडर होकर यमराज के समक्ष प्रस्तुत हुई। राधा बनी तो प्रेम की उत्कृष्टता को दर्शायी। सती बनी तो पति सम्मान में देह त्याग दी। मीरा बनी तो सहर्ष विष का प्याला ग्रहण किया। लक्ष्मी बनी तो नारायण के चरण दबाकर सेवा का महत्व समझाया। उर्मिला बनी तब वियोग की पीड़ा को सहन किया। शबरी बनकर प्रभु के प्रति अगाध श्रृद्धा एवं भक्ति भाव को दर्शायी। भगवान शिव माता गंगा को शीश पर धारण करते है। वे नारी के प्रति सम्मान को बताते है। सीता स्वयंवर में नारी की स्वेच्छा को कितना महत्वपूर्ण बताया गया है। आज पुनः महिषासुर रूपी राक्षस का आतंक, क्रूरता एवं भय दृष्टिगोचर हो रहा है। माता की पूजा शक्ति आराधना पर्व में तो हमने पूर्ण पवित्रता रखी है, परंतु हमारे विचार कलुषित हो गए है। वात्सल्य रूपी माँ भगवती को आज दैत्य शुंभ-निशुंभ एवं रक्तबीज का वध करना होगा। आज का मानव पुनः दानव में परिवर्तित होता नजर आ रहा है, जो स्त्री की गरिमा, निष्ठा एवं सम्मान का हनन कर रहा है, जिसके कारण दुर्गा रूपी कन्या का हृदय दहल गया है, जिससे शक्ति की आराधना करने वाले समाज में नारी स्वयं को असुरक्षित अनुभव करती है। माँ के स्वरूप में आदि-अनंत, सृजन-विनाश, क्रूर-करुणा एवं काल सब कुछ व्याप्त है, तो माँ के इस स्वरूप के दर्शन हमें सदैव प्रत्येक नारी में करने चाहिए और कन्या के प्रति अपने विचारों को दिव्यता प्रदान करनी चाहिए। माता को ज्योति अत्यंत प्रिय है, हमें भी माँ से ज्ञान की ज्योति का आह्वान करना है जिससे नारी सुरक्षित हो। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

अलग बात

क्यों नहीं थम रहे पाक में चीनी नागरिकों पर हमले

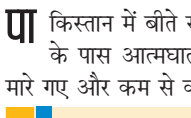

डॉ. आर.के. सिन्हा

पाकिस्तान में बीते रविवार को कराची हवाई अड्डे के पास आत्मघाती हमले में दो चीनी नागरिक मारे गए और कम से कम 10 लोग बुरी तरह घायल हुए हैं। विस्फोट सिंध प्रांत में बिजली परियोजना पर काम कर रहे चीनी इंजीनियरों के काफिले पर निशाना साध कर हुआ था। पृथकतावादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), जिसने हाल के वर्षों में पाकिस्तान में विकास परियोजनाओं में शामिल चीनी नागरिकों पर बार-बार हमले किए हैं, ने सार्वजनिक घोषणा करके कहा है कि उसके संगठन ने ही हमला किया है। इसने कहा कि उसने कराची हवाई अड्डे से आ रहे ₹चीनी इंजीनियरों और निवेशकों के एक काफिले₹ को ₹निशाना बनाया₹। यह हमला उस वक्त हुआ है जब पाकिस्तान शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। इसमें भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भी भाग लेना है। यह भी याद रखा जाए कि चीनियों पर हमला उस वक्त हुआ है जब वहां इंग्लैंड की क्रिकेट टीम टेस्ट मैच खेल रही है। जाहिर है, आतंकी हमले के कारण पाकिस्तान का यह दावा तार-तार हो गया है कि वहां हालात सामान्य हैं। दरअसल पाकिस्तान में चीन के सहयोग से बन रही बहुत सारी विद्युत और अन्य विकास परियोजनाओं में काम करने वाले चीनी इंजीनियरों पर लगातार हो रहे हमले थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। कुछ महीने पहले पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक जलविद्युत परियोजना पर आत्मघाती हमला हुआ था, जिसमें पांच चीनी नागरिकों की मौत हो गई। इसके बाद चीनी कंपनियों ने कम से कम तीन महत्वपूर्ण जलविद्युत परियोजनाओं पर अपना काम रोक दिया है। ये परियोजनाए हैं- दासू बांध, डायमर-बाशा बांध और तारबेला पांचवां एक्सटेंशन। चीनियों पर हमले सिर्फ खैबर पख्तूनख्वा में ही नहीं हो रहे हैं। चीनियों पर हमले बलूचिस्तान और सिंध में भी हो रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सटे हुए अफगानिस्तान से। पाकिस्तान के मीडिया में छपी खबरों पर यकीन करें तो इस साल के पहले तीन महीनों में देश के दो प्रमुख राज्यों क्रमशः खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में बीते साल की इसी अवधि की तुलना में आतंकी और हिंसक वारदातों में 92 और 86 फीसद बढ़ोतरी हुई है। कराची में धमाके पर चीनी दूतावास ने कहा कि उनके इंजीनियर चीनी-वित्तपोषित उद्यम पोर्ट कासिम पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड का हिस्सा थे, जिसका लक्ष्य कराची के पास पोर्ट कासिम में दो कोयला ऊर्जा संयंत्र बनाना थे। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

बोधि वृक्ष

अपने भीतर से सर्वश्रेष्ठ को व्यक्त करना

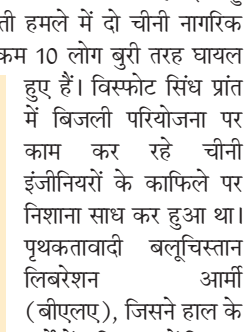

श्री श्री परमहंस योगानंद

यदि आप केवल अपनी आत्मा पर एकाग्र हैं, जो आपके अन्दर ईश्वर का पूर्ण प्रतिबिम्ब है, तो आप अपनी सभी इच्छाएँ सन्तुष्ट होती हुई पाएँगे! आन्तरिक आनन्द के अभाव में, मनुष्य बुराई की ओर मुड़ते हैं। परमानन्द स्वरूप ईश्वर पर ध्यान करने से हमारे भीतर अच्छाई व्याप्त हो जाती है। अहंकार, आत्मा की ईश्वर के लिए निरन्तर, अतृप्त लालसा को भौतिक माध्यमों से सन्तुष्ट करने का प्रयास करता है। इसके लक्ष्य की प्राप्ति तो एक ओर रही, यह तो मनुष्य के दुःखों को और बढ़ा देता है। आत्मा की भूख को कभी भी इन्द्रियों में लिप्त होकर तृप्त नहीं किया जा सकता। जब मनुष्य इसका अनुभव करता है, और अपने अहम् को वश में कर लेता है, अर्थात जब वह आत्म- नियन्त्रण प्राप्त कर लेता है, तो दिव्य आनन्द के बोध से उसका जीवन भौतिक शरीर में रहते हुए ही, गौरवान्वित हो जाता है। तब भौतिक इच्छाओं एवं भूख का दास बना रहने की अपेक्षा, मनुष्य का ध्यान सर्वव्यापकता के हृदय में स्थानान्तरित हो जाता है, जहाँ पर वह प्रत्येक वस्तु में छिपे आनन्द के साथ सदा के लिए विश्राम करता है। पुराने किए गए सभी गलत कर्मों का चिन्तन करना छोड़ दें। वे अब आपके नहीं हैं। उन्हें भुला दें। यह चिन्तन ही है जो आदत और स्मृति बनाता है। आप जैसे ही ग्रामोफोन के रिकॉर्ड पर सूई रखते हैं, वह बजना शुरू हो जाता है।

ईश्वर स्वरूप पर ध्यान करने से हमारे भीतर अच्छाई व्याप्त हो जाती है। अहंकार, आत्मा की ईश्वर के लिए निरंतर अतृप्त लालसा को भौतिक माध्यमों से संतुष्ट करने का प्रयास करता है। इसके लक्ष्य की प्राप्ति तो एक ओर रही, यह तो मनुष्य के दुःखों को और बढ़ा देता है।

फेसबुक वॉल से

X से

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप 82925 53444।

-संपादक

आज का दोहा

अनहोनी सी बात है, शंका उठीं हजार।
न्यौता देने आ रही, चील स्वयं इस बार।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

देश की बात

कालजयी जननायक जेपी, सत्ता ने जिनकी उपेक्षा की

सुनील बादल

भारत रत्न जयप्रकाश नारायण सच्चे देशभक्त थे और राष्ट्रपति तक का पद ठुकरा चुके थे। उनके आह्वान पर कितने लोगों ने अपना करियर दांव पर लगाकर आंदोलन किया था। ईमानदारी और सादगी तो उनकी पहचान थी ही उनकी ओजस्वी वाणी के जादुई प्रभाव से संपूर्ण क्रांति के कई पात्र आज भी चर्चित हैं। देश में आजादी की लड़ाई से लेकर वर्ष 1977 तक तमाम आंदोलनों की मशाल थामने वाले जेपी यानी जयप्रकाश नारायण का नाम देश के ऐसे व्यक्ति के रूप में उभरता है जिन्होंने अपने विचारों, दर्शन तथा व्यक्तित्व से देश की दिशा तय की थी। उनका नाम लेते ही एक साथ उनके बारे में लोगों के मन में कई छवियां उभरती हैं। लोकनायक के शब्द को असलियत में चरितार्थ करने वाले जयप्रकाश नारायण अत्यंत समर्पित जननायक और मानवतावादी चिंतक तो थे ही इसके साथ-साथ उनकी छवि अत्यंत शालीन और मर्यादित सार्वजनिक जीवन जीने वाले व्यक्ति की भी है।भारत के स्वतंत्र होने के बाद 19 अप्रैल 1954 में गया, बिहार में उन्होंने विनोबा भावे के सर्वोदय आंदोलन के लिए जीवन समर्पित करने की घोषणा की और 1957 में उन्होंने लोकनीति के पक्ष मे राजनीति छोड़ने का फैसला किया। लेकिन 1960 के दशक के अंतिम भाग में वह राजनीति में फिर से सक्रिय हो गए। बाद के दिनों में भारतीय राजनीतिक में फिर से उनकी दमदार वापसी हुई और संपूर्ण क्रांति के नारे के साथ वह पूरे राजनीतिक पटल पर छा गए। 5 जून 1975 की विशाल सभा में जेपी ने पहली बार 'सम्पूर्ण क्रांति' के दो शब्दों का उच्चारण किया था। यह क्रांति उन्होंने बिहार और भारत में फैले भ्रष्टाचार की वजह से शुरू की।लेकिन बिहार में लगी चिंगारी कब पूरे भारत में फैल गई पता ही नहीं चला। बिहार से उठी सम्पूर्ण क्रांति की चिंगारी देश के कोने-कोने में आग बनकर भड़क उठी। इस दिन अपने ऐतिहासिक भाषण में जयप्रकाश ने कहा था कि 'भ्रष्टाचार मिटाना, बेरोजगारी दूर करना, शिक्षा में क्रांति लाना आदि ऐसी चीजें हैं जो आज की व्यवस्था से पूरी नहीं हो सकतीं। क्योंकि वह इस व्यवस्था की ही उपज हैं। वह तभी पूरी हो सकती हैं जब सम्पूर्ण व्यवस्था बदल दी जाए और सम्पूर्ण व्यवस्था के परिवर्तन के लिए क्रांति यानी सम्पूर्ण क्रांति आवश्यक है। 'उस समय इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं। जयप्रकाश जी की निगाह में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार भ्रष्ट व अलोकतांत्रिक होती जा रही थी। 1975 में निचली अदालत में इंदिरा गांधी पर चुनावों में भ्रष्टाचार का आरोप साबित हो गया और जयप्रकाश ने उनके इस्तीफे की मांग की। उनका कहना था कि इंदिरा सरकार को गिरना ही होगा। तब इंदिरा गांधी ने राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी और जेपी तथा अन्य विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। तब दिल्ली के रामलीला मैदान में एक लाख से अधिक लोगों ने जय प्रकाश नारायण की गिरफ्तारी के खिलाफ हुंकार भरी थी। उस समय आकाश में सिर्फ उनकी ही आवाज सुनाई देती थी। उसी वक्त राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' ने कहा था 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। 'जनवरी 1977 को आपातकाल हटा लिया गया और लोकनायक के 'संपूर्ण क्रांति आदोलन' के चलते देश में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी। इस क्रांति का प्रभाव न केवल देश में, बल्कि दुनिया के तमाम छोटे देशों पर भी पड़ा था। वर्ष 1977 में हुआ चुनाव ऐसा था जिसमें नेता पीछे थे और जनता आगे थी। यह जेपी के ही करिश्माई नेतृत्व का असर था। 8 अक्टूबर 1979 को जेपी ने पटना में अंतिम सांस ली। मरणोपरांत 1998 को भारत सरकार ने जेपी को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से भी सम्मानित किया।सत्ता को सचेत कर जनता की बुलंद आवाज ईमानदारी से उठाने वालों में जेपी अग्रणी हैं जिन्हें देश से कुछ कुछ चाहिए नहीं था सिर्फ मातृभूमि का कर्ज अदा करना चाहते थे और आम आदमी के दुःख दर्द को स्वर देना चाहते थे। लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस पर उनकी उपेक्षा के आरोप लगते रहे हैं जबकि उनका कद गांधी जी से कम नहीं था। उनके नाम पर बहुत कम संस्थान या स्मारक हैं पर आज भी सच्चाई और जनता की लड़ाई के वे प्रेरणा स्रोत है जिस कारण उनका नाम लोग सच्ची श्रद्धा से लेते हैं।

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: **BIHHIN/1999/155**, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : **news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

भाजपा नेता विद्या ने जनसंपर्क किया हेमंत और स्थानीय विधायक को कोसा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। भारतीय जनता पार्टी के नेता विद्या बड़ाईक ने कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र में जनसम्पर्क किया। ठेठईटांगर मंडल के गुड़गुड़ टोली के ग्रामीणों से भेंट कर भाजपा को समर्थन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्थानीय भाषा मे बताया कि हेमन्त सोरेन कर गठबंधन सरकार और हिंया कर काँग्रेस विधायक मन जनता कर बारे में तनिक नहीं सोंचथैं. वोट लेक लागीन मइँया सम्मान कर नाम से 1000 दे थैं। रउरे मन बताऊ चुनाव कर दुई महीना पहले ई हेमन्त सरकार पैसा देक का ले शुरू करलख। अगर इसने बात रहे तो चुनाव जीतलक सेहे खन से 1000 देतक। हेमन्त सोरेन कर जे सरकार आहे सेगो खाली वोट लेक लागींन महिला मन के 1000 आईज-काइल देक शुरू कईर हे। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी कर सरकार बनी तो 500 में गैस सिलेंडर और 2100 रुपया हर महीना महिला मन के मिली। सरकारी विभाग में जे खाली पद आहे, उकर ले 2 लाख 87 हजार नोकरी मिली। झारखंडी मनके पक्का घर, मुफ्त बालू कर साथ में पियेक कर पानी भी नल से मिली। ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन पढ़ेक वाला युवामन के 2000 प्रति महीना प्रोत्साहन राशि मिली।उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी के द्वारा चुनाव से पहले जनता के लिए पँचप्रण के वादें किये गए है। जिससे लाभान्वित करने के लिए पार्टी के कार्यकर्ता जनता की सेवा के लिए सघनता से लगे है। लेकिन हेमन्त सोरेन की सरकार जनता की सेवा करने से रोक रही है। हम अपने वादे को धरातल में उतारने की कवायद कर रहें है, वंही दूसरी ओर हेमन्त सोरेन की सरकार 1000 के बदले वोट मांगने का काम मइँया सम्मान यात्रा से कर रही है। ऐसी कोन सी विडंबना आ गई है कि हेमन्त सरकार में कोई भी प्रतियोगिता परीक्षा होती है और पेपर लीक हो जाता है। हेमन्त सोरेन की सरकार केवल कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए पेपर लीक करवाते है, जिस कारण बाकी हमारे झारखंडी युवाओं को दर-दर की ठोकरे खानी पड़ रही है। पेपर लीक पर भी हेमन्त सोरेन कुछ नहीं बोलते है। उनको जनता से कुछ नहीं लेना-देना है वो सिर्फ वोट बैंक के लिए चाल चलते है। जिसमे हमारी भोली-भाली जनता को पाँच साल तक विभिन्न माध्यमों से झेलना पड़ता है। सिमडेगा जिला में काँग्रेस के विधायको ने सिर्फ जनता को बरगलानी की राजनीति की है। उनके पांच साल के कार्यकाल में विकास के नाम पर बस जुमले बाजी की गई है। इस बार हेमन्त सोरेन की गठबंधन सरकार तथा कोलेबिरा व सिमडेगा विधानसभा से कांग्रेस पार्टी को बाहर का रास्ता दिखाना है। भाजपा को प्रचंड बहुमत से जीत दिलाना है।

कुरडेग पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

हुड़दंगियों पर रहेगी पैनी नजर : थाना प्रभारी

नवीन मेल संवाददाता

कुरडेग। कुरडेग थाना प्रभारी के नेतृत्व में कुरडेग थाना के सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मियों ने दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर फ्लैग मार्च निकाला । फ्लैग मार्च थाना परिषर से चलकर बस स्टैण्ड , झिरकामुण्डा बस्ती , कदमटोली , प्रकाला , घाघमुण्डा जाकर वापस थाना लौट गई । वहीं इस फ्लैग मार्च के संबन्ध में थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि दुर्गा पूजा के समय कुछ मनचले लोग भीड़ भाड़ का फायदा उठाकर छेड़खानी करने , चोरी करने , शराब पीकर ट्रिपल लोडिंग स्पीड में बाइक चलाने , शराब पीकर चौक चौराहे पर हो हल्ला करने का काम करते हैं ऐसे लोगों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी संबंधित मामले में संलिप्त पाए जाने पर विधि सम्मत कड़ी कानूनी कारवाइ की जाएगी । वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्गा पुजा त्योहार को लेकर पुलिस सजग है किसी भी अप्रिय घटना होने पर थाना को सुचना दें जिसपर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई किया जाएगा साथ ही उन्होने फ्लैग मार्च के दौरान दुर्गा पूजा के मौके पर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने , अफवाहों से बचने और संदिग्धो के बारें में सुचना देने की अपील की। फ्लैग मार्च में एसआइ धनंजय कुमार , एसआइ सुधीर कुमार , एएसआइ शंकर सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे ।

न्यूज बॉक्स

संदेश एक्का ने पूजा पंडालों का भ्रमण कर क्षेत्र वासियों के सुख एवं समृद्धि कामना की

लचरागढ़/कोलेबिरा। झारखंड पार्टी के युवा जिलाध्यक्ष सह कोलेबिरा विधानसभा प्रत्याशी झारखंड पार्टी संदेश एक्का ने लचरागढ़ स्थित शक्ति संघ दुर्गा पूजा समिति, देवीगुड़ी मंडप और नवयुवक संघ दुर्गा पूजा पंडालों का भ्रमण किया एवं दर्शन कर नवरात्रि के पावन अवसर पर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया साथ ही क्षेत्र की जनता के स्वास्थ और समृद्धि के लिए माता रानी से प्रार्थना किए और पुजा समिति सदस्यों एवं पुजारी से भी मुलाकात किए।मौके पर झारखंड पार्टी के पदाधिकारी गण,और पूजा पंडाल समिति के सदस्य गण उपस्थित रहे।

जलडेगा में सड़क सुरक्षा कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं हाईवा-डंपर चालक

जलडेगा। जलडेगा के सड़कों पर दिन हो या रात तेज रफ्तार बड़ी-बड़ी हाईवा और डम्फर लगातार दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रही है। फिर भी प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं किया जा रहा है। इतना ही नहीं निर्माण कार्य के लिए जिन हाईवा/डम्फर में धड़ल्ले से गिट्टी, पत्थर आदि ढोया जा रहा है उसे तिरपाल से ढका तक नहीं जाता है। जिम्मेदारों की सुस्ती की वजह से गिट्टी, पत्थर आदि का परिवहन कर रहे वाहन लोगों के लिए समस्या बनते जा रहा है। जलडेगा थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाले ये सभी वाहन सड़क सुरक्षा कानून को ताक पर रख कर सड़कों पर काफी तेज रफ्तार से बेखौफ चल रहे हैं। गिट्टी व धूल सड़क पर गिरने के कारण राहगीरों के आंखो में घुस रहे हैं। उड़ती धूल से कई तरह की बीमारियां होने का खतरा बढ़ता जा रहा है। पर ऐसे वाहन आदेशो को बेखौफ ठेंगा दिखा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जलडेगा का रोड पतला है और न कहीं पर ब्रेकर बनाया गया है। सड़क की चौड़ाई इतनी है कि बस हाईवा और डम्फर ही चल सकते हैं। कई बार छोटे वाहन इन बड़े गाड़ियों के साथ दुर्घटना होने से बचे हैं। ऐसे में सड़कों पर ब्रेकर नहीं रहने के कारण ओवरटेक करने के लिए चालकों के द्वारा काफी तेज रफ्तार से ट्रक चलाया जाता है।

भाजपा सरकार बनते ही क्षेत्र का होगा सर्वांगीण विकास : श्रद्धानंद

केरसई। केरसई टोंगरी टोली में पिछले 2 महीनों से ट्रांसफार्मर खराब थी ग्रामीणों द्वारा लगातार बिजली विभाग से गुहार लगाने के बावजूद 2 महीने से ग्रामीण अंधेरे में थे। भाजपा नेता रवि गुप्ता को ग्रामीणों ने सूचना दी। तत्पश्चात भाजपा पूर्व प्रत्याशी श्रद्धानन्द बेसरा के पहल पर गुरुवार को केरसई टोंगरी टोली में 25केवीए का ट्रांसफार्मर से विद्युत सप्लाई किया गया। जिससे ग्रामीणों ने भाजपा नेताओं का आभार जताते हुए धन्यवाद कहा एवं खुशी जताई।मौके पर श्रद्धानन्द बेसरा ने कहा कि गत विधानसभा चुनाव हारने के बाद भी मैंने कभी भी क्षेत्र नहीं छोड़ा लगातार लोगों की जान समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखकर उसका निराकरण का प्रयास किया।आने वाले दिनों में झारखंड में भाजपा की सरकार एवं सिमडेगा में भाजपा विधायक बनते ही क्षेत्र का सर्वांगीण विकास प्राथमिकता रहेगी। पूर्व में जब रघुवर दास के नेतृत्व में भाजपा सरकार थी क्षेत्र में 24 घंटे में ट्रांसफार्मर उपलब्ध हो जाते थे।पर वर्तमान के गठबंधन सरकार में 6-6 महीने हम एक-एक साल से लोग अंधेरे में रहने को विवश हैं।

कीटनाशक पीने से महिला की मौत

बानो। बानो थाना क्षेत्र के ग्राम लमगढ में कीटनाशक दवा पीने से महिला की मौत हो गयी। घटना के संबंध मे मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को नवाखानी का कार्यक्रम किया गया था। कार्यक्रम के बाद सभी लोग भोजन करने के बाद अपने अपने काम मे लग गये। इसी बीच बुधावर शाम को बुधनी देवी उम्र लगभग 60 वर्ष खेत में छिकडने वाला कीटनाशक दवा पी ली जिससे उसका तबीयत बिगडने लगी। घटना की जानकारी होने पर परिजन उसे बानो अस्पताल ले जा रहे थे। लेकिन रास्ते मे ही उसकी मौत हो गयी। घटना की जानकारी होने पर बानो पुलिस ने शव को कब्जे मे करते हुए अंत्यपरीक्षण हेतु सिमडेगा भेज दिया। इस संबध में बानो थाना मे मामला दर्ज किया गया है।

त्योहार को लेकर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने विभिन्न होटलों में की छापेमारी

सिमडेगा। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अपूर्वा मिंज के द्वारा सिमडेगा जिला मुख्यालय अन्तर्गत विभिन्न होटलो / रेस्टोरेंटो / स्ट्रीट वेडरों के खाद्य प्रतिष्ठानों में औचक निरीक्षण / छापामारी किया गया। निरीक्षण के क्रम में सभी खाद्य प्रतिष्ठानों में फ्राइंग ऑयल मशीन से खाद्य तेलों की गुणवत्ता का टीपीएम मापा गया। खराब पाये गये तेलों को मौके पर नष्ट करा दिया गया एवं सड़क किनारे अधिष्ठापित ठेलों एवं खोमचों के संचालकों को निदेश दिया गया कि 5 घंटे के अन्दर अपने-अपने ठेलों को पारदर्शी पर्दे से ढक कर खाद्य सामग्रियों का उपभोग आमलोगों को कराये। यदि निरीक्षण के क्रम में बिना पारदर्शी पर्दा लगाये खाद्य पदार्थों की बिक्री करते पकड़े जाते है तो उक्त के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के द्वारा तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 के तहत दुर्गा पंडालों में तम्बाकू निषेधाज्ञा लागु करने को लेकर समिति के सदस्यों को तम्बाकू निषेधाज्ञा का साईनेज बोर्ड प्रदान किया गया।

भाजपा विधायक कोचे मुंडा की पहल पर पांगुर में बनेगा तीन करोड़ का पुल

बानो। तोरपा विधायक कोचे मुंडा गुरुवार को बानो प्रखंड के तीन योजनाओं का शिलान्यास किया व एक योजना का उद्घाटन किया ।उन्होंने बानो बस स्टैंड का उद्घाटन तथा पांगुर में 3 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली पुल का,पबुड़ा से चाटूओडा तक तथा एकोदा से हाटिंगहोडे तक बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया।वहीं पांगुर में बनने वाली पुल का शिलान्यास भी किया गया। मालूम हो कि इसी वर्ष इस नाला में बरसात के दिनों में पानी बढ़ जाने के कारण एक गर्भवती महिला को नदी पार नही पार कर पाने के कारण मौत हो गई थी।तब ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों ने पुल की मांग की थी ।इसी को ध्यान में रख कर विधायक कोचे मुंडा के पहल पर योजना गाँव पहुंची ।शिलान्यास के पश्चात पांगुर स्कूल मैदान में एक सभा का आयोजन किया गया।

आदिवासियों के विरुद्ध षड्यंत्र करने वाले को जनता नहीं करेगी माफ : नमन विक्सल कोंगाड़ी

कोलेबिरा। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जलडेगा प्रखंड के कोलोमडेगा में ग्रामवासियों के द्वारा एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आज के राजनैतिक और सामाजिक दृष्टिकोण पर विशेष चर्चा की गई।इस विशेष बैठक में कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी को मुख्य वक्ता सह मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।सर्वप्रथम विधायक एवं अतिथियों का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया गया।झापा एनोस एक्का परिवार पार्टी के कार्यकर्ता झापा को छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए।तत्पश्चात झापा एनोस एक्का पार्टी के आदिवासी एवं ईसाई विरोधी गलत नीति और गलत कामों के कारण झापा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एनोस एक्का के झापा पार्टी को छोड़ कर कांग्रेस पार्टी के जलडेगा प्रखंड अध्यक्ष सुशील जड़िया के सहमति एवं विधायक के उपस्थिति में तीनों मंडल और पंचायत अध्यक्ष अमर तोपनो,अनिल डांग और सुनील सूरीन की अगुवाई में कांग्रेस पार्टी में जॉइन किया।

जिला मुख्यालय में पूजा पंडालों के पट खुले, विराजीं मां अंबे, गूंजे जयकारे

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिला मुख्यालय सहित सभी प्रखंडों में गुरुवार को नवपत्रिका प्रवेश के साथ मां जगत जननी के भव्य पंडालों के पट खुल गए। पूजा-अर्चना एवं भक्तों के जयकारे से वातावरण भक्तिमय हो उठा है। शहर के आठों पूजा पंडालों में आचार्यों ने मंत्रोच्चारण के साथ अनुष्ठान संपन्न कराया। साथ में मां लक्ष्मी, मां सरस्वती के साथ गजानन व कार्तिकेय जी महाराज की भी प्रतिमा स्थापित कर धूमधाम से पूजा की जा रही है। धूप, अगरबत्ती की खुश्बू से पूरा पंडाल में सुगंध व दिव्यता का अहसास दिला रहा है। वहीं आसन पर विराजित मां दुर्गे की ममतामयी मूर्ति शोभायमान है, तो दूसरी ओर भक्ति भजन से पूरा शहर गुंजायमान हो रहा है। आरती-पूजन में शंख-घंटी की ध्वनि भी भक्तों को उत्साहित कर रही है।इधर सभी पंडालों में विद्युत की आकर्षक साज-सज्जा की गई है, रात्रि में पूरा पंडाल रोशनी से जगमग हो रहा है।

पूजा पंडाल में विद्युत सज्जा बना आकर्षण का केंद्र

जिला मुख्यालय सहित शहरी के आठ पूजा पंडालों के पट भी श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु खुल चुके हैं।सभी पूजा पंडाल में एक से बढ़कर एक साज सज्जा की गई है।वहीं शहरी क्षेत्र के नगर भवन में ॐकार दुर्गा पूजा समिति के द्वारा बनाए गए पूजा पंडाल में विद्युत की विशेष साज सज्जा लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।श्रद्धालुओं के द्वारा मां के दर्शन के पश्चात पूजा पंडाल के समक्ष सेल्फी एवं फोटो लेने की होड़ से मची हुई है।वहीं पूजा समिति के अध्यक्ष सोनी वर्मा ने बताया कि यह वर्ष पूजा समिति की 50वीं वर्षगांठ है।जिसको लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित की गई है।आज सन्ध्या में नवमी के अवसर पर महिलाओं के द्वारा डांडिया का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।वहीं काल दशमी के अवसर पर बाहर से आए कलाकारों के द्वारा भक्ति जागरण का आयोजन किया गया है।जिसमें उन्होंने सभी भक्तों से शामिल होने का आग्रह किया है।

पूजा पंडालों में साफ-सफाई को लेकर विशेष प्रबंध

पूजा पंडालों में महिला व पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतार बनाए गए हैं। वहीं स्वच्छता के लिए भी उत्तम प्रबंध किए गए हैं। वहीं पंडाल परिसर में धूम्रपान को निषेध किया गया है। वहीं सुरक्षा के लिए पदाधिकारी एवं जवानों को भी तैनात किया गया है।इधर पट खुलते ही माता के दर्शन के लिए भक्त सभी पूजा पंडालों में पहुंचने लगे हैं।

एसडीओ, सीओ ने पंडालों का किया निरीक्षण

इधर एसडीओ आलोक लकड़ा,सदर सीओ इम्तियाज अहमद एवं नगर परिषद के प्रशासक के द्वारा शहरी क्षेत्र के सभी पूजा पंडालों में निरीक्षण कर विधि व्यवस्था की जानकारी दी गई।उनके द्वारा सभी पूजा पंडाल के अध्यक्ष एवं सचिव को विशेष दिशा निर्देश दिए।इस दौरान पूजा समिति के सदस्यों ने उनका स्वागत चुनरी ओढ़ाकर किया।

सप्तमी के मौके पर भव्य कलश यात्रा तामड़ा में खुला पूजा पंडाल का पट

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा सदर प्रखंड अंतर्गत तामड़ा पंचायत में शारदीय नवरात्र के मौके पर गुरुवार की सुबह नव पत्रिका प्रवेश के मौके पर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सबसे पहले पंडाल से विधिवत शिव मंदिर स्थित तालाब से जल संकल्प कराया गया।इस मौके पर आचार्य विश्वनाथ मिश्र के द्वारा सभी प्रकार के अनुष्ठान संपन्न कराया गया।वहीं यजमान के रूप में जितेंद्र पुरी ने अपनी भूमिका निभाई। कलश यात्रा जय माता दी के जय घोष के साथ पूरे गांव का भ्रमण करते हुए मंदिर पहुंची। जहां पर विधि विधान के साथ मां नव दुर्गा का 9 कलश स्थापना करते हुए पंडाल का पट खोल दिया गया।जानकारी देते हुए अध्यक्ष संजय केसरी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी यहां पर प्रतिमा स्थापित करते हुए मां दुर्गा की पूजा की जा रही है। साथ ही बताया गया की शुक्रवार को महिलाओं का सामूहिक डांडिया नृत्य का आयोजन तथा शनिवार को विजयदशमी के मौके पर भजन कीर्तन एवं रविवार को मूर्ति विसर्जन शोभायात्रा के साथ विसर्जन किया जाएगा।इधर आयोजन को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति के संरक्षक अशोक केसरी,विजय केसरी ,सुन्दर साव,सुबास साव,उपाध्यक्ष अमित केसरी, सुबोध केसरी ,दीपक केसरी ,सचिव जितेंद्र पुरी ,उपसचिव अशोक गुप्ता, कोषाध्यक्ष सोनू केसरी, उप कोषाध्यक्ष पप्पू केसरी के अलावे मनोज केसरी, बिहार केसरी, राजू केसरी, राजेंद्र केसरी, छोटू केसरी,राहुल मिश्रा, उमेश सिंह, कुबेर कैथवर, राहुल कैथवर सहित गांव के सभी लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भाजपा नेता श्रद्धानंद ने क्षेत्र के विभिन्न पूजा पंडालों का किया भ्रमण

सिमडेगा/पालकोट। भाजपा नेता पूर्व प्रत्याशी श्रद्धानन्द बेसरा ने सिमडेगा विधानसभा के विभिन्न पूजा पंडालों का भ्रमण कर दुर्गा माँ का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ ही क्षेत्र वासियों को दुर्गा पूजा एवं दशहरा की शुभकामनाएं दी। मौके पर उन्होंने कहा की दुर्गा पूजा शक्ति का प्रतीक है एवं दशहरा असत्य पर सत्य के विजय का प्रतीक है। श्रद्धानन्द बेसरा ने पालकोट दुर्गा पूजा समिति, बघिमा दुर्गा मंडप, तिर्रा दुर्गा मंडप, चैनपुर दुर्गा मंडप, अंलकेरा दुर्गा मंडप, पोजेंगा दुर्गा मंडप, तपकरा दुर्गा पूजा मंडप , वीरू दुर्गा पूजा समिति, गरजा दुर्गा पंडाल, सेवई पुजा पंडाल, रूसू दुर्गा पूजा समिति, केरसई पूजा पंडाल, टैसेंर भंडार टोली पुजा पंडाल, बिहाबेल उपर टोली , बिहाबेल नीचे टोली, मसना दुर्गा पूजा समिति, चाड़रीमुंडा दुर्गा पूजा समिति, कुटमाक्छार दुर्गा पूजा समिति, कुरडेग दुर्गा पूजा समिति, इत्यादि अनेक दुर्गा पूजा पंडालों में घुम कर दर्शन किए एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

बोलबा में धूमधाम से मनाई जा रही दुर्गा पूजा, उमड़ रही भीड़

नवीन मेल संवाददाता

बोलबा। बोलबा प्रखण्ड मुख्यालय में शारदीय नवरात्र सह दुर्गा पूजा हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया जा रहा है । इस मौके पर गुरुवार प्रातः शंख नदी से कलश यात्रा निकाला गया । इसके बाद पण्डित नीलाम्बर पंडा के द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दुर्गा पूजा आरंभ किया गया । यजमान के रूप में अजय जायसवाल योगदान दे रहे हैं । पूजा समिति के लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से पूजा सम्पन्न कराने के लिए अपना योगदान दे रहे हैं । इस मौके पर प्रखण्ड प्रशासन के द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया । अंचल अधिकारी सुधांशू पाठक ने बताया कि शांतिपूर्ण ढंग से पूजा सम्पन्न कराने के लिए सबकी जिम्मेदारी है । किसी तरह की कोई अनहोनी घटना की संभावना पर तत्काल स्थानीय प्रशासन को सूचना दें ।थाना प्रभारी सोनू पाठक ने कहा कि दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने में प्रशासन कि सहयोग करें । किसी प्रकार की भ्रामक सूचना अथवा व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर नही करें । पूजा समिति के चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि इस वर्ष की दुर्गा पूजा में जोश एवं उत्साह के साथ किया जा रहा है । पण्डाल की सजावट भी अच्छा है । वहीं प्रसाद वितरण भी किया जा रहा है । इस मौके पर अंचल अधिकारी सुधांशू पाठक, थाना प्रभारी सोनू पाठक, अंचल निरीक्षक सिधेश्वर पासवान, मुखिया सुरजन बड़ाईक, इंद्रदेव सिंह के अलावे अन्य लोग मौजूद थे।

गलत बिजली बिल माफ होने से चिंतामुक्त हुए ग्रामीण : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। विधायक भूषण बाड़ा गुरुवार को केरसई पंचायत भवन में मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना के तहत सैंकड़ो ग्रामीणों के बीच बिजली माफी प्रमाण पत्र का वितरण किया। बिजली माफी प्रमाण पत्र पाकर ग्रामीणों के चेहरे भी खिल उठे। साथ ही राज्य सरकार और विधायक के प्रति आभार जताया। केरसई पहुंचे विधायक ने रूसु में 100 केवीए के ट्रांसफार्मर का भी उद्घाटन किया। मौके पर विधायक ने कहा आज से पहले गलत बिजली बिल के कारण लाखो लोग परेशान रहते थे। उन्हें एक बात का हमेशा डर रहता था कि इतना ज्यादा बिजली बिल कैसे भरेंगे। कहीं बिजली विभाग वाले वसूली करने घर तो नहीं आ जाएंगे। ज्यादा बिजली बिल के कारण हमारे घरों से कनेक्शन तो नहीं काट देंगे। काट देंगे तो मेरे बाल बच्चे कैसे पढ़ेंगे।

जनता के प्यार, आशीर्वाद से मिली समस्या दूर करने की ताकत : विधायक भूषण

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा देर रात सिमडेगा शहरी क्षेत्र के खिजरी में विधायक मद से बनने वाले पीसीसी पथ का शिलान्यास किया। मौके पर विधायक ने शिलापट्ट का अनावरण किया। विधायक ने ग्रामीणों की समस्या भी सुनी। ग्रामीणों ने पीसीसी पथ निर्माण के लिए विधायक के प्रति आभार जताया। विधायक ने कहा यह आप सभी जनता के प्यार, आशीर्वाद और समर्थन हमें क्षेत्र की समस्या दूर करने की ताकत देती है। हमें रात के अंधेरे में दुरस्त ग्रामीण क्षेत्र में जाने की हिम्मत देती है। सिमडेगा विधानसभा की पूरी जनता का प्यार और आशीर्वाद से आज क्षेत्र में विकास की लंबी लकीरें खींची जा रही है। ग्रामीणों की हर जरूरतों को एक एक कर पूरा किया जा रहा है। आज हमारी सरकार ने गरीबों की परेशानी को खत्म करने का काम किया है। हर गरीबों के चेहरे में मुस्कान बिखरने का काम किया है। महिलाओं को सम्मान, स्थानीय युवाओं को नौकरी देने का काम किया है। ग्रामीणों बच्चों को कम खर्च पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने, गरीबों को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के माध्यम से अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई कराने का काम किया है। गलत बिजली बिल की समस्या से जूझती जिले की आधी आबादी को चिंता मुक्त करने का काम किया है। मौके पर पाकरटांड जिप सदस्य जोसिमा खाखा, पाकरटांड प्रखंड अध्यक्ष अजीत लकड़ा,उप प्रमुख सिलबेस्टर बघवार,विधायक प्रतिनिधि अख्तर खान, विधायक प्रतिनिधि शीतल एक्का,नगर प्रभारी सह जिला महासचिव शशि गुड़िया, ऑसेग सोरेंग,जसिंता डुंगडुंग, रितु तिर्की सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

विधायक भूषण बाड़ा के कार्यकाल में तेज हुई है विकास की गति : जोसिमा खाखा

जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि आपके भूषण दादा, भूषण भाई ने आपके लिए 24 घंटे क्षेत्र में रहने का बीड़ा उठाया है। हर घर की समस्या को चुन चुन कर दूर करने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने कहा कि आज क्षेत्र में समस्या काफी कम हो गई है। सचमुच विधायक भूषण बाड़ा के कार्यकाल में सिमडेगा विधानसभा में पिछले कुछ वर्षों में बदलाव आया। विकास की गति तेज हुई है। लोगों का कारवां विधायक से जुड़ा है और सिलसिला दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से प्यार समर्थन और आशीर्वाद कांग्रेस के साथ बनाए रखने की अपील की।

कोलेबिरा विधायक की पहल पर खराब ट्रांसफार्मर बदला गया

ठेठईटांगर। प्रखंड अंतर्गत ताराबोगा पंचायत के आवराबहार गांव में बीते कुछ दिनों से 100 केवी का ट्रांसफार्मर खराब था। जिसकी जानकारी ग्रामीणों ने विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी को दी। ग्रामीणों की समस्या को सुन विधायक ने विभाग से बात कर ट्रांसफार्मर को मरम्मत करवाने का काम किया और गांव वालो को ट्रांसफॉर्मर दिलवाया। जिससे ग्रामीणों में काफी हर्ष का माहौल है। विधायक के निर्देश पर विधायक प्रतिनिधि ठेठईटांगर प्रमुख कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों के द्वारा ट्रांसफार्मर का उद्घाटन फीता काटकर किया गया एवं ग्रामीणों में लड्डू बांटा गया। मौके पर मौजूद प्रखंड प्रमुख विपिन पंकज मिंज ने कहा कि कांग्रेस जेएमएम गठबंधन की सरकार मुख्यमंत्री खुशहाली योजना के तहत 200 यूनिट तक बिजली फ्री कर दिया है तथा पिछला बकाया बिल को माफ कर दिया गया है। सभी उपभोक्ताओं का बिजली बिल जीरो कर दिया गया है। सभी लोग इसका फायदा उठा रहे हैं। कहा कि इस क्षेत्र में अधिकतर किसान रहते हैं और ट्रांसफार्मर जल जाने से किसानों को सिंचाई करने में, बच्चों को पढ़ाई करने में और भी कई तरह के परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

मां भगवती के दरबार पहुंचे विधायक भूषण बाड़ा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। विधायक भूषण बाड़ा गुरुवार को पूजा पंडालों के पट खुलते ही अपनी धर्मपत्नी सह जिप सदस्य जोसिमा खाखा के साथ विभिन्न पूजा पंडाल पहुंचे। साथ ही मां दुर्गा के चरणों मे शीश झुकाते हुए जिले के खुशहाली, सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। वहीं सभी भक्तों को दुर्गा पूजा की बधाई दी। पूजा पंडाल में मौजूद पूजा समिति के सदस्यों से मिलकर पूजा को लेकर होने वाली परेशानियों की भी जानकारी ली। साथ ही किसी तरह की कोई परेशनी होने पर उनसे संपर्क करने का आग्रह किया। विधायक गुरुवार को केरसई के रूसू स्थित दुर्गा पूजा,केरसई दुर्गा पूजा पंडाल का दर्शन, ठेसूटोली दुर्गा पूजा पंडाल,भंडारटोली टैंसेर पश्चिमी दुर्गा पूजा पंडाल, बिहाबैल दुर्गा पूजा पंडाल, टांगरटोली दुर्गा पूजा पंडाल, कुरडेग पूजा पंडाल पहुंच माँ भगवती का दर्शन किया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष जेफरेन केरकेट्टा,कार्यकारी प्रखंड अध्यक्ष बलासियूस खेस, पाकरटांड प्रखंड अध्यक्ष अजीत लकड़ा,जिप सदस्य प्रेमा बाड़ा,मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार, मुखिया फ़ॉलोबिया खेस, विधायक प्रतिनिधि संभू प्रसाद , विधायक प्रतिनिधि शशि प्रसाद,विधायक प्रतिनिधि सह मुखिया मूंश,20 सूत्री सदस्य मनोहर प्रसाद, सुरेंद्र कुमार प्रसाद, विनय तिग्गा ,मन्नू यादव,पंचायत अध्यक्ष नॉवेल मिंज,वार्ड अशरानी एक्का, प्रमोद किंडो,सुशील बेक,मुकेश खेस,जॉन तिर्की,निरल खेस आदि भी पूजा पंडाल पहुंच मां के चरणों मे शीश झुकाया।

शरणार्थियों ने 1948 में शुरू किया था रावण दहन

रांची में रावण दहन की परंपरा की शुरुआत 1948 में की गयी। देश विभाजन के बाद पाकिस्तान के विभिन्न इलाकों से रांची आये शरणार्थियों ने रावण दहन कर विजयादशमी मनाया। इसके बाद अब हर वर्ष विजयादशमी के मौके पर रांची में रावण दहन का कार्यक्रम शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहता है।

1947 में आजादी के बाद पश्चिमी पाकिस्तान नॉर्थ वेस्ट फ्रंटियर के कबायली इलाके बन्नु शहर से लाला खिलंदा राम भाटिया समेत कुछ परिवार रिफ्यूजी बनकर रांची पहुंचे। इन्हीं 10-12 परिवारों ने 1948 में विजयादशमी के दिन रावण दहन के रूप में अपना सबसे बड़ा पर्व दशहरा मनाया। इन सभी ने तब रांची में मेन रोड डाक घर के सामने स्थित तब के डिग्री मैदान में रावण दहन का छोटा सा कार्यक्रम किया। आज यह कार्यक्रम अब भव्य रूप धारण कर चुका है।

1948 में पाकिस्तान से आये रिफ्यूजी परिवारों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में रांची वासियों ने पहली बार रावण दहन देखा। विजयादशमी के मौके पर गाजे बाजे के साथ पंजाबी और कबायली ढोल नगाड़े के बीच शाम में रावण के पुतले में अग्नि प्रज्जवलित की गई। बताया जाता है कि इस आयोजन को देखने के लिए उस वक्त तीन-चार सौ लोगों की भीड़ उपस्थित थी।

रावण का मुखौटा गधे का होता था

रिफ्यूजी या बन्नू समाज की ओर से पांच सालों तक रावण दहन का जो कार्यक्रम आयोजित किया जाता था, उसमें रावण का मुखौटा गधे का होता था, लेकिन 1953 के बाद रावण के पुतले का मुख्य मुखौटा मानव मुख का बनने लगा।

पुतला दहन का स्थान भी बदला

रावण दहन कार्यक्रम में उमड़ने वाली भीड़ बढ़ती ही चली गयी। भीड़ बढ़ने के कारण साल 1950 से लेकर 1955 तक रावण के पुतले का दहन बारी पार्क (टाउन हॉल) में होने लगा। पहले आयोजन में जहां 300 से 400 लोग एकत्रित हुए थे, वहीं अब यह.25 से 40 हजार तक पहुंच गयी थी। रावण दहन के साथ ही रंगारंग नाच-गान और रावण के मुखौटे की पूजा कर रावण दहन होता था।

रिफ्यूजी से कमान पंजाबी हिंदू बिरादरी के हाथों में आई

इधर, साल दर साल रावण दहन का खर्च बढ़ता गया तथा बन्नू समाज (रिफ्यूजी परिवार) ने इस आयोजन की कमान पंजाबी हिन्दु बिरादरी को सौंप दी। इस बीच रांची में पश्चिम बंगाल की तर्ज पर दुर्गा पूजा का भव्य पंडाल भी बनना शुरू हो गया, जिसके कारण रावण दहन का क्रेज भी बढ़ गया। जब पंजाबी हिन्दू बिरादरी के सदस्यों ने रावण दहन कार्यक्रम की कमान संभाली तो ये लोग रावण का निर्माण डोरंडा राम मंदिर में करवाने लगे और रावण दहन के लिए राजभवन के सामने वाले मैदान (नक्षत्र वन) में लगातार 2 वर्षों तक किया।

1960 में मोरहाबादी में शुरू हुआ कार्यक्रम

समय के साथ भीड़ बढ़ने के कारण आयोजकों ने रावण दहन का कार्यक्रम मोरहाबादी मैदान में करना उपयुक्त समझा, जो 1960 से आजतक यही हो रहा है। इसके साथ ही अब पंजाबी हिन्दु बिरादरी के आयोजकों ने रावण के साथ मेघनाथ तथा कुंभकर्ण के पुतले का भी निर्माण करना शुरू कर दिया, जो अब तक जारी है।

1950 से लेकर 1955 तक रावण के पुतले का दहन बारी पार्क (टाउन हॉल) में होने लगा।

देवघर में नहीं जलता है रावण

रावण को बुराई का प्रतीक नहीं माना जाता लेकिन हमारी संस्कृति में कृतघ्नता की परंपरा नहीं रही है

रावण ज्योतिर्लिंग को लंका ले जा रहे थे, लेकिन परिस्थितियां ऐसी थी कि इसकी स्थापना देवघर में हो गई

दशहरे पर पूरे देश में जगह-जगह पर रावण और कुंभकर्ण के विशालकाय पुतले जलाए जा रहे हैं, लेकिन देवघर शहर में ऐसे आयोजन को निषिद्ध माना जाता है। देवघर यानी बाबाधाम, झारखंड की धार्मिक-आध्यात्मिक राजधानी के रूप में प्रसिद्ध है, जहां रावण के पुतले नहीं जलाए जाने के पीछे एक खास मान्यता है। देवघर में भगवान शंकर के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक कामना महादेव स्थापित हैं, जिनकी ख्याति रावणेश्वर महादेव के रूप में भी है। मान्यता है कि लंकापति रावण इस ज्योतिर्लिंग को लंका ले जा रहे थे, लेकिन परिस्थितियां ऐसी बनी कि इसकी स्थापना देवघर में ही हो गई। ऐसे में इस नगर के लोग रावण के प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हुए विजयादशमी पर उसके पुतले नहीं जलाते हैं। देवघर यानी बाबाधाम मंदिर के तीर्थ पुरोहित बताते हैं कि ऐसा नहीं है कि इस नगर में रावण को बुराई का प्रतीक नहीं माना जाता, लेकिन हमारी संस्कृति में कृतघ्नता की परंपरा नहीं रही है। अगर किसी शत्रु ने भी जाने-अनजाने हम पर उपकार किया हो तो हम उसकी उस अच्छाई के प्रति आदर भाव रखते हैं। रावण एक महान शिवभक्त था। वह जब कैलाश से बैद्यनाथ के ज्योतिर्लिंग को लेकर आ रहा था तो भगवान विष्णु द्वारा रची गई माया के चलते उसे ज्योतिर्लिंग को देवघर की धरती पर रखना पड़ा और वे यहीं स्थापित हो गए। तब से यह स्थान बाबा नगरी के रूप में विख्यात है। रावण यहां ज्योतिर्लिंग की स्थापना का निमित्त बना, इसलिए यहां उसके पुतले जलाने की परंपरा नहीं है।

देवघर में होती है शिव-शक्ति की पूजा

देश-विदेश में रावण का दहन बुराई के प्रतीक के संहार के तौर पर होता है। देवघर के लोग भी इस शाश्वत सत्य को स्वीकार करते हैं, लेकिन इसके बावजूद शिवभक्ति का सम्मान उल्लेखनीय है कि देवघर ज्योतिर्लिंग धाम के साथ-साथ शक्तिपीठ के रूप में भी विख्यात है। मान्यता है कि देवघर में माता सती का हृदय गिरा था। इसलिए यह इकलौता धाम है, जहां शिव और शक्ति पूजा समान आस्था के साथ होती है। दशहरा, जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है, भगवान राम की रावण पर विजय की याद में मनाया जाने वाला एक प्रमुख हिंदू त्योहार है। यह दिन देवी दुर्गा की राक्षश महिषासुर पर विजय का सम्मान करने के लिए भी मनाया जाता है और नवरात्रि के अंत का प्रतीक है। यह वार्षिक हिंदू त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और पूरे देश में व्यापक रूप से मनाया जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, यह पारंपरिक रूप से त्योहार के 10वें दिन मनाया जाता है और अश्विन या कार्तिक महीने में आता है।

धनबाद में एक जगह से हुई थी शुरुआत

दशहरे पर पूरे देश में रावण का पुतला दहन किया जाता है। दशमी को धनबाद में विभिन्न जगहों पर रावण दहन की परंपरा दशकों से चली आ रही है। धनबाद में सबसे पहले 56 वर्ष पूर्व सिंदरी के शहरपुरा शिव मंदिर प्रांगण में रावण दहन की शुरूआत की गई थी। अब धनबाद में 11 स्थानों पर दशहरा के दिन रावण दहन का आयोजन होता है। 56 वर्ष से सिंदरी मैदान के शहरपुरा शिव मंदिर प्रांगण में रावण दहन का कार्यक्रम किया जा रहा है।

धार्मिक महत्व

दशहरा हिंदू पौराणिक कथाओं से जुड़ा है और इसे दो कारणों से मनाया जाता है। पहला कारण भगवान राम की 10 सिर वाले राक्षस शासक रावण पर जीत का स्मरण करना है। रावण ने सीता (भगवान राम की पत्नी) का अपहरण कर लिया और उसे अपने राज्य लंका में बंदी बना लिया। एक महाकाव्य युद्ध के बाद, भगवान राम अपनी पत्नी को रावण के चंगुल से बचाते हैं और वानरसेना, भगवान हनुमान और लक्ष्मण (श्री राम के भाई) की सहायता से उसे मार देते हैं। यह उत्सव इस जीत का सम्मान करता है और पाप पर धर्म की जीत का प्रतिनिधित्व करता है।

एक और कारण देवी दुर्गा और भैंस राक्षस महिषासुर से जुड़ा है। कहानी नौ दिवसीय उत्सव के बारे में है, जो नवरात्रि पर समाप्त होता है। देवी दुर्गा और महिषासुर के बीच महाकाव्य युद्ध, जिसमें देवी दुर्गा को अक्सर योद्धा देवी के रूप में दर्शाया जाता है, राक्षस महिषासुर की मृत्यु के साथ समाप्त होता है और एक बार फिर बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है। देवी दुर्गा की जीत पृथ्वी पर अच्छाई और शांति को भी दर्शाती है।

हम दशहरा से बहुत कुछ सीखते हैं, एक ऐसा उत्सव जो हमें सदाचार और ईमानदारी से जीने के लिए प्रोत्साहित करता है। बाधाओं पर विजय पाने में भक्ति, नैतिकता और दृढ़ता का महत्व दशहरा द्वारा दर्शाया जाता है, जैसा कि भगवान राम की न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और उनकी पत्नी सीता की रक्षा से स्पष्ट होता है।

धर्म (धार्मिकता) पर अधर्म (दुष्टता) की विजय का प्रतीक दशहरा है। कहा जाता है कि रावण के 10 सिर उन 10 बुराइयों का प्रतीक हैं, जिन्हें लोगों में अहंकार, लालच, ईर्ष्या, स्वार्थ और वासना सहित दूर किया जाना चाहिए।

अब 11 जगहों पर फूंका जाता है पुतला

विजय का दिन

दशहरा को विजयदशमी के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अनुवाद दसवें दिन विजय होता है। यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, रामायण में भगवान राम की राक्षस राजा रावण पर जीत का जश्न मनाता है। यह हिंदू चंद्र महीने अश्विन के दसवें दिन पड़ता है और भारत के विभिन्न हिस्सों में एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जो नवरात्रि उत्सव के अंत का प्रतीक है। समारोहों में रावण के पुतलों का दहन और सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाने वाले हर्षोल्लासपूर्ण उत्सव शामिल हैं।

हॉकी इंडिया लीग 2024-25 : नीलामी में 1000 से ज्यादा खिलाड़ी शामिल होंगे

नई दिल्ली। 2024-25 सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक होने वाली है, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं के साथ वैश्विक सितारों सहित 1000 से ज्यादा खिलाड़ी शामिल होंगे। सात साल के अंतराल के बाद, एचआईएल एक विस्तारित प्रारूप के साथ वापसी कर रहा है जिसमें पुरुषों और पहली बार एक विशेष महिला लीग दोनों शामिल हैं, जो एक साथ चलेंगी। पुरुषों के लिए हॉकी इंडिया लीग फिर से शुरू हो रही है और महिला लीग का उद्घाटन सत्र इस सीजन में शुरू होने वाला है। पुरुषों की नीलामी 13 और 14 अक्टूबर को होगी, जबकि महिलाओं की ऐतिहासिक नीलामी 15 अक्टूबर को होगी। 400 से ज्यादा घरेलू और 150 से ज्यादा विदेशी पुरुष खिलाड़ियों के साथ-साथ 250 घरेलू और

70 विदेशी महिला खिलाड़ियों की नीलामी होगी। खिलाड़ियों को तीन बेस प्राइस कैटेगरी में बांटा गया है: 2,00,000 रुपये, 5,00,000 रुपये और 10,00,000 रुपये, जो उनके द्वारा खुद के लिए चुने गए मूल्य पर आधारित है। 2,00,000 रुपये की श्रेणी में 600 से ज्यादा खिलाड़ी, 5,00,000 रुपये की श्रेणी में 250 से ज्यादा खिलाड़ी और 10,00,000 रुपये की श्रेणी में 250 से ज्यादा खिलाड़ी शामिल हैं। पुरुषों की नीलामी की शुरूआत पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारत की टीम से होगी, जिसमें कप्तान हरमनप्रीत सिंह, उप कप्तान हार्दिक सिंह और मनप्रीत सिंह तथा मंदीप सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। उत्साह को और बढ़ाते हुए, रूपिंदर पाल सिंह, बीरेंद्र लाकड़ा और धरमवीर सिंह जैसे पूर्व भारतीय हॉकी दिग्गजों ने भी पंजीकरण कराया है, जिससे इस बहुप्रतीक्षित आयोजन के लिए मंच तैयार हो गया है। आर्थर वैन डोरेन, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स, गोंजालो पेइलाट, जिप जानसेन, थिएरी ब्रिंकमैन और दयान कैसिएम जैसे अंतरराष्ट्रीय हॉकी आइकन पुरुषों की लीग में वैश्विक प्रतिभा को जोड़ेंगे। महिलाओं की नीलामी की शुरूआत अनुभवी गोलकीपर सविता, कप्तान सलीमा टेटे, उभरती हुई स्टार और ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, सबसे अधिक मैच खेलने वाली भारतीय महिला खिलाड़ी वंदना कटारिया और लालरेम्सियामी सहित शीर्ष खिलाड़ियों से होगी। योगिता बाली, लिलिमा मिंज और नमिता टोप्पो जैसी पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने भी नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। डेल्फिना मेरिनो, चार्लोट स्टेपेनहॉर्स्ट, मारिया ग्रेनाटो, राचेल लिंच और नाइक लोरेंज सहित अंतर्राष्ट्रीय महिला खिलाड़ी बोली लगाने की जंग का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं, जिससे पहली बार आयोजित होने वाली एचआईएल महिला लीग में और रोमांच जुड़ जाएगा। प्रत्येक टीम में 24 खिलाड़ी होंगे, जिनमें 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों के अनिवार्य समावेश के साथ) और 8 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे, जो स्थानीय और वैश्विक प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के एचआईएल के दृष्टिकोण को दर्शाता है। एचआईएल 2024-25 की शुरूआत 28 दिसंबर को ओडिशा के राउरकेला में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगी। मैच दो प्रतिष्ठित स्थलों - रांची में मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम और राउरकेला में बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। महिलाओं का लीग फाइनल 26 जनवरी, 2025 को रांची में होगा, जबकि पुरुषों का फाइनल 1 फरवरी, 2025 को राउरकेला में होगा। हर मैच में विजेता सुनिश्चित करने के लिए, लीग ने उन सभी मैचों के लिए शूटआउट की शुरूआत की है जो बराबरी पर समाप्त होते हैं।

स्पेन के दिग्गज टेनिस स्टार और किंग ऑफ क्ले राफेल नडाल ने किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय टेनिस से संन्यास का ऐलान किया है। उल्लेखनीय है कि स्पेन में होने वाला डेविस कप फाइनल एक पेशेवर खिलाड़ी के रूप में उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। नडाल अब तक के दूसरे सबसे सफल पुरुष एकल खिलाड़ी के रूप में संन्यास ले चुके हैं, उनसे आगे केवल उनके चिर प्रतिद्वंद्वी नोवाक जोकोविच हैं, जिन्होंने अब तक 24 मेजर खिताब जीते हैं। नडाल ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा, ह्लमैं आपको यह बताने के लिए यहां हूं कि मैं पेशेवर टेनिस से संन्यास ले रहा हूं। ह्लपिछले कुछ साल बहुत मुश्किल रहे हैं, खासकर पिछले दो साल। यह एक कठिन निर्णय रहा है, जिसे लेने में मुझे काफी समय लगा, लेकिन इस जीवन में जिस चीज की शुरूआत होती है उसका अंत भी होता है, और मुझे लगता है कि यह उस लंबे और बहुत सफल करियर को समाप्त करने का सही समय है, जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं बहुत उत्साहित हूं कि मेरा आखिरी टूर्नामेंट डेविस कप फाइनल होगा, जिसमें मैं अपने देश का प्रतिनिधित्व करूंगा। मुझे लगता है कि यह एक सर्कल पूरा हो रहा है, क्योंकि मेरी खुशी के पहले सबसे शानदार पलों में से एक 2004 में सेविले में (डेविस कप) फाइनल था।

भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ग्रीन का खेलना संदिग्ध

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन का पीठ में लगी चोट के चलते भारत के खिलाफ होने वाली अहम बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। दरअसल, इंग्लैंड दौरे पर ग्रीन को लगी चोट के उपचार के लिए उन्हें सर्जरी से गुजरना पड़ सकता है। हालांकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेडिकल टीम के मुताबिक सर्जरी आखिरी विकल्प है, उससे पहले वह कोशिश कर रहे हैं कि भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले बिना सर्जरी के वह ठीक हो जाएं। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे के बाद ही ग्रीन को पीठ में तकलीफ हुई थी और उसके बाद वह स्वदेश लौट आए थे। उनका इंग्लैंड में भी स्कैन हुआ था और फिर ऑस्ट्रेलिया लौटने के बाद भी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेडिकल टीम ने उनका स्कैन किया था।

स्मृति और मैं पूर्व निर्धारित योजना के साथ नहीं उतरते, इससे मदद मिली : शेफाली वर्मा

एजेंसी। दुबई

भारतीय बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने कहा कि वह और उनकी सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना किसी विशेष प्रकार की गेंदबाजी के लिए मैदान पर पूर्व निर्धारित योजना के साथ मैच में नहीं उतरतीं जिससे उन्हें सफलता हासिल करने में मदद मिली है। इन दोनों ने बुधवार को श्रीलंका पर भारत की 82 रन की शानदार जीत के दौरान 98 रन की साझेदारी की।

मंधाना ने 50 रन की अपनी पारी के दौरान स्पिनरों को निशाना बनाया क्योंकि पहले वह आमतौर पर स्पिनरों को खेलने के लिए शेफाली पर निर्भर रहती थी। शेफाली ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ह्यजैसा कि आपने कहा कि हमारा संयोजन बहुत अच्छा है। अब हम पहले से तय नहीं रहते। जो भी उस दिन गेंद से बल्ला अच्छी तरह कनेक्ट कर रहा होता है तो हम उसे ज्यादा गेंद खेलने देते हैं।'

उन्होंने कहा, अभी वह स्पिनरों को बहुत अच्छी तरह से हिट कर रही है। इसलिए यह अच्छी बात है। और हम दोनों ही जितना हो सके उतनी अच्छी शुरूआत देने की कोशिश करते हैं। टीम के लिए अच्छी पारी बनाना और अच्छा लक्ष्य देने की कोशिश करते हैं।' न्यूजीलैंड से मिली हार और पाकिस्तान पर जीत के बाद भारत ने श्रीलंका को हराकर अपना नेट रन रेट बढ़ा दिया जिससे वह ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

यह उन दिनों में से एक था जब मैं अपने जोन में थी: हरमनप्रीत

दुबई। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए श्रीलंका को 82 रनों से हराने के बाद, भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि बुधवार का मैच उन दिनों में से एक था जब वह बल्ले से जादू दिखाने के लिए अपने जोन में थी। भारत ने शानदार 98 रनों की ओपनिंग साझेदारी की, जिसमें उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने 38 गेंदों में अर्धशतक लगाया और शेफाली वर्मा ने 46 रन बनाए, श्रीलंका ने लगातार गेंदों पर दोनों को आउट करके वापसी की। लेकिन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी हरमनप्रीत ने मैदान के दोनों ओर तेज गेंदबाजों और स्पिनरों की धुनाई करते हुए 27 गेंदों पर नाबाद 52 रन की पारी खेली। हम बस लय में खेलना चाहते थे, शैफाली और स्मृति ने हमें अच्छी शुरूआत दी। इसका श्रेय उन्हें जाता है।

फातिमा सना के पिता का निधन स्वदेश लौटेंगी पाक कप्तान

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2024 से एक बड़ी खबर सामने आई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना स्वदेश लौटेंगी। फातिमा सना के पिता का देहांत हो गया है। पिता के निधन की खबर मिलते ही फातिमा पाकिस्तान लौटने के लिए तैयार हैं। वह यूएई से पाकिस्तान के लिए जल्द उड़ान भरेंगी। महिला टी20 विश्व कप 2024 में पाकिस्तान का अगला मैच शुक्रवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा, इसलिए फातिमा इस मैच में नहीं खेल पाएंगी। उनकी जगह विकेटकीपर-बल्लेबाज मुनीबा अली टीम की कमान संभाल सकती हैं। सोशल मीडिया पर टीम की सदस्य फातिमा सना को इस मुश्किल घड़ी में हिम्मत दे रही हैं। अनुभवी ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर निदा डार ने लिखा, आपके पिता के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। पूरी टीम की ओर से, कृपया हमारी हार्दिक संवेदनाएं स्वीकार करें। श्रद्धांजलि। बल्लेबाज सिदरा अमीन ने लिखा, ह्लबड़े दुख के साथ यह सूचित किया जाता है कि फातिमा सना के पिता का निधन हो गया है। कृपया उनके लिए दुआ करें। अल्लाह उन्हें जन्नत में सर्वोच्च स्थान प्रदान करे। आमीन। फातिमा की कमी पाकिस्तानी टीम के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ग्रुप ए के अपने बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे। श्रीलंका पर जीत और भारत से हार के बाद पाकिस्तान फिलहाल ग्रुप ए में तीसरे स्थान पर है। सितंबर में नेतृत्व की भूमिका संभालने वाली फातिमा, मौजूदा महिला टी20 विश्व कप में सबसे कम उम्र की कप्तान हैं। श्रीलंका के खिलाफ उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इसके बाद उन्होंने दुबई में दोपहर के मैच में जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष को लगातार आउट करके भारत को थोड़ी परेशानी में डाला और सुनिश्चित किया कि पाकिस्तान के नेट रन रेट पर कोई गंभीर असर न पड़े। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के बाद, पाकिस्तान सोमवार को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप ए अभियान का समापन करेगा।

भारतीय पुरुष टीम ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली : भारतीय पुरुष टीम बृहस्पतिवार को कजाकिस्तान के अस्ताना में चल रही एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में चीनी ताइपे से 0-3 से हार गई जिससे उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने बुधवार को इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था जो 1972 से शुरू हुई इस चैम्पियनशिप के इस वर्ग में देश का पहला पदक है। विश्व रैंकिंग में 42वें नंबर पर काबिज दिग्गज अचंता शरत कमल को दुनिया के सातवें नंबर के प्रतिद्वंद्वी लिन युन जू से कड़ी चुनौती मिली और वह 11-7, 12-10, 11-9 से पराजित हो गए। इसके बाद मानव ठक्कर को दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी काओ चेंग-जुई से शिकस्त झेलनी पड़ी। चीनी ताइपे के इस खिलाड़ी ने ठक्कर को 11-9, 8-11, 11-3, 13-11 से हरा दिया। भारतीय टीम 0-2 से पिछड़ रही थी। तीसरे मैच में हरमीत देसाई को भी निराशा का सामना करना पड़ा जो हुआंग यान-चेंग से 6-11, 9-11, 7-11 से हार गये। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने एक विज्ञप्ति में कहा, ह्यहार के बावजूद भारतीय पुरुष टीम गर्व महसूस कर सकती है क्योंकि इस प्रतिष्ठित एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है।

पाकिस्तान के खिलाफ हैरी ब्रूक ने ट्रिपल सेंचुरी जड़ी

एजेंसी। मुल्तान

पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत में हलचल तेज कर दी है। मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार को पाकिस्तान के खिलाफ हैरी ब्रूक ने ट्रिपल सेंचुरी जड़ी। हैरी ब्रूक 34 साल (1990 के बाद) में टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले क्रिकेटर और कुल मिलाकर छठे इंग्लिश बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यहां मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन यह उपलब्धि हासिल की। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इंग्लैंड के लिए तिहरा टेस्ट शतक बनाने वाले लियोनार्ड हटन (, वॉली हैमंड

, ग्राहम गूच , जॉन एडरिच (1965 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 310 रन) की सूची में शामिल हो गए। वहीं, वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी ब्रायन लारा के नाम टेस्ट क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का सर्वकालिक रिकॉर्ड है, जिन्होंने 2004 में एंटीगा में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 400 रन बनाए थे। इसके अलावा, ब्रूक ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज दूसरा तिहरा शतक जड़ा। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग ने 278 गेंदों में यह कारनामा किया था, जबकि ब्रूक ने 310 गेंदें में अपना तिहरा शतक पूरा किया। ब्रूक ने सैम अयूब की गेंद पर आउट होने से पहले 322 गेंदों में 29 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 317 रनों की शानदार पारी खेली। उनकी शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने 823/7 का विशाल स्कोर बनाकर अपनी पारी घोषित की और 267 रनों की बढ़त हासिल की।

व्यापार/लाइफ व साइंस

भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की संपत्ति एक ट्रिलियन डॉलर के पार

गौतम अदाणी दूसरे नंबर पर

एजेंसी। नई दिल्ली

। भारत के 100 सबसे अमीर व्यक्तियों की संपत्ति बढ़कर एक ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई है। बीते वर्ष के मुकाबले इस साल देश के शीर्ष 100 अमीर लोगों में से 80 प्रतिशत की संपत्ति में बढ़त देखने को मिली है। फोर्ब्स की ओर से गुरुवार को जारी की गई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। फोर्ब्स की भारत के 100 शीर्ष अरबपतियों की लिस्ट के मुताबिक, इस साल देश के शीर्ष कारोबारियों की संपत्ति बढ़कर 1.1 ट्रिलियन डॉलर हो गई है। यह 2019 के आंकड़े से दोगुने से भी अधिक है। रिपोर्ट में बताया गया, इस दौरान दिग्गज कारोबारी गौतम अदाणी की संपत्ति में बड़ा उछाल देखने को मिला है और वह शॉर्ट-सेलर फर्म की रिपोर्ट से हुए नुकसान के बाद मजबूती से उबरे हैं। इस साथ उन्होंने अपने बेटों और भतीजों की नियुक्ति भी कंपनियों में शीर्ष पदों पर की है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि उनके भाई विनोद अदाणी की संपत्ति 48 अरब डॉलर है। इसे मिलाकर पूरे परिवार की संपत्ति 116 अरब डॉलर होती है, जो उन्हें दूसरे नंबर पर बनाए रखने के लिए पर्याप्त है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने और नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के कारण शेयर बाजार में आई तेजी से भारत के शीर्ष सबसे अमीर लोगों की संपत्ति में पिछले 12 महीने में 40 प्रतिशत या 316 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। सावित्री जिंदल जो कि ओपी जिंदल ग्रुप की चेयरपर्सन हैं। वह इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। पिछले साल इस लिस्ट में आठ महिलाएं थी, जिनकी संख्या अब बढ़कर नौ हो गई है। महिमा दतला, जो कि एक निजी वैक्सीन निमार्ता बायोलॉजिकल ई को नियंत्रित करती हैं, फोर्ब्स की सूची में चार नए लोगों में से एक हैं। अन्य तीन लोगों में जेनेरिक दवाओं और फार्मा सामग्री के निमार्ता कंपनी हेटेरो लैब्स के संस्थापक बी. पार्थ सारधी रेड्डी, परिधान निमार्ता शाही एक्सपोर्ट्स के हरीश आहूजा और प्रीमियर एनर्जीज के संस्थापक और अध्यक्ष सुरेंद्र सलूजा, जो सौर पैनल और मॉड्यूल बनाते हैं।

बैंकिंग शेयरों के दम पर चढ़ा शेयर बाजार, सेंसेक्स 144 अंक उछला

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में बढ़त की वजह बैंकिंग शेयरों में खरीदारी रही। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 144 अंक या 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 81,611 और निफ्टी 16 अंक या 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,998 पर था। बैंकिंग शेयरों में तेजी के कारण निफ्टी बैंक 523 अंक या 1.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 51,530 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में कोटक महिंद्रा बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, आईटीसी, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील टॉप गेनर्स थे। टेक महिंद्रा, सन फार्मा, इन्फोसिस, टाइटन, विप्रो, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, टीसीएस, एचयूएल, एशियन पेंट्स और रिलायंस टॉप लूजर्स थे। छोटे और मझोले शेयरों में मिला-जुला कारोबार हुआ है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 166 अंक या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 58,935 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 35 अंक या 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,900 पर बंद हुआ। निफ्टी में ऑटो, फिन सर्विस, मेटल, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और कमोडिटी इंडेक्स में खरीदारी हुई। आईटी, पीएसयू बैंक, फार्मा, एफएमसीजी, रियल्टी, मीडिया इंडेक्स दबाव के साथ बंद हुए। बाजार का रुझान सकारात्मक था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2,259 शेयर हरे निशान, 1,654 शेयर लाल निशान और 133 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। बाजार के जानकारों का कहना है कि दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले भारतीय शेयर बाजार ने एक सीमित दायरे में कारोबार किया। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े आज आएंगे। इसके कारण एशियाई बाजारों में भी सीमित दायरे में कारोबार हुआ। वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं।

15-25 वर्ष की आयु के 82 प्रतिशत ग्रामीण युवा इंटरनेट का करते हैं इस्तेमाल

एजेंसी। नई दिल्ली

एक सरकारी सर्वेक्षण से पता चला है कि ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 25 वर्ष की आयु के 82 प्रतिशत से अधिक युवा इंटरनेट का उपयोग करते हैं। वहीं, शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा लगभग 92 प्रतिशत है। इसमें यह भी पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 15-24 वर्ष की आयु के 95.7 प्रतिशत लोग मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 97 प्रतिशत से थोड़ा कम है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जुलाई 2022 से जून 2023 तक आयोजित एक व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (सीएएमएस) के प्रमुख निष्कर्ष जारी किए। यह नेशनल सैंपल सर्वे (एनएसएस) के 79वें दौर का हिस्सा है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, ह्लग्रामीण क्षेत्रों में 15-24 वर्ष आयु वर्ग के 82.1 प्रतिशत युवा इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 91.8 प्रतिशत है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि 15-24 वर्ष आयु

वर्ग के 78.4 प्रतिशत युवा अटैच फाइल के साथ मैसेज सेंड कर सकते हैं। वहीं, 71.2 प्रतिशत युवा कॉपी-पेस्ट टूल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा, 26.8 प्रतिशत युवा एडवांस टास्क जैसे मेल भेजने, जानकारियों को खोजने और ऑनलाइन बैंकिंग जैसे कामों को करने में सक्षम हैं। सर्वेक्षण से सामने आई जानकारी के मुताबिक, 95.1 प्रतिशत लोग टेलीफोन या मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 94.2 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 97.1 प्रतिशत लोग मोबाइल फोन रखते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, कंप्यूटर (डेस्कटॉप, पीसी, लैपटॉप) का इस्तेमाल 9.9 प्रतिशत लोग करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 4.2 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 21.6 प्रतिशत लोग कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं। सर्वेक्षण से अन्य प्रमुख निष्कर्षों के अलावा यह भी पता चला कि 15-24 वर्ष की आयु के 96.9 प्रतिशत व्यक्ति सरल कथनों को समझ कर पढ़ने और लिखने में सक्षम हैं तथा सरल अंकगणितीय गणनाएं करने में भी सक्षम हैं। इसी आयु वर्ग में, पुरुषों के लिए यह आंकड़ा लगभग 97.8 प्रतिशत और महिलाओं के लिए 95.9 प्रतिशत है। मंत्रालय ने कहा, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए औपचारिक शिक्षा में स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष अखिल भारतीय स्तर पर 8.4 वर्ष है और 25 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए यह 7.5 वर्ष हैं।

तेजी से डिजिटल हो रहा भारत, दो वर्षों में बदली देश की तस्वीर

नई दिल्ली (आईएएनएस)। मोबाइल टेलीफोन की कम दरें (लो-कॉस्ट मोबाइल टेलीफोनी) भारत को डिजिटल बनाने की राह पर लाने में मददगार रही हैं। वर्ष 2022-23 में 15 वर्ष से ज्यादा उम्र के 85 प्रतिशत लोग मोबाइल फोन कनेक्शन का इस्तेमाल कर रहे थे। मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों का यह आंकड़ा ठीक दो वर्ष पहले 2022-21 में 70.2 प्रतिशत था। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा रिलीज किए गए एक सर्वेक्षण से यह जानकारी सामने आई है। भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या में भी दो वर्षों में काफी सुधार देखा गया है। सर्वेक्षण में सामने आई जानकारी बताती है कि 2020-21 में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों का आंकड़ा 41.8 प्रतिशत था। वहीं, 2022-23 में यह बढ़कर 59.8 प्रतिशत हो गया। इनमें 15-29 आयु वर्ग के लोग 84.2 प्रतिशत से भी ज्यादा हैं। सर्वेक्षण में सामने आई जानकारी के अनुसार, ह्ल15 वर्ष से अधिक उम्र की 78.7 प्रतिशत महिलाएं एक्टिव मोबाइल कनेक्शन का इस्तेमाल कर रही हैं।

एक नजर

पूजा पंडालों में अस्थायी विद्युत कनेक्शन जरुरी : जेई

हैदरनगर। शारदीय नवरात्र के मौके पर हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा की पूजा अर्चना के लिये अस्थायी विद्यतुन कनेक्शन लेना जरुरी है। इस संबध में विद्युत अवर प्रमंडल जपला के कनीय अभियंता प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि इस महाशक्ति माता के पर्व में विद्युत सुरक्षा सभी पूजा समिति को रखने का दायित्व बनता है। उन्होंने मोहम्मदगंज, हैदरनगर व हुसैनाबाद प्रखंडों की सभी दुर्गा पूजा पंडाल समितियों के अध्यक्षों व सचिवों से ससमय अस्थायी विद्युत कनेक्शन अवश्य करा लेने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके बिना पूजा पंडालों में बिजली का उपयोग प्रतिबंधित है। साथ ही यदि किसी पूजा पंडाल में किसी प्रकार की दुर्घटना होती है, तो इसके जिम्मेवार पूजा समिति के अध्यक्ष व सचिव होंगे। उन्होंने पूजा समितियों से सभी आवश्यक सुरक्षा उपायों का पालन करने व जानमाल की क्षति होने से बचाने का आग्रह किया है।

बंद घर में चोरी, जांच में जुटी पुलिस

हुसैनाबाद। शहरी क्षेत्र के जपला बिशुनपुर रोड में स्थित आईटीआई के पीछे सुरेन्द्र ठाकुर के मकान में चोरों ने बंद घर का ताला तोड़कर घर में रखे नकदी आभूषण समेत करीब सात लाख रुपए मूल्य से अधिक की सामानों की चोरी कर ली। इस संबंध में भुक्तभोगी ने हुसैनाबाद थाना में चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया जाता हैं कि उनकी पत्नी की तबीयत खराब होने के बाद वह घर में ताला बंद कर 20 सितंबर को पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर चले गये थे। 9 अक्टूबर को पड़ोसी द्वारा सूचना मिली की घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर फेंका है। सूचना मिलने के बाद वह गुरुवार को हुसैनाबाद घर पहुंचे और देखा कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा है। साथ ही आभूषण, नकदी एक लाख रुपए, फूल व पीतल का बर्तन करीब 80 हजार रुपये का गायब हैं। उन्होंने लिखित शिकायत हुसैनाबाद थाने में की। थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने मामले को गंभीरता पूर्वक लेते हुए स्थल का जांच पड़ताल कर अनुसंधान शुरू कर दी हैं।

चनकार कस्तूरी गांव में दुर्गा पूजा व नवाह्न यज्ञ से गुंजयमान हो रहा क्षेत्र

हुसैनाबाद। प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्गा पूजा समिति चनकार कस्तूरी के आचार्य देवव्रत पांडेय पाठकर्ता हिमांशु पांडेय, आमोद मिश्रा आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने के अंतिम दौर में हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में मंगल भवन आमंगलहारी... वैदिक मंत्रोच्चारण से भक्ति की बयार बह रही हैं।

पट खुलने के साथ पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्ति का माहौल बना

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा व अन्य देवी-देवताओं के पट खुलने के साथ ही महासप्तमी के बाद महाअष्टमी को भी श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ पड़ी। स्थानीय पीएमश्री स्तरोन्नत प्लस टू उच्च विद्यालय प्रांगण में स्थापित पंडाल का फिता काटकर जिला पार्षद प्रतिनिधि युवा समाजसेवी अश्विनी कुमार सिंह ने उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दशहरा पर्व असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में शांति और भाईचारा के साथ त्योहार को मनाने की परंपरा रही है। जिसे कायम रखने की जरूरत है। पूजा को सफल बनाने में पंडित पुष्पेंद्र पांडेय, यजमान रविरंजन सिंह उपमुखिया के अलावा विनय, संजय सहित कमिटी के अध्यक्ष पंकज कुमार, उपाध्यक्ष रामजन्म राम व व्यवस्थापक विवेक

विशाल बंटी सहित अन्य सदस्यों की भूमिका सराहनीय बताई गई। पंडाल को बेहद ही आकर्षक ढ़ग से सजाया गया है। रंग-विरंगी रौशनी में पूरा प्रांगण जगमग हो गया है। ध्वनिविस्तारक यंत्रों के माध्यम से भक्ति गीतों का संचार लोगों की मनोदशा को धार्मिकता से ओतप्रोत कर रही है। सड़कों पर काली मंदिर से लेकर देवीधाम होते ठाकुरबाड़ी तक रौशनी के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। कमिटी के महामंत्री बबलू यादव महामंत्री, सचिव कमलेश कुमार मेहता, संगठन सचिव अनिल सोनी, कोषाध्यक्ष रिंकू सोनी , महिला मंत्री गीता यादव के अलावा नित्यानन्द पाठक, वृंदा प्रसाद गुप्ता, उज्ज्वल चतुवेर्दी, सनी, विक्की, रौशन,पिंटू कुमार , हरि, उत्तम, शिवम, विकास, रविंद्र, सनोज यादव, आशीष, रोहित सिंह, राजीव मेहता, कुणाल, अमन गोस्वामी और अभय पूजा को संपन्न कराने में तन-मन से लगे हैं।

राम-सीता विवाह की कथा से श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। श्री दुर्गा पूजा समिति चौक बाजार हैदरबागर के तत्वावधान में आयोजित संगीतमय श्री राम कथा में स्वाति दीदी ने राम कथा का अनुपम वर्णन किया। कथा के इस विशेष सत्र में देवी स्वाति जी ने श्रोताओं को संसार के प्रति उदासीनता और स्वभाव में परोपकारिता के महत्व का उपदेश दिया। उन्होंने भगवान राम और माता सीता के पुष्प वाटिका में प्रथम मिलन और उनके विवाह की कथा सुनाई, जिसने भक्तों के मन में आस्था और श्रद्धा का संचार किया।कथा के दौरान श्रोताओं ने देवी स्वाति जी के मधुर कंठ से कई भक्तिमय भजनों का आनंद लिया। श्री राम जय राम जय जय राम, कसमे वादे प्यार, वफा सब बातें हैं बातों का क्या ... आज मिथिला नगरिया निहाल सहकियां, और आज मेरे राम की शादी है... जैसे भजनों ने कथा में

उपस्थित श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। श्रोता मंत्रमुग्ध होकर इन भजनों में डूब गए। पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया। कथा में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मुखिया सह दुर्गा पूजा समिति के संरक्षक संतोष कुमार सिंह, मुकेश मेहता, डॉ. अजय जायसवाल, मुखिया जितेन्द्र सिंह, धनंजय सिंह, संतोष चौधरी और पवन जयसवाल, मंटू मेहता, संतन चौधरी सहित कई प्रमुख लोग इस धार्मिक अनुष्ठान में शामिल हुए। श्री दुर्गा पूजा समिति के सदस्य और आयोजनकर्ता इस कथा के सफल आयोजन के लिए पूरी तरह से समर्पित दिखे। समिति के संरक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि कथा के प्रत्येक दिन श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। श्रोता भगवान राम की लीला और उनके जीवन से प्रेरित होकर अपने जीवन को और भी सकारात्मक रूप से जीने को प्रेरित हो रहे हैं।

आस्था के साथ भक्त पहुंच रहे हैं मां का दर्शन करने

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। शारदीय नवरात्र की सप्तमी बुधवार की देर शाम से ही हैदरनगर शहर की चार पूजा पंडालों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा के पट खुलते ही श्रद्धालुओं ने दर्शन व पूजा अर्चना शुरू कर दी है। चौक बाजार हैदरनगर व शुक्रबाजार में समिति संरक्षक सह मुखिया संतोष सिंह व उनकी पत्नी सह जिप सदस्य संगीता देवी बतौर यजमान दुर्गा भवन में विधिविधान से पुरोहितों के समक्ष पूजा अर्चना कर प्रतिमा का पट खुलवाया। इनके साथ सहयोगी सदस्य सह उपमुखिया पवन कुमार, सचिव संतन चौधरी, मंटू मेहता, जितेन्द्र सोनी, विरेन्द्र कुमार सहित कई युवा इस अनुष्ठान में बढ़ चढ़कर भाग लिया। जबकि बाजार क्षेत्र के मठ पर, बड़ा शिवालय, शुक्रबाजार के अलावे बहेरा, बिलासपुर, हेमजा, बहरपुरा, सिंघना, करीमनडीह, संड़ेया, नौडीहा, बिलासपुर, चौकड़ी, कोसीआरा, तारा, पंसा, रानीदेवा, सजवन, सलेमपुर, खरगाड़ा, बुद्धि बिगहा, लोहरपुरा, भदुआ, सोबा, पतरिया, परता, कबरा कला, अधौरा, इसमें श्रीकेश कुमार सिंह अध्यक्ष, बबलू चौधरी सचिव, नागेन्द्र गुप्ता कोषाध्यक्ष, विकास कुमार सिंहसंबधित पूजा समिति समस्त सदस्य पूरी सक्रियता के साथ मुस्तैद हैं।

सामूहिक दुष्कर्म का एक अरोपी गिरफ्तार, तीन फरार

नवीन मेल संवाददाता

भंडरिया। (गढ़वा)। सामूहिक दुष्कर्म की घटना में शामिल मुख्य आरोपी मुकेश राम को भंडरिया पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उक्त जानकारी रंका एसडीपीओ रोहित रंजन कुमार सिंह ने भंडरिया थाना परिसर में प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने कहा कि पीड़िता द्वारा बड़गड़ थाना क्षेत्र के ग्राम गड़िया के चार युवक मुकेश कुमार, कामेश मांझी, रोहित मांझी व सोनू यादव द्वारा पूजा पंडाल से लौटते समय बघवार गांव के जंगल में सामूहिक दुष्कर्म करने का नामजद प्राथमिक भंडारिया थाने में दर्ज कराई गई थी। इस आलोक में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर रंका अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस जवानों की एक टीम की गठित कर तत्परता के साथ टेक्निकल इनपुट के सहयोग से छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसमें दुष्कर्म की घटना में शामिल मुख्य आरोपी मुकेश राम को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवक अपना अपराध भी स्वीकार कर लिया है। एसडीपीओ ने कहा कि घटना में शामिल अन्य युवकों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। जल्द ही घटना में शामिल सभी आरोपी युवक पुलिस के गिरफ्त में होंगे।

आस्था के साथ भक्त पहुंच रहे हैं मां का दर्शन करने

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। शारदीय नवरात्र की सप्तमी बुधवार की देर शाम से ही हैदरनगर शहर की चार पूजा पंडालों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा के पट खुलते ही श्रद्धालुओं ने दर्शन व पूजा अर्चना शुरू कर दी है। चौक बाजार हैदरनगर व शुक्रबाजार में समिति संरक्षक सह मुखिया संतोष सिंह व उनकी पत्नी सह जिप सदस्य संगीता देवी बतौर यजमान दुर्गा भवन में विधिविधान से पुरोहितों के समक्ष पूजा अर्चना कर प्रतिमा का पट खुलवाया। इनके साथ सहयोगी सदस्य सह उपमुखिया पवन कुमार, सचिव संतन चौधरी, मंटू मेहता, जितेन्द्र सोनी, विरेन्द्र कुमार सहित कई युवा इस अनुष्ठान में बढ़ चढ़कर भाग लिया। जबकि बाजार क्षेत्र के मठ पर, बड़ा शिवालय, शुक्रबाजार के अलावे बहेरा, बिलासपुर, हेमजा, बहरपुरा, सिंघना, करीमनडीह, संड़ेया, नौडीहा, बिलासपुर, चौकड़ी, कोसीआरा, तारा, पंसा, रानीदेवा, सजवन, सलेमपुर, खरगाड़ा, बुद्धि बिगहा, लोहरपुरा, भदुआ, सोबा, पतरिया, परता, कबरा कला, अधौरा,

पचपोखरी, भगड़ा, कुकही सहित कुल 46 पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा के पंडालों में भक्तों की भीड़ लगी है।इसमें श्रीकेश कुमार सिंह अध्यक्ष, बबलू चौधरी सचिव, नागेन्द्र गुप्ता कोषाध्यक्ष, राजू, नीरज कुमार, मनोज, अंकित कुमार, गोविन्द, मनु सिंह, शिवम सिंह, सोनू विश्वकर्मा, दीपक चंद्रवंशी, धनंजय शाह, पवन, अनिकेत सिंह, राजू सिंह, रितु सिंह, कुंदन सिंह, हरजीत सिंह, गुड्डू पासवान, अंकित कुमार, सर्वजीत, अमित कुमार, युवराज सिंह, विकास कुमार सिंहसंबधित पूजा समिति समस्त सदस्य पूरी सक्रियता के साथ मुस्तैद हैं।

जय भामाशाह क्लब ने दुर्गा पूजा पर तीन दिवसीय डांडिया नाइट का किया कार्यक्रम

संस्कृति के संरक्षण का एक सराहनीय प्रयासः थाना प्रभारी

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। नगर पंचायत क्षेत्र के सब्जी बाजार के निकट जय भामाशाह क्लब की ओर से दुर्गा पूजा के अवसर पर तीन दिवसीय डांडिया नाइट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक और क्लब के अध्यक्ष रजनीकांत मधुर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत दुर्गा मां की आरती और भक्तिपूर्ण गानों के साथ डांडिया-गरबा से की गई। दुर्गा पूजा के इस आयोजन में सैकड़ों युवतियों और महिलाओं ने भाग लिया, जहां बच्चों ने माता रानी के प्रति श्रद्धा और समर्पण का भाव व्यक्त किया। सभी प्रतिभागियों ने डांडिया नृत्य कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक ने कहा कि जय भामाशाह क्लब द्वारा आयोजित डांडिया नाइट कार्यक्रम एक सराहनीय पहल है। उन्होंने बताया कि डांडिया रास नृत्य धार्मिक प्रासंगिकता के साथ मनाया जाता है, जो केवल गुजरात में ही नहीं, बल्कि भारत के अन्य हिस्सों और विदेशों में रहने वाले गुजराती समुदायों के बीच भी प्रचलित है। यह नृत्य शैली महिषासुर के साथ दुर्गा मां की लड़ाई को दशार्ती है और इसे मुख्य रूप से नवरात्रि के शुभ समय के दौरान किया जाता है। कार्यकारी अध्यक्ष रजनीकांत माधुर ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य हमारी संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि गरबा को देवी की साधना के रूप में माना जाता है, और यह कार्यक्रम विलुप्त हो रहे गरबा और डांडिया को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया है। डांडिया खेलने वालों में शहर की सुप्रिया कुमारी, जूही कुमारी, काजल कुमारी, पल्लवी अनमोल, ऋतुराज जायसवाल, नित्यानंद कुमारी, अमित कुमार, वीरेंद्र अग्रहरि समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पेज एक के शेष

रामगढ़ में ट्रक...

जानकारी के अनुसार रांची की ओर से हजारीबाग की तरफ जा रहे चावल लदे ट्रक (यूपी 44 एटी 2365) का चुटूपालू घाटी में ब्रेक फेल हो गया। घाटी से उतरने के बाद अनियंत्रित ट्रक मौत बनकर सड़क पर चल रही थी। सड़क के किनारे खड़ी कई गाड़ियों को उस ट्रक ने टक्कर मारी और फोरलेन से उतरकर लिंक रोड में घुस गया। इधर गांव की चार बच्चियां मनीषा, प्रतिमा, ममता और नैना देवी पूजन के लिए घर से निकली थीं। सड़क के किनारे वह गाड़ियों के पार होने का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान उन लोगों ने इस अनियंत्रित ट्रक को देखा। उन बच्चियों ने सड़क से भागने की भी कोशिश की, लेकिन पलक झपकते ही चावल लदा ट्रक उन बच्चियों पर पलट गया। मौके पर पहुंची पुलिस, सीओ ने दी सहायता राशि : घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, अंचल अधिकारी सुदीप एक्का और थाना प्रभारी कृष्ण कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने राहत बचाव कार्य शुरू किया और घायल बच्ची का इलाज सदर अस्पताल में कराया। इस दौरान अंचल अधिकारी ने मृत बच्चियों के परिजनों को तत्काल 20000 की सहायता राशि दी है। साथ ही सड़क दुर्घटना में मौत के बाद सरकारी प्रावधान के अनुसार 100000 अति शीघ्र देने का आश्वासन भी दिया है।

पुलिस ने 44 वारदात...

अंतर्गत किस्को थाना क्षेत्र का रहने वाला है और इन दिनों शहर की हरमू हाउसिंग कॉलोनी में रह रहा था। उसके खिलाफ रांची के अलावा राज्य के दूसरे जिलों में भी कई मामले हैं, जिसका ब्योरा जुटाया जा रहा है। 41 वर्षीय राजीव रंजन सिंह ने 16 साल की उम्र में ही अपराध की दुनिया में कदम रखा था। शुरूआत में उसने छोटी-छोटी घटनाओं को अंजाम दिया। जेल से जमानत पर निकलते ही वह तुरंत अपराध की नई घटना को अंजाम देने में जुट जाता था। उसके खिलाफ हत्या, लूट, डकैती की कई वारदातों की तफ्तीश के दौरान पुलिस ने उसे एक साइको क्रिमिनल के तौर पर चिन्हित किया। उसे गिरफ्तार करने वाली टीम में लालपुर के पुलिस इंस्पेक्टर रूपेश कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर सत्यप्रकाश उपाध्याय, पंकज कुमार शर्मा सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

अलविदा : भारत के अनमोल रतन...

इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के साथ हैं। अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय से आर्किटेक्ट में स्नातक की डिग्री लेने के बाद रतन टाटा भारत लौटे और 1962 में उस समूह के लिए काम करना शुरू किया जिसकी स्थापना उनके परदादा ने लगभग सौ साल पहले किया था। अपनी सेवा के दौरान उन्होंने टाटा समूह की कई कंपनियों में काम किया। जमशेदपुर में टाटा स्टील में उन्होंने आपरेशंस के काम से शुरू किया और नीली वर्दी में आम कर्मचारी की तरह कई वर्ष काम किये। उनके काम व लगन को देख कर जमशेद जी ने उनको मुंबई बुलाया और घाटे में चल रही नेल्को (नेशनल रेडियो एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी)की ज़िम्मेदारी दे दी। रतन टाटा ने नेल्को को तीन साल में प्राफिट में ला दिया।

1991 में, जब जेआरडी टाटा ने पद छोड़ा, तब रतन टाटा को टाटा समूह की कमान सौंपी गई। उन्होंने 1991 से दिसंबर 2012 तक नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी ह्यटाटा संसह्न के अध्यक्ष के रूप में टाटा ग्रुप का नेतृत्व किया। यह कमान उनके हाथों में उस समय सौंपी गई जब भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी सुधारों की शुरूआत की थी। अपने शुरूआती दिनों में रतन टाटा समूह की कई कंपनियों में लंबे समय से काबिज कुछ दिग्गजों की शक्तियों पर लगाम लगाने की कोशिश की। कंपनियों में सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित की गई और युवा लोगों को वरिष्ठ पदों पर पदोन्नत किया गया। इस कंपनियों पर उनका नियंत्रण बढ़ता गया।रतन टाटा ने दूरसंचार कंपनी टाटा टेलीसर्विसेज की स्थापना की। 1996 में उन्होंने आईटी फर्म टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को अपने अधीन कर लिया। समूह की आमदनी में बड़ा हिस्सा देने वाली इस कंपनी को 2004 में सार्वजनिक किया गया। रतन टाटा के नेतृत्व में समुचित विकास के लिए समूह ने यह निश्चय किया कि उसे भारतीय सीमाओं से परे भी देखना होगा। अपनी कारोबारी यात्रा पर 2013 में स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस को दिए एक साक्षात्कार में टाटा ने कहा था, ह्लयह विकास की खोज थी और हमें आधारभूत नियमों को बदलना था, ताकि हम अधिग्रहण के माध्यम से खुद को आगे ले जा सके। यह हमने पहले कभी नहीं किया था ह्व समूह ने 2000 में ब्रिटिश चाय कंपनी टेटली को 432 मिलियन डॉलर में और 2007 में एंग्लो-डच स्टील निमार्ता कोरस को 13 बिलियन डॉलर में खरीदा था। यह उस समय किसी भारतीय कंपनी की ओर से की गई विदेशी कंपनी का सबसे बड़ा अधिग्रहण था। इसके बाद टाटा मोटर्स ने फोर्ड मोटर कंपनी (एफएन) से ब्रिटिश लग्जरी ऑटो ब्रांड जगुआर और लैंड रोवर का अधिग्रहण किया। यह सौदा 2008 में 2.3 बिलियन डॉलर में हुआ।

लखटकिया कार नैनो

टाटा मोटर्स में उनकी पसंदीदा परियोजनाओं में इंडिका (भारत में डिजाइन और निर्मित पहली कार) और नैनो (जिसे दुनिया की सबसे सस्ती कार बताया गया) शामिल थी। रतन टाटा ने दोनों मॉडलों के लिए शुरूआती स्केच तैयार किए थे। इंडिका व्यावसायिक रूप से सफल रही। हालांकि, नैनो, जिसकी कीमत मात्र 100,000 रुपये (लगभग 1,200 डॉलर) थी ,जो भारत के आम लोगों के लिए एक किफायती कार बनाने के रतन टाटा के सपने की परिणति थी, को सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं और गड़बड़ मार्केटिंग के कारण नुकसान उठाना पड़ा। लॉन्च होने के एक दशक बाद ही इसे बंद कर दिया गया। रतन टाटा एक लाइसेंसधारी पायलट थे, जो कभी-कभी कंपनी का विमान भी उड़ाते थे। उन्होंने कभी विवाह नहीं किया और वे अपने शांत आचरण, अपेक्षाकृत साधारण जीवनशैली और परोपकारी कार्यों के लिए जाने गए। समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की लगभग दो-तिहाई शेयर पूंजी परोपकारी ट्रस्टों के पास है।

टाटा ने अपने बाद जिस साइरस मिस्त्री को टाटा समूह के नेतृत्व के लिए अपना उत्तराधिकारी चुना उसी से उनके विवाद शुरू हो गया। विवाद तब हुआ जब कंपनी ने अरबपति शापूरजी पालोनजी परिवार के वंशज साइरस मिस्त्री को 2016 में टाटा संस के चेयरमैन पद से हटा दिया गया। टाटा समूह ने कहा कि मिस्त्री खराब प्रदर्शन करने वाले व्यवसायों की स्थिति सुधारने में असफल रहे हैं, जबकि मिस्त्री ने रतन टाटा, जो समूह के मानद चेयरमैन थे, पर हस्तक्षेप करने और समूह में एक वैकल्पिक सत्ता केंद्र बनाने का आरोप लगाया। टाटा समूह की प्रमुख कंपनियों में एयर इंडिया, टीसीएस, टाटा मोटर्स, टाटा नमक, टाटा चाय, जगुआर लैंड रोवर, टाइटन, फास्ट्रैक, तनिष्क, स्टारबक्स, वोल्टास, जारा, वेस्टसाइड, कल्टफिट, टाटा एआईजी, टाटा एआईए लाइफ, टाटा प्ले, टाटा वनएमजी और टाटा कैपिटल ब्रांड्स शामिल हैं। टाटा समूह की कंपनियों ने हाल ही में देश में सेमीकंडक्टर के निर्माण में भी कदम रखा है। टाटा ग्रुप के मार्केट कैप की ही बात करें, तो यह पाकिस्तान की जीडीपी से भी ज्यादा है। पाकिस्तान की जीडीपी के इस साल के आखिर तक 347 अरब डॉलर हो जाने का अनुमान है। जबकि टाटा ग्रुप का मार्केट कैप जुलाई 2024 में ही 400 अरब डॉलर को पार कर गया था। टाटा ग्रुप देश का पहला ऐसा कारोबारी ग्रुप है, जिसकी कंबाइंड वैल्यूएशन 400 अरब डॉलर को पार कर गई है।

टाटा समूह की 26 कंपनियां शेयर बाजार में पंजीकृत

ग्रुप की 26 कंपनियां स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट है। कंपनी नमक बनाने से एयरलाइन और सेमीकंडक्टर चिप बनाने तक के कारोबार से जुड़ी है। टाटा समूह की वेबसाइट के अनुसार 1868 में जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित टाटा समूह एक वैश्विक उद्यम है, जिसका मुख्यालय भारत में है और जिसमें दस क्षेत्रों की 30 कंपनियां शामिल हैं। यह समूह छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में काम करता है। टाटा संस टाटा कंपनियों की प्रमुख निवेश होल्डिंग कंपनी और प्रमोटर है। टाटा संस की इक्विटी शेयर पूंजी का 66 प्रतिशत हिस्सा परोपकारी ट्रस्टों के पास है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका सृजन और कला व संस्कृतिक विकास का समर्थन करते हैं। 2023-24 में टाटा कंपनियों का कुल राजस्व 165 बिलियन डॉलर से ज्यादा था। प्रत्येक टाटा कंपनी या उद्यम अपने स्वयं के निदेशक मंडल के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत स्वतंत्र रूप से काम करता है। 31 मार्च, 2024 तक 365 बिलियन डॉलर से अधिक के संयुक्त बाजार पूंजीकरण के साथ टाटा के पास 26 सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध उद्यम हैं।

10 लाख कर्मचारी

टाटा ग्रुप बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार दे रहा है। वित्त वर्ष 2023 के आंकड़ों के अनुसार, दुनियाभर में टाटा ग्रुप की कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या 10,28,000 थी। टाटा ग्रुप की टीसीएस में ही करीब 6,15,000 लोग काम करते हैं। टीसीएस कर्मचारियों के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है। उनके नेतृत्व में 21 सालों में, टाटा समूह का कारोबार 40 गुना से अधिक और मुनाफा 50 गुना से अधिक बढ़ा रिपोर्ट्स के मुताबिक, रतन टाटा की नेट वर्थ 3800 करोड़ रुपये थी।

पेटीएम, ओला इलेक्ट्रिक जैसे स्टार्टअप में भी टाटा का निवेश

टाटा समूह से हटने के बाद, रतन टाटा भारतीय स्टार्टअप्स में एक प्रमुख निवेशक के रूप में भी जाने गए। उन्होंने डिजिटल भुगतान फर्म पेटीएम सहित कई कंपनियों जैसे ओला इलेक्ट्रिक और घरेलू एवं सौंदर्य सेवा प्रदाता अर्बन कंपनी जैसे स्टार्टअप्स में निवेश किया। उन्होंने स्नैपडील, टीबॉक्स और कैशकरो डॉट कॉम की भी मदद की। रतन टाटा को अपने जीवनकाल में अनेक पुरस्कारों के अलावा, व्यापार और उद्योग में असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए 2008 में भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण भी दिया गया।

टाटा संस व उसके ट्रस्ट का संचालन

टाटा समूह में पांच प्रमुख ट्रस्ट हैं। इनकी टाटा सन्स में 66% हिस्सेदारी है, और टाटा संस का टाटा ग्रुप के पूरे कॉरपोरेट साम्राज्य पर नियंत्रण है। टाटा संस समूह की होल्डिंग कंपनी है। ये पांच ट्रस्ट मुख्य रूप से परोपकारी ट्रस्ट हैं। इनमें से दो सबसे बड़े सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट हैं। इन सभी के चेयरमैन रतन टाटा थे। इनमें से अधिकांश के वाइस चेयरमैन आईएएस अधिकारी विजय सिंह हैं। वे मध्य प्रदेश काडर के 1970 बैच के अधिकारी हैं।

टाटा संस को चलाने वाले ट्रस्ट में किनकी भूमिका

सर दोराबजी टाटा ट्रस्टः ट्रस्टीः विजय सिंह, वेनु श्रीनिवासन, माया एन टाटा, नेविल एन टाटा और तुषाद दुबाश।

सर रतन टाटा ट्रस्टः ट्रस्टीः विजय सिंह, वेनु श्रीनिवासन, जेएन टाटा, एनएन टाटा, जहांगीर एचसी टाटा, मेहली मिस्त्री और डेरियस खंबाटा।

टाटा एजुकेशनल एंड डेवलपमेंट ट्रस्टः ट्रस्टीः जेएन मिस्त्री, विजय सिंह, वेनु श्रीनिवासन।

हीराबाई जेएन टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टिट्यूशनः ट्रस्टीः विजय, वेनु श्रीनिवासन, जेएन टाटा, एनएन टाटा, जहांगीर एचसी टाटा, मेहली मिस्त्री, डेरियस खंबाटा।

सार्वजनिक सेवा ट्रस्टः ट्रस्टीः जेएन टाटा, जेएन मिस्त्री, लिया एन टाटा, माया एन टाटा।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज
CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

जी7 देशों की बैठक में भारत ने सुरक्षित और स्वस्थ विश्व की वकालत की

नई दिल्ली। इटली के एंकोना में आयोजित जी7 देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक में केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव जी7 देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इस मौके पर उन्होंने रोगाणुरोधी प्रतिरोध से मुक्त, एक सुरक्षित और स्वस्थ विश्व की वकालत की। उल्लेखनीय है कि ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) विश्व की सात उन्नत अर्थव्यवस्थाओं का एक अनौपचारिक समूह है, जिसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ-साथ यूरोपीय संघ भी शामिल है।

सहारनपुर से मुरादाबाद जा रही मेमू एक्सप्रेस को पलटने की कोशिश

बिजनौर। ट्रेन को पलटने के प्रयास की घटना देश भर में देखी जा रही है। जनपद बिजनौर में ऐसी एक साजिश फिर सामने आई है। आज सवेरे मेमू एक्सप्रेस ट्रेन को पलटाने की साजिश के तहत् नजीबाबाद क्षेत्र के गढ़मालपुर रेलवे क्रॉसिंग पर असामाजिक तत्वों द्वारा पत्थर रख दिए गए। गनीमत रही कि ट्रेन पत्थरों को तोड़ते हुए निकल गई। सहारनपुर से मुरादाबाद जा रही मेमू एक्सप्रेस जनपद के नजीबाबाद की गढ़मालपुर रेलवे क्रॉसिंग पर हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गई। अप और डाउन लाइन की रेल पटरी पर लगभग 20 मीटर तक रखे छोटे-छोटे पत्थर तेज आवाज के साथ टूटे तो चालक की सांसें थम गईं। गनीमत रही कि हादसा टल गया और ट्रेन पत्थरों को तोड़ते हुए सुरक्षित निकल गई। बताया गया कि ट्रेन चालक ने मुर्शदपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचते ही स्टेशन मास्टर और उच्च अधिकारियों को घटना की सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी प्रभारी पवन कुमार, आरपीएफ के धन सिंह चौहान, सीनियर सेक्शन इंजीनियर रेल पथ घटनास्थल पर पहुंच गए। रेलवे पुलिस और रेलपथ अधिकारी अभी इस बात की जांच में जुटे हैं कि बच्चों ने शरारत की है या फिर किसी साजिश के तहत पटरी पर पत्थर रखे गए हैं।

हम शांतिप्रिय देश हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं : प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को आसियान सम्मेलन में कहा कि हम शांतिप्रिय देश हैं और एक-दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं। हम अपने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब विश्व संघर्ष और तनाव का सामना कर रहा है, भारत-आसियान मित्रता, समन्वय, संवाद और सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने लाओस के वियनतियाने में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए जोर देकर कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति ने नई दिल्ली और आसियान देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को ऊर्जा और गति दी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक संघर्षों के मद्देनजर आज भारत-आसियान सहयोग की बहुत आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें आसियान परिवार के साथ 11वीं बार इस बैठक में शामिल होने पर गर्व महसूस हो रहा है। दस साल पहले उन्होंने भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति की घोषणा की थी। इन 10 वर्षों में इस नीति ने भारत और आसियान देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को नई ऊर्जा, दिशा और गति दी है। उन्होंने कहा कि भारत-आसियान पड़ोसी हैं, ग्लोबल साउथ में साझेदार हैं और दुनिया में तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र हैं। उन्होंने कहा कि भारत-आसियान शांतिपूर्ण राष्ट्र हैं, एक-दूसरे की राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आसियान के साथ 130 बिलियन डालर से ज्यादा का व्यापार

उन्होंने आसियान क्षेत्र के देशों के साथ बहुपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए भारत द्वारा की गई अन्य पहलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष, क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए समुद्री अभ्यास शुरू किया गया था। पिछले 10 वर्षों में आसियान क्षेत्र के साथ हमारा व्यापार लगभग दोगुना होकर 130 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। आज भारत के पास सात आसियान देशों के साथ सीधी उड़ान कनेक्टिविटी है और बहुत जल्द, ब्रुनेई के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने तिमोर लेस्ते में नए वाणिज्य दूतावास खोले हैं। सिंगापुर आसियान क्षेत्र का पहला देश था, जिसके साथ हमने फिनटेक कनेक्टिविटी स्थापित की और अब इसे अन्य देशों में भी दोहराया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का लगभग सात आसियान देशों के साथ सीधा उड़ान संपर्क है और ब्रुनेई के साथ भी यही शुरू होगा।

हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रही कांग्रेस : भाजपा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठाने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि नाच न जाने आंगन टेढ़े वाली सोच से कांग्रेस घिर चुकी है। कांग्रेस आत्ममंथन करने के बजाय अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रही है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि हरियाणा चुनाव में लोगों ने स्पष्ट रूप से कांग्रेस को नकार दिया है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस के सारे दावे झूठे हैं। ये अपनी हार का ठीकरा कभी चुनाव आयोग और कभी ईवीएम पर फोड़ रहे हैं। आत्मंथन करने के बजाय हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ने में लगे हुए हैं। चुग ने कहा कि राहुल गांधी एक जिद्दी बालक की तरह अपनी परीक्षा में असफल होने के बाद आत्ममंथन करने के बजाय फेल होने का ठीकरा परीक्षा केंद्र और शिक्षकों पर फोड़ रहे हैं।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने मध्य पूर्व के हालात पर चिंता जताई

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अमीर सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव नतीजों, मुसलमानों के धार्मिक स्थलों पर लक्षित हमले और पैगंबर साहब पर अपमानजनक टिप्पणियों, एक राष्ट्र एक चुनाव और मध्य पूर्व की स्थिति पर चिंता जताई। नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में अमीर-ए-जमाअत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में बनी नई सरकारें लोगों की वास्तविक समस्याओं, आर्थिक विकास और चुनाव में जनता से किए गए वादों को पूरा करने की कोशिश में जुट जाएं। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने अपने बयानों पर धयान केंद्रित करें। उन्होंने कहा कि इन दिनों मुसलमानों और उनकी इबादतगाहों पर हिंसा और हमले की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। मुस्लिम युवाओं पर झूठे आरोप लगाकर उन पर अत्याचार की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं। हाल ही में गुजरात के सोमनाथ जिले में पांच सौ साल पुराने कब्रिस्तान, मस्जिद और धर्मस्थलों को ध्वस्त कर दिया गया है।

हरियाणा में हार के कारणों का पता लगाने को समिति गठित करेगी कांग्रेस

एजेंसी। नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के कारणों का पता लगाने के लिए कांग्रेस ने एक समिति का गठन करने का फैसला किया है। पार्टी के राष्ट्रीय मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर गुरुवार को हुई समीक्षा बैठक के बाद सूत्रों ने यह जानकारी दी। समीक्षा बैठक के बाद कांग्रेस नेता एवं हरियाणा विधानसभा चुनाव के पर्यवेक्षक रहे अजय माकन ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान जांच समिति के गठन को लेकर स्पष्ट रूप से कुछ भी नहीं कहा। हालांकि उन्होंने इस बात के संकेत दिए कि हार के कारणों का पता भी जरूर लगाया जाएगा। माकन ने कहा कि सभी जानते हैं कि हरियाणा चुनाव के नतीजे अप्रत्याशित

थे। एग्जिट पोल और चुनावी नतीजों में बहुत अंतर था। हमने चुनाव नतीजों से जुड़े विभिन्न कारणों पर चर्चा की है, जिस पर हम आगे कार्रवाई करेंगे। माकन के मुताबिक समीक्षा बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, अशोक गहलोत, दीपक बाबरिया और अन्य नेता मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि इस बैठक में हरियाणा से किसी भी नेता को आमंत्रित नहीं किया गया था।

कोलकाता में सप्तमी पर भी पुलिस ने रोकी अभया परिक्रमा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में सप्तमी के दिन जूनियर डॉक्टरों की ह्यअभया परिक्रमा को एक बार फिर पुलिस ने रोकने की कोशिश की, लेकिन आंदोलनकारी डॉक्टरों ने पुलिस की इस कोशिश को नाकाम करते हुए गार्डरैल हटाकर सेंट्रल एवेन्यू की ओर अपना मार्च जारी रखा। इससे पहले षष्ठी के दिन भी पुलिस ने उनकी परिक्रमा रोकने की कोशिश की थी। आरजी कर मेडिकल कालेज और अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ रेप और हत्या के मामले को लेकर डॉक्टरों का आंदोलन और गहराता जा रहा है।

मोदी ने जापान के नवनियुक्त पीएम के साथ द्विपक्षीय बैठक की

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान के नवनियुक्त प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा से आज लाओस में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के मौके पर द्विपक्षीय बैठक की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार उन्होंने प्रधानमंत्री इशिबा को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और जापान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में उनकी सफलता की कामना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत एक विश्वसनीय मित्र और रणनीतिक साझेदार जापान के साथ अपने संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देना जारी रखेगा। दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, बुनियादी ढांचे के विकास, रक्षा और सुरक्षा, अर्धचालक, कौशल, संस्कृति और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित व्यापक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और जापान शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपरिहार्य भागीदार हैं और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों नेता अगले भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए उत्सुक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की स्तुति की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की स्तुति की। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा,'' नवरात्रि में मां महागौरी का चरण-वंदन! देवी मां की कृपा से उनके सभी भक्तों के जीवन में संपन्नता और प्रसन्नता बनी रहे। इसी कामना के साथ उनकी स्तुति की। '' उल्लेखनीय है महागौरी का स्तुति मंत्र है-श्वेते वृषे समरूढा श्वेताम्बराधरा शुचिः। महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा।।

नवरात्रि के आठवें दिन को महाष्टमी या दुर्गा अष्टमी भी कहा जाता है। इस दिन मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा की जाती है।

एजुकेशन/करियर

सोलर इंजीनियरिंग में बना सकते है अपना करियर

सोलर इंजीनियरिंग, सौर ऊर्जा के विभिन्न पहलुओं की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें सोलर एनर्जी टेक्नोलॉजी और सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन, फोटोवोल्टिक और सोलर थर्मल संबंधित मुद्दे भी शामिल होते है। सोलर इंजीनियरिंग, मुख्य रूप से सूर्य से प्राप्त नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने से संबंधित है। इसकी बढ़ती मांगों के ज़रिए जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक दोहन में भी कमी आयेगी और ऊर्जा व संसाधन खपत जैसे विनाशकारी आदतों को बदलाव आएगा। सीधे शब्दों में कहा जाए, तो सोलर इंजीनियरिंग का उद्देश्य छात्रों को नवीकरणीय ऊर्जा विषयों के साथ सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में गहन समझ प्रदान करना है।

सोलर इंजीनियरिंग क्यों चुनें

- सोलर इंजीनियरिंग ने पिछले एक दशक में तेजी से विकास देखा है और अब यह इंजीनियरिंग में सबसे अधिक मांग वाले क्षेत्रों में से एक है। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर बढ़ते फोकस के साथ, सोलर इंजीनियरिंग, इस उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।
- • सोलर इंजीनियरिंग का अध्ययन करने वाले ग्रेजुएट्स के पास सौर ऊर्जा के सही उपयोग के लिए विस्तृत ज्ञान होता है। इसका अध्ययन करके आपके पास फोटोवोल्टिक सिस्टम को डिज़ाइन और स्थापित करने, डेटा का विश्लेषण करने और तकनीकी कौशल डेवलप होते हैं।
- सोलर इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स आमतौर पर उच्च वेतन अर्जित करते हैं और उच्च मांग में हैं। हालांकि, इस क्षेत्र में भारत, चीन, जर्मनी और यूएसए में भी काफ़ी अवसर हैं।
- सोलर इंजीनियरिंग तेजी से बढ़ रही है और इस क्षेत्र में प्रवेश करने के इच्छुक स्नातकों के लिए कई अवसर उपलब्ध हैं। चाहे आप करियर में बदलाव की तलाश कर रहे हों या नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विकास में शामिल होना चाहते हों, सोलर इंजीनियरिंग आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

सोलर इंजीनियर के काम

- रेसिडेंटल या कमर्शियल भवनों के लिए फोटोवोल्टिक (पीवी) सिस्टम के सोलर थर्मल सिस्टम की डिजाइनिंग करना।
- सोलर इलेक्ट्रिकल सिस्टम के लिए इलेक्ट्रिकल सिंगल-लाइन डायग्राम, कनेक्शन डायग्राम या पैनल शेड्यूल बनाने के लिए कंप्यूटर-एडेड डिज़ाइन सॉफ़्टवेयर का उपयोग करना।
- पूरी हो चुकी सोलर पैनल प्रोजेक्ट्स को रिव्यू करना।
- सोलर पॉवर सिस्टम के विकास, निगरानी और मूल्यांकन के लिए योजना बनाना।
- सोलर पैनल इंस्टालेशन के लिए सेफ्टी स्टैंडर्ड्स को बनाए रखने के लिए सही प्रोसीजर डेवलप करना।

सोलर इंजीनियरिंग के लिए भारतीय संस्थान

- आईआईटी बॉम्बे
- डीटीयू दिल्ली - दिल्ली टेक्नोलॉजिकल युनिवर्सिटी
- जेएमआई नई दिल्ली - जामिया मिलिया इस्लामिया
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी दिल्ली
- चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- आईआईटी खड़गपुर - इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी
- आईआईटी रुड़की - इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी
- आईआईएससी बैंगलोर - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस
- मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर
- आईआईटी हैदराबाद - इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी

सोलर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में करियर

सोलर इंजीनियरिंग में सोलर इंस्टालर, फोटोवोल्टिक डिजाइनर से लेकर सोलर प्रोजेक्ट एनालिस्ट और सोलर इंजीनियर तक कई नौकरी के विकल्प उपलब्ध होते हैं। भारत में सोलर पैनल, फ्रेम्स, इनवर्टर, सोलर लाइट्स और सोलर गैजेट्स आदि जैसे सोलर एनर्जी प्रोडक्शन संबंधित प्रोडक्ट्स के निर्माण के क्षेत्र में 150 से अधिक उद्योग हैं। सोलर इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स पूरे भारत में इन इकाइयों में अच्छी नौकरियां प्राप्त कर सकते हैं। इंटरप्रेन्योरशिप स्किल्स रखने वाले अपनी खुद की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का विकल्प चुन सकते हैं। सोलर इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स जो फील्डवर्क में रुचि रखते हैं, इंस्टॉलर के रूप में काम कर सकते हैं। इंस्टॉलर उच्च मांग में हैं। हालांकि, इंस्टॉलर को विदेशों में काम करने के लिए अनिवार्य लाइसेंस प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।